बालाघाट
मंगलवार 03 मार्च 2026
फाल्गुन शुक्ल 13 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 159
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 80,238.85
निफ्टी - 24,865.70
सोना - 1,70,510
चांदी - 3,15,000
डॉलर - 91.59

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

एयर इंडिया एक्सप्रेस के एमडी देंगे 19 मार्च को इस्तीफा

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप की किफायती एयरलाइन एयर इंडिया एक्सप्रेस में बड़े बदलाव होने जा रहे हैं। एयरलाइन के मैनेजिंग डायरेक्टर आलोक सिंह 19 मार्च को अपना कार्यकाल पूरा होने के बाद पद छोड़ देंगे। उन्होंने सोमवार को स्टाफ को भेजे एक संदेश में अपने इस्तीफे की घोषणा की। आलोक सिंह के नेतृत्व में ही एयर इंडिया एक्सप्रेस ने एयरएशिया इंडिया के खुद में मर्जर की प्रोसेस को पूरा किया था। उनके जाने के साथ ही टाटा ग्रुप के स्वामित्व वाली इस एयरलाइन में टॉप लेवल पर लीडरशिप चेंज भी देखने को मिलेगा। आलोक सिंह ने कर्मचारियों को भेजे एक मैसेज में सूफी कवि रूमी की पंक्तियों का जिक्र किया। उन्होंने लिखा, 'आप समुद्र में एक बूंद नहीं हैं, आप एक बूंद में पूरा समुद्र हैं।' उन्होंने अपने 5 साल के सफर को असाधारण बताते हुए कहा कि हमने जो कुछ भी बनाया और उसे बनाने के दौरान हम जो बने, उस पर मुझे गर्व है।

होली पर आज बंद रहेगा शेयर बाजार

मुंबई। देशभर में होली की तारीख को लेकर जारी कन्फ्यूजन के बीच नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज ने अपनी छुट्टियों का कैलेंडर साफ कर दिया है। शेयर बाजार मंगलवार को होली के अवसर पर बंद रहेंगे। इस दौरान इक्विटी, डेरिवेटिव और एसएलबी सेगमेंट में कोई कामकाज नहीं होगा। हालांकि, कमोडिटी मार्केट के समय में थोड़ा बदलाव किया गया है। मंगलवार को शेयर बाजार पूरी तरह बंद रहने के साथ ही मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज भी सुबह के सेशन में बंद रहेगा। हालांकि, निवेशकों के लिए शाम का सेशन खुला रहेगा। एमसीएक्स पर ट्रेडिंग शाम 5:00 बजे से रात 11:55 बजे तक होगी। वहीं नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज पूरे दिन बंद रहेगा। यह एग्री कमोडिटीज का प्लेटफॉर्म है। वहीं बीएसई-एनएसई दोनों एक्सचेंजों में बुधवार 4 मार्च 2026 को रेगुलर ट्रेडिंग फिर से शुरू होगी।

कुछ ना कहना

शुभकामनाएं

सम्मानीय जिलेवासियों, बालाघाट एक्सप्रेस के सुधि पाठको, विज्ञापन दाताओं, अभिकर्ताओं एवं शुभचिंतकों को रंगो का पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं।

-संपादक

अवकाश सूचना

बालाघाट एक्सप्रेस के सुधि पाठकों को सूचित किया जाता है कि होली पर्व के मद्देनजर 03 व 04 मार्च, 2026 को बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अगले अंक का प्रकाशन 06 मार्च 2026 को किया जायेगा।

-संपादक

ट्रंप की चेतावनी के बाद ईरान की न्यूक्लियर साइट पर धमाके शुरू

'बड़ी लहर आना बाकी है'

नई दिल्ली। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अभी ईरान में बड़ी लहर आनी बाकी है। वह न्यूज चैनल सीएनएन को इंटरव्यू दे रहे थे। इस दौरान उन्होंने ईरान पर हो रहे हमले तेज करने की चेतावनी दी। इसी बीच इस्फहान में ईरान के न्यूक्लियर साइट पर नए धमाके हुए। दरअसल ट्रंप ईरान के न्यूक्लियर साइट को पूरी तरह तबाह करना चाहते हैं।

इसके पहले रविवार को उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर अमेरिकी सेना ईरान पर चार से पांच समाह तक हमला जारी रखेगी। साथ ही इस बात पर जोर दिया कि इजारयल और अमेरिका के लिए लड़ाई की तीव्रता बनाए रखना मुश्किल नहीं होगा।

इंटरव्यू में बोले ट्रंप

हालांकि, ट्रंप ने एक संक्षिप्त साक्षात्कार के दौरान ईरान में नई शासन व्यवस्था को लेकर कई विरोधाभासी दृष्टिकोण प्रस्तुत किए। सत्ता हस्तांतरण की अपनी योजनाओं के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि ईरान के विशिष्ट सैन्य बल, जिनमें रिवोल्यूशनरी गार्ड के अधिकारी भी शामिल हैं, ईरानी जनता को अपने हथियार सौंप देंगे।

उन्होंने कहा, 'अगर आप इस बारे में सोचें तो वे सचमुच जनता के सामने आत्मसमर्पण कर देंगे।' फिर उन्होंने ईरान में सत्ता परिवर्तन का एक बिल्कुल अलग मॉडल पेश किया, जिसमें उन्होंने वेनेजुएला में अपने अनुभव का बार-बार जिक्र किया, जब उन्होंने डेल्टा फोर्स की एक टीम को मादुरो को गिरफ्तार करने का आदेश दिया था।

ट्रंप ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमने वेनेजुएला में जो किया, वह एक आदर्श, एकदम सही परिदृश्य था।' खामेनेई की मृत्यु के बाद ईरान में सर्वोच्च सत्ताधारी पद पर कौन होना चाहिए या यहां तक कि इस बारे में निर्णय कौन लेगा, इस प्रश्न पर उनका जवाब अस्पष्ट था। उनसे जब पूछा गया कि वे ईरान का नेतृत्व करने के लिए किसे देखना चाहते हैं, तो उन्होंने कहा, 'मेरे पास तीन बहुत अच्छे विकल्प हैं। मैं अभी वह उजागर नहीं करूंगा। पहले काम पूरा कर लेते हैं।'

लेकिन फिर उन्होंने एक ऐसे परिदृश्य का वर्णन किया, जिसमें ईरानी जनता मौजूदा सरकार को उखाड़ फेंकेगी। ट्रंप ने कहा, 'यह उन पर निर्भर करेगा कि वे ऐसा करते हैं या नहीं। वे वर्षों से इस बारे में बात कर रहे हैं, इसलिए अब जाहिर तौर पर उन्हें मौका मिलेगा।' यह निश्चित रूप से वेनेजुएला मॉडल के बिल्कुल विपरीत होगा, जिसे उन्होंने कुछ मिनट पहले दोहराने की इच्छा जताई थी।

सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आ रहे ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की जानकारी सार्वजनिक रूप से देने की बजाय इंटरनेट मीडिया के माध्यम से दे रहे हैं। उन्होंने शनिवार तड़के 2:30 बजे इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो जारी कर ईरान के खिलाफ बड़े सैन्य हमले की घोषणा की। ट्रंप के इस अप्रत्याशित घोषणा ने अमेरिका और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को चौंका दिया है।

उन्होंने अयातुल्ला अली खामेनेई के मारे जाने की सूचना भी सार्वजनिक रूप से जनता को नहीं दी। इसके बजाय ट्रंप पाम बीच स्थित अपने निजी क्लब मार-ए-लागो में एक डिनर पार्टी में इसकी जानकारी दी। रविवार को भी ट्रंप सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए। उन्होंने एक और वीडियो जारी कर सैन्य कार्रवाई का जिक्र किया और ईरानी जनता से %अपना देश वापस लेने% का आह्वान किया। इसके बाद वह वाशिंगटन के लिए रवाना हुए।

राष्ट्रपति की सार्वजनिक टिप्पणियां केवल इंटरनेट मीडिया वीडियो और चुनिंदा पत्रकारों से बातचीत तक सीमित है। हमले से पहले भी उन्होंने सैन्य कार्रवाई के समर्थन में कोई विस्तृत सार्वजनिक तर्क पेश नहीं किया था। इस कारण कई विश्लेषकों ने उनकी रणनीति और पारदर्शिता पर सवाल उठाए हैं।

अमेरिका के खिलाफ ईरान- इराक एक साथ

नाटो देश बना रहे हैं, अमेरिका से दूरी

नई दिल्ली। अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर संयुक्त रूप से सैन्य कार्रवाई की जा रही है। इसको लेकर नाटो देशों ने अमेरिका और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से दूरी बनाना शुरू कर दी है। स्पेन, नार्वे, फ्रांस ,जर्मनी और ब्रिटेन वर्तमान युद्ध से दूरी बनाकर रख रहे हैं। जिसके कारण अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अलग-अलग पड़ते जा रहे हैं।

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रो ने तनाव कम करने और परमाणु वार्ता पुनः शुरू करने की पेशकश की है। जर्मनी के चांसलर ने भी सभी पक्षों से संयम बरतने तथा कूटनीतिक रास्ता निकालने की अपील की है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने (यूनाइटेड किंगडम) सैन्य कार्यवाही में हिस्सा लेने से इनकार कर दिया है. स्पेन के प्रधानमंत्री ने भी इस हमले को एक तरफा कार्रवाई बताते हुए इसकी वैधता पर सवाल उठाए हैं। वैश्विक स्थिति को देखते हुए यह कहने में कोई संकोच नहीं है। अमेरिका इस युद्ध में अलग-थलग पड़ता चला जा रहा है।

इराक और ईरान साथ-साथ?

ईरान और इराक पड़ोसी देश होने के बाद भी एक दूसरे के साथ दुश्मनी रखते थे. पिछली बार रासायनिक हथियारों को लेकर अमेरिका ने इराक पर हमला कर उसे बर्बाद किया था. अमेरिका ने ईरान की मदद से इराक पर भीषण हमला करते हुए उसे नेस्त नाबूत किया था। वर्तमान युद्ध में इराक, अब ईरान की मदद में खुलकर सामने आया है। वर्तमान युद्ध ने दोनों देशों को दुश्मनी भुलाकर एक साथ खड़ा होने के लिए विवश कर दिया है।अमेरिका के भी टू-बांबर्स विमान, इराकी हवाई क्षेत्र का उपयोग करते हुए ईरान पर हमला किया। इस पर इराक ने नाराजी जताई है। इराक ने इसे अपने देश की संप्रभुता का खुला उल्लंघन माना है। इराक अपने क्षेत्र का हवाई डाटा ईरान के साथ शेयर कर रहा है। इराक द्वारा ईरान के खिलाफ चल रही सैन्य कार्रवाई को लेकर ईराक लगातार ईरान को अपडेट कर रहा है। इसके कारण अमेरिका की मुसीबतें बढ़ती हुई दिख रही हैं।

आंध्र प्रदेश हाइकोर्ट के फैसले के खिलाफ याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट बोला

एआई जेनरेटेड सबूतों पर फैसला लेना बिल्कुल गलत

नई दिल्ली/विजयवाड़ा। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार आंध्र प्रदेश हाइकोर्ट के फैसले के खिलाफ याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से बनाए गए सबूतों पर फैसला लिखना गलत काम है। कोर्ट ने कहा कि ये कोई गलती से होने वाला काम नहीं है। जस्टिस पी एस नरसिम्हा और आलोक अराधे की बेंच ने कहा कि इसके नतीजों और जवाबदेही की जांच करना चाहते हैं क्योंकि इसका सीधा असर फैसले की प्रक्रिया की ईमानदारी पर पड़ता है। कोर्ट ने इस मामले में अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और बार काउंसिल ऑफ इंडिया को नोटिस जारी किया है।

दरअसल, पिछले साल अगस्त में आंध्र प्रदेश की एक ट्रायल कोर्ट ने विवादित प्रॉपर्टी के केस में एआई से बनी तस्वीर के आधार पर फैसला दिया था। फैसले के खिलाफ आंध्र प्रदेश हाइकोर्ट में याचिका दायर की गई

थी। इसी साल जनवरी में हाइकोर्ट ने भी याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में अपील की गई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर किसी फैसले का आधार गैर-मौजूद या नकली सबूत हों, तो यह सिर्फ गलती नहीं बल्कि गंभीर गलत आचरण (मिसकंडक्ट) है। ऐसे मामले में कानूनी कार्रवाई हो सकती है। अटॉर्नी जनरल, सॉलिसिटर जनरल और बार काउंसिल ऑफ इंडिया को नोटिस जारी किया जाता है। ट्रायल कोर्ट ने केस के दौरान विवादित प्रॉपर्टी की स्थिति देखने के लिए एक एडवोकेट-कमिश्नर नियुक्त किया था। याचिकाकर्ताओं ने कमिश्नर की रिपोर्ट पर ऑब्जेक्शन जताया। यह मामला फैसले के नतीजे से ज्यादा, न्याय देने की प्रक्रिया (प्रोसेस) को लेकर गंभीर चिंता पैदा करता है।

सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट को निर्देश दिए

बेंच पिटीशन पर सुनवाई के लिए सहमत हो गई और उस पर नोटिस जारी किया। कोर्ट ने कहा, स्पेशल लीव पिटीशन का निपटारा होने तक, हम निर्देश देते हैं कि ट्रायल कोर्ट एडवोकेट-कमिश्नर की रिपोर्ट के आधार पर आगे नहीं बढ़ेगा। और मामले की सुनवाई 10 मार्च तय की। इससे पहले 17 फरवरी को एक अलग मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने एआई से तैयार की गई पिटीशन फाइल करने के बढ़ते ट्रेंड पर गंभीर चिंता जताई थी।

पीएम मोदी और कनाडाई पीएम कार्नी की मुलाकात के बाद करार

भारत को यूरेनियम देगा कनाडा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी और कनाडाई पीएम मार्क कार्नी के बीच सोमवार सुबह हैदराबाद हाउस में मुलाकात हुई। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा- भारत और कनाडा के बीच निवेश-ट्रेड डील पर बातचीत हुई है। दोनों देशों के बीच कई क्षेत्रों के लिए एमओयू किया गया है। इससे दोनों देशों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। पीएम मोदी ने कहाकि सिविल न्यूक्लियर एनर्जी में, हमने यूरेनियम की दीर्घकालिक आपूर्ति के लिए एक ऐतिहासिक समझौता किया है। इसके अतिरिक्त, हम छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों और उन्नत रिएक्टर प्रौद्योगिकियों के विकास पर सहयोग करेंगे। कृषि, कृषि प्रौद्योगिकी और खाद्य सुरक्षा में मूल्यवर्धन करना भी हमारे लक्ष्यों में शामिल है।

पीएम ने पश्चिम एशिया में ईरान वार को लेकर कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव से भारत चिंतित है। भारत विश्व में शांति और स्थिरता चाहता है। हर समस्या का समाधान बातचीत के जरिए निकाला जाना चाहिए। पीएम ने आगे कहा कि हम इस बात से सहमत हैं कि आतंकवाद, उग्रवाद और कट्टरता न केवल हमारे दोनों देशों बल्कि पूरी मानवता के सामने गंभीर चुनौतियाँ हैं। वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए इन खतरों से निपटने में हमारा घनिष्ठ सहयोग आवश्यक है। विभिन्न मौजूदा मुद्दों पर भारत का रुख स्पष्ट है। भारत में भारत -कनाडा पल्स प्रोटीन उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया जाएगा। रक्षा एवं सुरक्षा क्षेत्र में बढ़ता सहयोग हमारे गहरे आपसी विश्वास और परिपक्व संबंधों का प्रतीक है। हम रक्षा उद्योगों, समुद्री क्षेत्र जागरूकता और सैन्य आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए काम करेंगे। इसी उद्देश्य से हमने आज भारत-कनाडा रक्षा संवाद स्थापित करने का निर्णय लिया है।

10 साल का यूरेनियम सप्लाई समझौता

पीएम कार्नी के इस दौरे का सबसे बड़ा मकसद भारत-कनाडा के बीच 10 साल का यूरेनियम सप्लाई समझौता है। बताया जा रहा है कि यह डील करीब 3 अरब डॉलर की हो सकती है। कनाडा दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा यूरेनियम उत्पादक देश है। भारत और कनाडा के बीच न्यूक्लियर कोऑपरेशन एग्रीमेंट 2013 में लागू हुआ था, जिसके बाद कनाडा ने भारत को यूरेनियम सप्लाई शुरू की थी। भारत अपने तेजी से बढ़ते परमाणु ऊर्जा क्षेत्र के लिए और अधिक यूरेनियम खरीदना चाहता है।

भारत में निवेश को बढ़ावा दे रहा कनाडा

भारत इस समय दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। कनाडा के सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, दोनों देशों के बीच सालाना व्यापार 21 अरब डॉलर से ज्यादा है। भारत में 600 से ज्यादा कनाडाई कंपनियां काम कर रही हैं। भारत से कनाडा को मुख्य निर्यात में दवाइयां, रत्न-आभूषण और समुद्री उत्पाद शामिल हैं। कनाडा के बड़े पेंशन फंड पहले से ही भारत में रियल एस्टेट और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में बड़ा निवेश कर चुके हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने भारत में 100 बिलियन डॉलर (करीब 8 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा) का निवेश किया है। अब कनाडा इस निवेश को और बढ़ाना चाहता है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का कहना है कि दोनों देशों के बीच कभी-कभी राजनीतिक मतभेद रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद कनाडा भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था का भरोसेमंद साझेदार बना रहेगा।

खामेनेई की मौत के बाद भारत के सभी राज्यों में हाई अलर्ट, दूतावासों की सुरक्षा बढ़ाई

-रक्षा मंत्रालय प्रो-ईरान और एंटी-ईरान गुटों की हर हरकत पर रख रहा पैनी नजर

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की हत्या और उसके बाद हुए अमेरिकी-इजराइली हमलों के मद्देनजर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश दिए हैं। मंत्रालय ने कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका के चलते सभी सुरक्षा एजेंसियों को सतर्कता बरतने को कहा है। प्रो-ईरान और एंटी-ईरान गुटों की हर हरकत पर पैनी नजर रखी जा रही है। भारतीय धरती का इस्तेमाल किसी भी विदेशी गुट द्वारा युद्ध के मैदान के रूप में न हो, यह तय करने के लिए दिल्ली स्थित दूतावासों और संवेदनशील स्थानों

पर सुरक्षा बढ़ा दी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सरकार ने अमेरिकी और इजरायली दूतावासों, वाणिज्य दूतावासों, यहूदी संस्थानों और विदेशी पर्यटकों के जमावड़े वाले स्थानों पर विशेष सुरक्षा तैनात करने का निर्देश दिए गए हैं। ईरानी सांस्कृतिक केंद्रों को भी सुरक्षा घेरे में लिया गया है। पुलिस को सीसीटीवी कवरेज बढ़ाने, विस्फोटकों की जांच करने और अफवाहों या फेक न्यूज को तुरंत रोकने के सख्त आदेश दिए हैं। सुरक्षा एजेंसियों का मकसद है कि किसी भी हाल में विदेशी मिशनों की सुरक्षा में कोई चूक न हो और भारतीय धरती पर कोई अप्रिय घटना न हो। सुरक्षा एजेंसियां धार्मिक सभाओं में दिए जाने वाले किसी भी भड़काऊ उपदेश को रोकने के लिए सक्रिय हो गई हैं। पुलिस प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि प्रो-ईरान या एंटी-ईरान समर्थकों द्वारा किए जाने वाले किसी भी प्रदर्शन को कानून-व्यवस्था की समस्या बनने से पहले नियंत्रित करें। सोशल मीडिया पर चरमपंथी संगठनों और प्रो-ईरान कट्टरपंथियों की गतिविधियों पर भी लगातार निगरानी रखी जा रही है। सरकार ने कहा है कि देश की आंतरिक शांति को प्रभावित करने वाली किसी भी गतिविधि को गंभीरता से लिया जाएगा और कार्रवाई की जाएगी।

जमानत मिलने के तुरंत बाद जमानत निरस्त

उदयभानु तिहाड़ जेल पहुंचे

नई दिल्ली । नई दिल्ली पुलिस का एक नया कारनामा सामने आया है। एआई समिट में शर्टलेस प्रदर्शन करने के मामले में दिल्ली पुलिस ने युवक कांग्रेस अध्यक्ष उदय भानु चिब को गिरफ्तार किया था। पुलिस को 5 दिन की रिमांड पूछ ताछ के लिए कोर्ट से मिली थी। रिमांड पूरी होने पर मजिस्ट्रेट कोर्ट में उन्हें पेश किया गया। जहां पर कोर्ट ने जमानत पर छोड़ने के आदेश दिए थे।

इस आदेश के खिलाफ दिल्ली पुलिस बिना मुलजिम या उनके वकीलों को बताएं बिना सेशन कोर्ट में अपील कर दी। कुछ ही मिनटों में वहां से एक तरफा जमानत निरस्त करने का स्थगन आदेश प्राप्त कर लिया।

आरोपी के वकील जमानत के कागजात तैयार कर रहे थे। इसी बीच दिल्ली पुलिस ने उनके सामने सेशन कोर्ट का स्थगन ऑर्डर सामने रख दिया। इसको देखकर अधिवक्ता हैरान रह गए। दिल्ली पुलिस ने सेशन कोर्ट में अपील की थी। तो इसकी सूचना आरोपी तथा उसके वकीलों को देना जरूरी थी। जो नहीं दी गई, सेशन कोर्ट ने एक तरफा अधीनस्थ कोर्ट का जमानत आदेश निरस्त कर दिया। दिल्ली पुलिस की इस कार्यवाही पर कांग्रेस में जबरदस्त नाराजी देखने को मिल रही है। कांग्रेस ने तुरंत हाईकोर्ट में सेशन कोर्ट के आदेश के खिलाफ अपील दायर की। उस पर कब सुनवाई होगी, भगवान जाने।

आज भारत में लगेगा चंद्र ग्रहण, सुबह इतने बजे शुरू हो जाएगा सूतक काल

नई दिल्ली। साल का पहला चंद्र ग्रहण मंगलवार को लगने वाला है. यह एक खंडग्रास चंद्र ग्रहण होगा, जो सिंह राशि और पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में लगेगा. यह चंद्र ग्रहण भारत में भी दिखाई देगा. इस चंद्र ग्रहण का सूतक काल भी भारत में मान्य होगा. चंद्र ग्रहण दोपहर को 3 बजकर 20 मिनट पर शुरू होगा. और शाम को 6 बजकर 46 मिनट पर समाप्त होगा. इसका सूतक काल सुबह 6 बजकर 20 मिनट से लागू हो जाएगा. यह चंद्र ग्रहण भारत के कई बड़े शहरों में दिखाई देने वाला है. चंद्र ग्रहण दिल्ली-एनसीआर, कोलकाता,

चेन्नई, मुंबई, हैदराबाद, बेंगलुरु, अहमदाबाद, पटना, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, इम्फाल, शिलॉन्ग, कोहिमा और ईटानगर में दिखाई देने वाला है। चंद्र ग्रहण को नग्न आंखों से देखना सुरक्षित है. इसे देखने के लिए किसी खास तरह के चश्मे या फिल्टर ग्लास की जरूरत नहीं होती है. वैज्ञानिक कहते हैं कि चंद्र ग्रहण ग्रहण को खुली आंखों से देखने पर आंखों के रेटिना को कोई नुकसान नहीं होता है. चंद्र ग्रहण का सूतक काल लगने के बाद गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों, रोगी-बीमारों को कुछ विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है. ज्योतिषविदों की सलाह है कि ग्रहण काल में किसी सुनसान जगह पर न जाएं. इस दौरान नकारात्मक शक्तियां अधिक सक्रिय होती हैं. इसलिए घर में रहकर अपना ख्याल रखें. कोई जोखिम भरा कार्य न करें. नुकीले या धारदार औजारों के प्रयोग से बचें।

देश में होली का लेकर जबदस्त उत्साह हैं...

बरसाना में लट्ठमार और लड्डू होली, वाराणसी में मसान

नई दिल्ली। रंगों का त्यौहार होली 4 मार्च को है, इस लेकर देशभर में रंगों, मिष्ठान, नए कपड़ों और उल्लास के साथ होली की तैयारी जारी है। खुशियों से भरा त्यौहार होली सिर्फ रंग खेलने का मौका नहीं बल्कि बसंत के आगमन, बुराई पर अच्छाई की जीत और प्रेम-भाईचारे का प्रतीक है। होली पूरे देश में अलग-अलग नाम और अनोखे अंदाज के साथ मनाई जाती है। यूपी के ब्रज क्षेत्र में होली सबसे पारंपरिक और जीवंत रूप में मनाई जाती है। यहां होली का उत्सव फगुआ दूज से शुरू होकर कई दिनों तक चलता है। बरसाना और नंदगांव की लट्ठमार होली बहुत प्रसिद्ध है। लोककथा के अनुसार, श्रीकृष्ण राधाजी के गांव बरसाना होली खेलने आए थे। आज भी महिलाएं हंसी-मजाक में पुरुषों पर लाठियां चलाती हैं और पुरुष ढाल से बचाव करते हैं।

वहीं, वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में फूलों की होली खेली जाती है। भक्त फूलों की पंखुड़ियां बरसाते हैं। वहीं बरसाना के श्रीजी मंदिर में लड्डू होली की परंपरा है, जहां रंग लगाने से पहले लड्डुओं की वर्षा होती है। ब्रज में होली 40 दिनों तक कई रूपों में मनाई जाती है। कृष्णनगरी के बाद शिवनगरी काशी में मसान होली की परंपरा है। वाराणसी में होली को मसान होली के नाम से जाना जाता है। मान्यता है कि बाबा विश्वनाथ अपने भक्तों और गणों के साथ मसान में भस्म से होली खेलते हैं। हरियाणा में होली को धुलंडी कहते हैं। यहां ननद-भाभी की चुटीली नोकझोंक और पारिवारिक हंसी-मजाक मुख्य आकर्षण होता है। वहीं महाराष्ट्र में होली रंग पंचमी तक चलती है। मुख्य होली के पांचवें दिन रंग खेलने की खास परंपरा है। वहीं, गोवा में शिग्मो के नाम से मनाई जाती है, जिसमें भव्य झांकियां, जुलूस और लोकनृत्य होते हैं।

30 मार्च तक 14 वर्ष की सभी बालिकाओं को लगेंगे 15 हजार सर्वाईकल कैंसर के टीके

टीएल बैठक में समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा कर कलेक्टर ने दिये निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

02 मार्च को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में टीएल बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में कलेक्टर मृणाल मीना ने विभिन्न विभागों के समय सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, श्री डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, मायाराम कोल, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से उपस्थित थे।

14 वर्ष की सभी बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर का टीका लगवाने के निर्देश

बैठक में सर्वप्रथम 14 वर्ष की बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए टीका लगाने के कार्य की समीक्षा की गई। इस दौरान कलेक्टर श्री मीना ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया कि जिला शिक्षा अधिकारी, सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास के अधिकारी से समन्वय कर 14 वर्ष की सभी बालिकाओं को टीका लगाना सुनिश्चित करें। सभी पालकों एवं अभिभावकों को इसके लिए जागरूक करने के लिए शालाओं में पालकों की बैठक में इसकी चर्चा करें। छात्रावासों में रहने वाली 14 वर्ष की सभी बालिकाओं को टीका लगाने के लिए छात्रावास अधीक्षिका से समन्वय किया जाए।

30 मार्च तक 15 हजार टीके लगाने का लक्ष्य

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने इस दौरान बताया कि जिले के जिला चिकित्सालय, वारासिवनी, बैहर एवं लांजी के सिविल अस्पताल एवं कटंगी, खैरलांजी, लालबर्रा, किरनापुर, बिरसा व परसवाडा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रो में 14 वर्ष आयु की बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए टीका लगाया जा रहा है। 28 फरवरी से यह टीका लगाना प्रारंभ किया गया है। बालाघाट जिला इस टीके को लगाने के मामले में प्रदेश में प्रथम स्थान पर चल रहा है। डॉ. उपलप ने बताया कि बालाघाट जिले को 30 मार्च तक 15 हजार टीके लगाने का लक्ष्य दिया गया है, लेकिन उनका प्रयास है कि 20 मार्च तक इस लक्ष्य को पूरा कर लिया जाए। उन्होंने बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों से भी अपेक्षा की कि वे अपने परिवार, पडोस एवं परिचित की 14 वर्ष की बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए टीका लगावाना सुनिश्चित करें।

त्यौहारों के दौरान खाद्य विभाग एवं परिवहन विभाग रहेंगे अधिक सक्रिय

बैठक में पीएम राहत योजना की चर्चा के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने जिले में इस योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग, परिवहन विभाग एवं पुलिस को इसमें समन्वय कर कार्य करने के निर्देश दिये और कहा कि सडक दुर्घटना होने पर पुलिस को 24 घंटे की भीतर घटना का सत्यापन करना होगा, जिससे दुर्घटना में घायल व्यक्ति को 1.50 लाख रुपए तक का ईलाज उपलब्ध कराया जा सके। इस दौरान जिला परिवहन अधिकारी को निर्देशित किया गया कि त्यौहारों के दौरान यात्रियों से अधिक किराया वसूल करने वाली बसों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करें। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि त्यौहारों के दौरान खाद्य सामग्री विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों की सघनता से जांच करें और खाद्य सामग्री के नमूने तत्काल जांच के लिए भेजे जाए। बैठक में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के उपस्थित नही रहने पर उनका वेतन रोकने के निर्देश दिये गए।

सीएम हेल्पलाईन की लंबित शिकायतों में रूचि लेकर कार्य करें

बैठक में अक्षय ऊर्जा एवं एमपीईबी के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि कुसुम-बी योजना एवं सोलर पंप योजना में लक्ष्य के अनुरूप प्रकरणों में शीघ्रता से ऋण वितरण कराए। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना में ऋण वितरण का लक्ष्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये गए। इस दौरान बताया गया कि पीएम विश्वकर्मा योजना में 626 प्रकरण स्वीकृत हो चुके है और इनमें से 561 में ऋण वितरण किया जा चुका है। सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने 100 दिन से अधिक की लंबित शिकायतों पर विशेष ध्यान देने एवं उनका शीघ्रता से संतुष्टि के साथ निराकरण करने के निर्देश दिये। लोक सेवा गारण्टी अधिनियम के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का नियत समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिये गए और कहा गया कि ऐसा नही होनें पर जिम्मेदार अधिकारी के विरूद्ध जुमाने की कार्यवाही प्रस्तावित करें।

स्वच्छता सर्वेक्षण कार्य के प्रभावी कियान्वयन करने के निर्देश

बैठक में जिले के नगरीय क्षेत्रों में कराए जाने वाले स्वच्छता सर्वेक्षण की चर्चा के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने शहरी विकास अभिकरण के परियोजना अधिकारी एवं जिले के सभी नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वच्छता सर्वेक्षण का कार्य प्रभावी ढंग से किया जाए, जिससे जिले के निकायों की सर्वेक्षण में अच्छी रैंक आ सके। उन्होंने सभी सीएमओ को निर्देशित किया कि वे प्रातः नगरीय क्षेत्र के सभी वार्डों का भ्रमण करे और स्वच्छता अभियान का फालोअप ले। गत वर्ष के स्वच्छता सर्वेक्षण में पीछे रहने वाले नगरीय निकाय लांजी एवं वारासिवनी को इस बार के स्वच्छता सर्वेक्षण में अपनी रैंक सुधारने के लिए विशेष प्रयास करने कहा गया।

होलिका दहन में गोकाष्ठ एवं गोबर के उपलो का उपयोग करने वाली संस्थाओं का जिला स्तर पर किया जाएगा सम्मान

बैठक में जिले के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में होलिका दहन करने वाली संस्थाओं का पंजीयन करने एवं होलिका दहन में लकडियों का उपयोग न करने के लिए प्रोत्साहित करने कहा गया। होलिका दहन में गोकाष्ठ एवं गोबर के उपलो का उपयोग करने कहा गया। जिले में किसी भी स्थिति में होलिका दहन के बडे आयोजनों में लकडी का उपयोग नही होना चाहिए। होलिका दहन में गोकाष्ठ एवं गोबर के उपलो का उपयोग करने वाली संस्थाओं को पर्यावरण संरक्षण के लिए जिला स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। इसी प्रकार होली त्यौहार में केमिकल एवं रासायनिक रंगो का उपयोग न करने एवं उनके स्थान पर प्राकृतिक रंग गुलाल का उपयोग करने कहा गया।

जिले में दुग्ध उत्पादन को बढावा देने के लिए क्षीरधारा योजना का प्रभावी कियान्वयन अनिवार्य

बैठक में पशुपालन विभाग को दुग्ध उत्पादन बढाने के लिए क्षीरधारा योजना का प्रभावी क्रियान्वयन करने के निर्देश दिये गए। कलेक्टर श्री मीना ने इस योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक मादा पशुओं में कृत्रिम गर्भाधान कराने के निर्देश दिये। इस योजना में वन, कृषि, ग्रामीण विकास एवं पशुपालन विभाग को आपस में समन्वय बनाकर कार्य करने कहा गया। इस दौरान उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाए डॉ. आरएस नगपुरे ने बताया कि क्षीरधारा योजना में जिले के 119 ग्रामों को शामिल किया गया है, जिसमें 30 ग्राम वन क्षेत्र के है। 119 ग्रामों के 70 हजार गौवंश पशुओ का एएम के माध्यम से बेसलाईन सर्वे प्रारंभ किया गया है, जो 11 मार्च तक चलेगा। इस योजना के अंतर्गत अनुपयोगी नर पशुओ का बधियाकरण किया जा रहा है और मादा पशुओं में कृत्रिम गर्भाधान किया जाना है। इस योजना का उद्देश्य दुग्ध उत्पादन बढाकर किसानों एवं पशुपालको की आय बढाना है और चयनित ग्रामों को आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करना है।

मोटरसाइकिल की ठोकर से घायल अस्पताल में भर्ती

साले टेकरी से दमोह रोड पर हुई सड़क दुर्घटना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले की सालेटेकरी पुलिस चौकी क्षेत्र में आने वाले दमोह रोड पर स्थित ग्राम धोपघट तेज रफ्तार मोटरसाइकिल की ठोकर से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति दयालाल पिता केहर सिंह धुर्वे 32 वर्ष ग्राम धोपघट निवासी को जिला अस्पताल

बालाघाट में भर्ती किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार दयालाल धुर्वे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते है। बताया गया कि 2 मार्च को 11:00 बजे करीब दया लाल धुर्वे अपने गांव के किराना दुकान जा रहा थे। रोड पार करते समय सालेटेकरी की ओर से तेज रफ्तार से आ रही मोटरसाइकिल में रोड पार कर रहे दयालाल धुर्वे को ठोस मार कर फरार हो गई।। मोटरसाइकिल की जबरदस्त ठोकर से दयालाल धुर्वे गंभीर रूप से घायल और बेहोश हो गये। जिसे परिजनों ने तुरंत ही दमोह के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किए थे। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है। जिला अस्पताल से ही दयालाल धुर्वे को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0049/ड-154/2025-26
मौजा बोरी., रा.नि.मं. खमरिया

आम सूचना

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक रामदुलारे बघेल पिता शंकरलाल बघेल जाति बनिया, निवासी वार्ड नंबर 3 ग्राम बरघाट, तहसील बरघाट, जिला सिवनी द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा बोरी., रा.नि.मं. खमरिया, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपने पिता स्व. शंकरलाल पिता जियालाल का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 04.08.1985 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम बोरी के अंतर्गत आवेदन पत इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 13.03.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 02.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 03.03.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

प्रधानमंत्री राहत स्कीम को प्रभावी बनाने के निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला परिवहन अधिकारी एवं पुलिस के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि प्रधानमंत्री राहत स्कीम का बालाघाट जिले में प्रभावी कियान्वयन करें। इस योजना के अंतर्गत अब कहीं भी किसी भी व्यक्ति के साथ आकस्मिक सड़क दुर्घटना होने पर घायलों का ईलाज सभी अस्पतालों में 7 दिन तक 1.50 लाख रूपये तक निःशुल्क किया जायेगा। सात दिन के बाद उसे आयुष्मान योजना से संबद्ध अस्पताल में शिफ्ट करने पर आयुष्मान योजना के तहत ईलाज किया जायेगा।

होलिका दहन में लकड़ी का उपयोग न करें, पर्यावरण संरक्षण की दिशा में आगे आएं- कलेक्टर मृणाल मीना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। होली पर्व के मद्देनजर कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने जिलेवासियों से पर्यावरण संरक्षण एवं जल संरक्षण को ध्यान में रखते हुए होलिका दहन में लकड़ी का उपयोग नहीं करने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि होलिका दहन के लिए पेड़ों की कटाई करना पर्यावरण के लिए हानिकारक है, इसलिए इस परंपरा को पर्यावरण अनुकूल तरीके से निभाया जाना चाहिए।

कलेक्टर श्री मीना ने नागरिकों, सामाजिक संगठनों एवं होलिका दहन समितियों से आग्रह किया है कि वे होलिका दहन में लकड़ी के स्थान पर गोकाष्ठ एवं गोबर से बने उपलों का उपयोग करें। इससे न केवल पेड़ों की सुरक्षा होगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

उन्होंने यह भी अपील की है कि होली के अवसर पर रासायनिक एवं केमिकल युक्त रंगों के स्थान पर प्राकृतिक रंगों एवं गुलाल का प्रयोग करें। रासायनिक रंगों से त्वचा, आंखों और स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। साथ ही इन्हें छुड़ाने में अत्यधिक पानी की आवश्यकता होती है, जिससे जल की अनावश्यक बर्बादी होती है।

कलेक्टर मृणाल मीना ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और जल संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि हम छोटे-छोटे प्रयास करें, तो बड़े स्तर पर सकारात्मक परिवर्तन संभव है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की है कि इस होली को पर्यावरण अनुकूल, सुरक्षित एवं जिम्मेदारीपूर्ण तरीके से मनाएं और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

14 वर्ष आयु की सभी बालिकाओं को एचपीवी टीका अवश्य लगवायें-कलेक्टर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने आमजन से अपील की है कि अपने परिवार, पड़ोस एवं परिचित 14 वर्ष की बालिकाओं को एचपीवी का टीका अवश्य लगवायें। महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाने के लिए 28 फरवरी 2026 से एक राष्ट्रव्यापी मुफ्त टीकाकरण अभियान शुरू किया गया है। सर्वाइकल कैंसर जैसे बीमारियों के बचाव के लिए 14 वर्ष की लड़कियों को सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में यह टीका मुफ्त लगाया जा रहा है। बालाघाट जिले में जिला चिकित्सालय बालाघाट, सिविल अस्पताल बैहर, लांजी, वारासिवनी एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कटंगी, खैरलांजी, लालबर्रा, किरनापुर, बिरसा, परसवाड़ा में सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए बालिकाओं को एचपीवी टीका लगाया जा रहा है। बालिकायें इनमें से किसी भी केन्द्र पर जाकर एचपीवी टीका लगवा सकती हैं। जिन बालिकाओं ने अपना 14 वां जन्मदिन मना लिया है, लेकिन 15 वां जन्मदिन नहीं मनाया है, ऐसी बालिकाओं को यह टीका निःशुल्क लगाया जा रहा है। एचपीवी टीकाकरण के पश्चात बालिका को 30 मिनट तक स्वास्थ्य केंद्र पर अवलोकन में रखा जाएगा। टीकाकरण से पूर्व यह सुनिश्चित किया जाएगा कि बालिका खाली पेट न हो। संभावित हल्के दुष्प्रभाव जैसे इंजेक्शन स्थल पर दर्द, सिरदर्द या थकान सामान्य हैं और शीघ्र ठीक हो जाते हैं।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0050/ड-154/2025-26
मौजा नेवरगांव वा., रा.नि.मं. खमरिया

आम सूचना

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजकुमार चौधरी पिता रघुजी चौधरी जाति गोवारी, निवासी ग्राम नेवरगांव वा., तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा नेवरगांव वा., रा.नि.मं. खमरिया, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपने पिता स्व. रघुजी पिता ईदुजी का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 04.12.2003 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम नेवरगांव वा. के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 09.03.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 02.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 03.03.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

2 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं 05 सहायिका के रिक्त पदों की अनंतिम चयन सूची जारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। महिला एवं बाल विकास विभाग, बालाघाट (नवीन) द्वारा नगर के विभिन्न वार्डों में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के रिक्त पदों की पूर्ति के लिए ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किये गए थे। विकासखंड स्तरीय चयन समिति द्वारा आवेदनों का परीक्षण करने के उपरांत अनंतिम वरीयता सूची जारी कर दी गई है। इस अनंतिम वरीयता सूची पर 07 दिनों के भीतर दावे आपत्ति आमंत्रित किये गए है। परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास रानू शिवहरे ने बताया कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के 02 एवं आंगनवाडी सहायिका के 05 रिक्त पदों पर अनंतिम चयन सूची जारी की गई है। इसमें आंगनवाडी कार्यकर्ता के रिक्त पद के आंगनवी केंद्र रामजीटोला, पांढरवानी क्रमांक-02 में तनू श्री सहारे को प्रथम वरीयता, आचल को द्वितीय और मंजू भोगाडे को तृतीय वरीयता दी गई है तथा आंगनवी केंद्र बोट्टा बांदी क्रमांक-1 में प्रियंका को प्रथम वरीयता, पदमा राजूरकर को द्वितीय और भारती को तृतीय वरीयता दी गई है। इसी प्रकार आंगनवाडी सहायिका के 05 रिक्त पदों के लिए आंगनवी केंद्र बघोली क्रमांक-1 में भूमेश्वरी को प्रथम वरीयता, मुस्कान बिसेन को द्वितीय और श्यामा इनवाती को तृतीय वरीयता दी गई है। आंगनवाड़ी केंद्र कंजई क्रमांक-1 में नेहा उइके को प्रथम वरीयता, रूची कटरे को द्वितीय और संगीता डोंगरे को तृतीय वरीयता दी गई है। आंगनवाड़ी केंद्र छरेरा क्रमांक-2 में पूजा उके को प्रथम वरीयता, उमा पारधी को द्वितीय और राजनंदनी कुमलवार को तृतीय वरीयता दी गई है। आंगनवाड़ी केंद्र चिल्लौंद क्रमांक-2 में स्वाती भौतेकर को प्रथम वरीयता, भारती गजबे को द्वितीय और शिवानी भौतेकर को तृतीय वरीयता दी गई है तथा आंगनवाड़ी केंद्र धरपीवाडा क्रमांक-1 में तालिका बागडे को प्रथम वरीयता, करूना डहरवाल को द्वितीय और शीतल मेश्राम को तृतीय वरीयता दी गई है।

होली पर्व के मद्देनज़र खाद्य प्रतिष्ठानों पर सख्त निगरानी, 12 नमूने जांच हेतु एकत्र

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। होली त्यौहार के दृष्टिगत खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने एवं गुणवत्तायुक्त खाद्य सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चितता के लिए कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा जिले के विभिन्न अंचलों में सतत निरीक्षण, निगरानी एवं नमूना संग्रहण की कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में आज 02 मार्च को बैहर, बिरसा एवं मोहगांव क्षेत्र में विभिन्न होटल, रेस्टोरेंट, बेकरी एवं डेयरी प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया। कार्रवाई के दौरान कुल 12 खाद्य नमूने जांच हेतु एकत्र किए गए, जिन्हें राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा जा रहा है।

बैहर बस स्टैंड स्थित खेतेश्वर बीकानेर मिष्ठान भंडार, अशोका होटल, कदम होटल एवं साईं मिष्ठान भंडार की जांच की गई। यहां से खोवा, पेड़ा, मलाई बर्फी, कलाकंद एवं मिल्क केक के नमूने लिए गए। वहीं मोहगांव स्थित रक्षेश राजस्थान स्वीट भंडार एवं अंकित जलपान गृह से अंजीर बर्फी, कलाकंद एवं मावा पेड़ा के नमूने जांच हेतु एकत्र किए गए।

निरीक्षण के दौरान दो प्रतिष्ठानों में अस्वच्छता एवं अनियमितता पाए जाने पर कदम स्वीट्स एवं अशोका होटल को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम की धारा 32 के अंतर्गत सुधार सूचना नोटिस जारी किया गया। संबंधित संचालकों को साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने तथा गुणवत्तायुक्त मिठाइयों का निर्माण एवं विक्रय सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए गए।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि त्योहारों के दौरान मिलावटखोरों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी और निरीक्षण अभियान निरंतर जारी रहेगा। कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी वाजिद मोहीब, योगेश डोंगरे एवं गीता टांडेकर उपस्थित रहे।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट सिटी न्यूज़

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

डिप्टी रेंजर ने भालू के हमले में घायल सावन लाल से 14 हजार रूपये मांगा कमीशन!!

वन विभाग ने 1 लाख 69 हजार राहत राशि दिया था

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। *वन्यप्राणी भालु के हमले से घायल ग्रामीण को राहत राशि दिलाने में 14 हजार रूपए कमीशन लेने का आरोप सहायक परिक्षेत्र अधिकारी और वनसुरक्षा कर्मी पर लगा है। घायल ग्रामीण के लगाए गए इस आरोप को सहायक परिक्षेत्र अधिकारी ने गलत बताया है।दरअसल, यह पूरा मामला जिले के लामता क्षेत्र अंतर्गत कनारी का है, कनारी निवासी सावनलाल मरार (55) पर 6-7 महिने*

पहले वन्यप्राणी भालू ने हमला कर दिया था। जिसके उपचार में उसने ढाई से तीन लाख रूपए खर्च कर दिए, लेकिन उसे वनविभाग की ओर से 1 लाख 69 हजार रूपए का राहत राशि मिली। जिसमें भी घायल सावनलाल मरार का आरोप है कि मुआवजा प्रकरण बनाकर मुआवजा दिलाने में उससे 14 हजार रूपए की सहायक परिक्षेत्र अधिकारी दक्षिण लामता भाग-2 और वन सुरक्षाकर्मी गोलू ने ली है।

2 किस्तों में ली गई रकम

पीड़ित सावनलाल ने बताया कि 1,69,000 की सहायता राशि स्वीकृत की गई थी। पहले प्रकरण बनाने के नाम पर 14 हजार रुपए मांगे गए। मजबूरी में मुझे उस समय सुरक्षाकर्मी गोलू को 10000 रूपए दिए। जिसके बाद तकरीबन 6 माह पूर्व मेरे खाते में राशि जमा होते ही सुरक्षाकर्मी गोलु पुनः आकर 4000 रूपए ले गया।क्षेत्रीय ग्रामीण से राहत राशि के नाम पर 14 हजार रूपए लिए जाने की जानकारी के बाद जनपद उपाध्यक्ष शंकरलाल बिसेन ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की।

झूठे आरोपो में फंसाया जा रहा है-दिनेश

हालांकि अब इस मामले में सहायक परिक्षेत्र अधिकारी दिनेश बरिया ने आरोपों को निराधार बताया।दुरभाष पर की गई चर्चा के दौरान उन्होंने बताया कि यह मामला अगस्त 2024 है और बहुत पुराना हो गया है।जिसमें किसी प्रकार की अवैध वसूली नहीं की गई है। घटना पुरानी हो गई है। उन्हें शिकायत करना होता तो पहले ही करते, मुझे फंसाने की साजिश की जा रही है।

शिकायत मिलने पर कराई जाएगी जांच, होगी कार्यवाही- गोस्वामी

उधर इस पूरे मामले को लेकर दुरभाष पर की गई चर्चा के दौरान वन परिक्षेत्र अधिकारी शिवमपुरी गोस्वामी ने बताया कि यह मामला मेरे संज्ञान में नही है, पीड़ित यदि शिकायत करता है तो मामले की जांच कराई जाएगी और मामले में सत्यता पाई जाती है तो नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

चोरखदान को सरकारी कागजों में बना दिया नया टोला तालाब!!

अथ टेकाड़ी पंचायत कथा: 2 माह में फर्जी तालाब बनाया, 8 लाख का गबन

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जनपद पंचायत बालाघाट के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत टेकाड़ी में शासकीय निर्माण कार्यों के नाम पर भ्रष्टाचार कर, करोड़ो रु की राशि का गबन किए जाने के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे है। जहां सरकारी कागजों में फर्जी निर्माण दर्शाकर न सिर्फ फर्जी मस्टोल के आधार पर राशि निकाली जा रही है, बल्कि फर्जी बिल वाउचर और फर्जी हाजरी लगाकर करोड रुपए का गबन लगातार किया जा रहा है।अभी गांव के ही एक हितग्राही किसान के खेत मे, बिना गड्ढा खोदे ही, सरकारी कागजों में तालाब बनाकर राशि निकालने का मामला थमा भी नहीं था, कि अब चोर खदान को नयाटोला का सरकारी तालाब दर्शाकर करीब 8 लाख रुपए की राशि निकाले जाने का मामला सामने आया है।जिस पर ऐतराज जताते हुए ग्रामीणों ने पंचायत के जिम्मेदारों पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है।जिन्होंने इस मामले की निष्पक्ष जांच कराए जाने की गुहार लगाई है तो वहीं उन्होंने इस मामले में सरपंच सचिव सहित अन्य पर वैधानिक कार्यवाही कर उन्हें पद से पृथक करने की मांग की है तो वही उन्होंने मामले में कार्यवाही न होने पर कोर्ट जाने की भी चेतावनी दी है।

जब धरातल पर नही हुआ काम, तो कैसे हो गया भुगतान?

बताया गया कि ग्राम पंचायत टेकाड़ी में कुछशासकीय काम ऐसे किए गए हैं जो धरातल पर तो नजर नहीं आ रहे हैं।लेकिन शासन से स्वीकृत वह कार्य सरकारी कागजों में या तो बनकर पूर्ण हो चुके हैं या फिर उनका निर्माण कार्य अंतिम चरण में चल रहा है। यह बात हम नहीं कह रहे हैं बल्कि ऐसा आरोप ग्राम पंचायत टेकाड़ी के ग्रामीणों द्वारा आए दिनों लगाया जा रहा है। अब ग्राम पंचायत टेकाड़ी में एक ऐसा मामला सामने आया है जहां चोर खदान के नाम से प्रसिद्ध, उक्त खदान को ही पंचायत ने नयाटोला तालाब दर्शाकर, करीब 8 लाख रु की राशि डकार ली है।जबकि वहां विधिवत तालाब का निर्माण तक नहीं कराया गया है।इसके अलावा काम स्वीकृति का बोर्ड तो बनाया गया है।लेकिन उसमे आजतक कार्य की जानकारी अंकित नही की गई है।जिसपर ग्रामीणों ने आपत्ति जताते हुए मामले की वैधानिक जांच किए जाने की गुहार लगाई है।

कागजो में दिखाकर तालाब निर्माण, निकाल ली राशि

पर्यटन ग्राम टेकाड़ी पंचायत में अनियमितता व कार्य मे गड़बड़ी के लगातार आरोप लग रहे है।जहा बिना काम किए ही कागजो में कार्य दर्शाकर, फर्जी बिल बाउचर के आधार पर शासकीय राशि का गबन किए जाने का आरोप, स्थानीय ग्रामीणों द्वारा लगाए गए है।पूरा मामला शासन की योजना के तहत ग्राम टेकाड़ी के नया टोला में तालाब निर्माण का है।जहा पंचायत द्वारा नयाटोला में तालाब निर्माण के लिए करीब साढ़े 8 लाख रु स्वीकृत कराए, और महज 2 माह के भीतर ही पंचायत द्वारा ,कागजो में तालाब का निर्माण दर्शाकार राशि निकाल ली ।ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत द्वारा जिसे तालाब निर्माण करना बताया गया है।वो चोर खदान है।वहा से मुरम और मुट्टी माफिया रातों रात जेसीबी से खुदाई कर मटेरियल का अवैध परिवहन करते है ।पिछले कई दशकों से चोरी का यह खेल चल रहा है।इसलिए उक्त स्थान का नाम ही चोर खदान प? गया है इसी खदान को पंचायत द्वारा नयाटोला में तालाब निर्माण करना दर्शाकार राशि निकाली गई है।वही फर्जी बिल बाउचर व मस्टोल में फर्जी हाजरी भरकर शासकीय राशि का आहरण किया है। इस पूरे मामले में ग्रामीणों ने अपना एतराज जताते हुए,मामले की वरिष्ठ स्तर से जांच किए जाने की मांग की है तो वहीं उन्होंने मामले में इंसाफ न मिलने पर उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की चेतावनी दी है।

महज 2 माह में हो गया तालाब निर्माण, राशि भी निकाल ली

स्थानीय लोगों द्वारा बताया गया कि टेकाड़ी पंचायत के अंतर्गत आने वाले नयाटोला में तालाब निर्माण के नाम से पंचायत द्वारा भ्रष्टाचार किया गया है उन्होंने बताया कि 21 जनवरी 2023 को 8 लाख 38 हजार 292 की राशि, नया टोला तालाब के लिए स्वीकृत की गई थी।20 अप्रैल 2023 को पंचायत द्वारा तालाब निर्माण का कार्य करना शुरू करना बताया गया, उस समय कुछ मजदूरों को दिखावे के लिए काम पर लगाकर फोटो खिंचवाई गई और काम बंद कर दिया गया, वहीं महज 2 माह बाद 26 जून 2023 को तालाब निर्माण कार्य पूर्ण भी हो गया।यहां तक कि इसी दरमियान लेबर पेमेंट के नाम पर 7 लाख 56 हजार 476 रु की राशि निकाल ली गई, तो वही मटेरियल के नाम पर 42 हजार 204रु निकल गए। इस तरह कुल 7 लाख 98 हजात 670 का खर्च बताया गया है,जो करीब 8 लाख रु के बराबर है । ग्रामीणों का आरोप है कि जिस जगह पर तालाब का निर्माण किया जाना बताया गया है वह चोर खदान है और उसी खदान को ही इन्होंने सरकारी कागजों में तालाब दर्शा दिया और उक्त राशि आहरण कर गबन किया गया है।

इसके पूर्व भी पंचायत कर चुकी है ऐसे ही कारनामे

आपको बताए कि यह कोई पहला मामला नही है जिसपर ग्रामीणों का आक्रोश देखा जा रहा है जबकि इसकी पूर्व भी पंचायत इसी तरह के कारनामे कर चुकी है, ज्ञात हो कि इसके पूर्व शासन की योजना के तहत हितग्राही के खेत से मिट्टी तक नहीं खोदी गई थी और सरकारी कागजों में वहां तालाब का निर्माण होना बताया गया था। जहां पंचायत द्वारा न केवल तालाब का निर्माण कार्य करना बताया गया है, बल्कि उस निर्माण कार्य की कुछ राशि भी निकाल ली गई है। जिस पर हितग्राही, उप सरपंच और अन्य ग्रामीणों ने आपत्ति जताते हुए मामले की वैधानिक जांच किए जाने की गुहार लगाई थी।ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के हितग्राही हिरवंती संतोष नागेश्वर के नाम से खेत तालाब स्वीकृत किया गया था। जिम्मेदारों ने कागजों में तालाब निर्माण दर्शा कर राशि आहरित ली थी।शिकायत पर जांच करने जिम्मेदार पहुंचे, लेकिन कार्रवाई के नाम जुर्माना लगाकर कार्रवाई को ही ठंडा बस्ते में डाल दिया है।जिस पर आपत्ति जताते हुए हितग्राही सहित अन्य ग्रामीणों ने मामले की वरिष्ठ स्तर से जांच किए जाने की मांग की है।यह मामला अभी ठंडा भी नही हुआ कि फिर तालाब निर्माण के नाम पर शासकीय राशी का दुरुपयोग कर, राशि आहरण करने का यह मामला सामने आया है।अब देखना यह दिलचस्प रहेगा कि इस मामले की भी निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्यवाही की जाती है या फिर पुराने मामले की तरह इसे भी ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है।

मामले में वैधानिक जांच कर कार्रवाई होनी चाहिए- शैलेंद्र

मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान स्थानीय ग्रामीण शैलेंद्र पंचेश्वर ने बताया कि यह चोर खदान है जिसे टेकाड़ी नया टोला तालाब दर्शाया गया है ,पहले से यहां खदान थी, टाइल्स फैक्ट्री और भरण के लिए खदान बनाई गई थी उसी को पंचायत ने तालाब दर्शाकर 7 लाख 56000 रु की राशि निकाल ली है। तालाब का विधिवत निर्माण नहीं हो पाया यहां पर एक पार बनाई गई है वही एक मोगा लगाया गया है सामग्री व अन्य योजना की जानकारी देने के लिए एक सीमेंट का बोर्ड बनाया गया है लेकिन उसमें अब तक जानकारी अंकित नहीं की गई है। जबकि मटेरियल के नाम पर फर्जीवाड़ा कर 42000रु की राशि अलग से निकाली गई है। उन्होंने बताया कि तालाब निर्माण के लिए करीब साढ़े 8 लाख रु की राशि स्वीकृत हुई थी जिसमें से 7 लाख 9 000 से अधिक रुपए की राशि निकाली जा चुकी है और उक्त राशि का गबन किया गया है। हमारी मांग है कि इस मामले की वैधानिक जांच कर दोषियों पर कार्यवाही की जानी चाहिए।

मांग पूरी नही हुई तो कोर्ट जाएगें- गुलाबचंद पटले

स्थानिय ग्रामीण गुलाबचंद पटले ने तालाब निर्माण की स्वीकृति, उसके कार्य ,काम खत्म होने और मटेरियल के नाम पर निकाली गई राशि सहित अन्य जानकारी देते हुए बताया कि चोर खदान को नयाटोला तालाब दर्शाकर 7 लाख 98 हजार 670 की राशि का आहरण पंचायत द्वारा किया गया है, फर्जी बिल वाउचर और फर्जी मस्टोल हाजिरी भरकर शासन को चूना लगाने का काम किया गया है। यहां पर एक बोर्ड लगा है जिस पर निर्माण राशि की लागत एजेंसी का नाम आदि कोई भी जानकारी नहीं दर्शाई गई है जबकि कार्य शुरू होने के पहले ही बोर्ड में पूरी जानकारी अंकित की जाती है,उन्होंने बताया कि कार्य 20 अप्रैल को शुरू करना बताया गया और यहां का काम महज दो माह में ही पूरा हो गया और राशि भी निकाल कर पैसे का बंटाधार कर लिया गया है।हम चाहते हैं कि इस मामले में जिला स्तर से वैधानिक जांच कराई जाए हम शिकायतकर्ताओं को भी जांच में उपस्थित रखा जाए और मामले में दोषियों पाए जाने वालों को पद से पृथक कर उन पर वैधानिक कार्रवाई की जाए यही हमारी मांग है, यदि यह मांग पूरी नहीं होती तो मजबूरन हमे न्यायालय का दरवाजा खटखटाना पड़ेगा।

राजनीतिक द्वेषवश की जा रही झूठी शिकायत- कावरे

उधर इस पूरे मामले को लेकर की गई औपचारिक चर्चा के दौरान ग्राम पंचायत टेकाड़ी सरपंच प्रतिनिधि तारा कावरे ने बताया कि राजनीतिक द्वेषवश के चलते झूठी शिकायत कर परेशान करने काम किया जा रहा है। सभी काम नियमानुसार कराए गए है।

उद्योग नगरी गर्रा में विशाल बैल जोड़ी पट प्रतियोगिता संपन्न, 150 से अधिक जोडों ने लिया भाग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सार्वजनिक पट समिति गर्रा में विशाल बैल जोड़ी पट प्रतियोगिता का समापन 2 मार्च को हुआ। यह प्रतियोगिता 28 फरवरी से प्रारंभ होकर तीन दिनों तक चली, जिसमें क्षेत्र सहित आसपास के गांवों से लगभग 150 से अधिक बैल जोड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ी और ग्रामीण खेल परंपरा का अनूठा नजारा देखने को मिला। कड़े मुकाबले के बाद सत्या सेठ बरघाट की बैल जोड़ी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेता जोड़ी को 51,000 रूपये की नगद राशि एवं सम्मान प्रदान किया गया। द्वितीय स्थान पर रिनायत भैया नादी की जोड़ी रही, जिन्हें 41,000 रूपये का पुरस्कार दिया गया। तृतीय स्थान पर रफ्तार तहलका काटी की जोड़ी ने बाजी मारते हुए 31,000 रूपये की पुरस्कार राशि हासिल की। इसके अतिरिक्त चौथे एवं पांचवें स्थान पर आने वाली जोड़ियों को भी हजारों रुपये की नगद राशि एवं सांत्वना पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। शहर से सटे ग्राम पंचायत गर्रा में सार्वजनिक पट समिति द्वारा पहली बार विशाल बैल जोड़ी पट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता गर्रा में भूतपूर्व सांसद स्वर्गीय भोलानाथ रामाजी पारधी के नाम से निर्मित क्रिकेट स्टेडियम, गर्रा में 28 फरवरी से 2 मार्च तक आयोजित की गई। तीन दिवसीय इस प्रतियोगिता में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आई बैल जोड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम से लेकर अन्य स्थान प्राप्त करने वाली जोड़ियों को हजारों रुपये की नगद पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया गया। ग्राम पंचायत गर्रा के सरपंच वैभव बिसेन ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य किसान भाइयों का पशुधन के प्रति लगाव बढ़ाना और गौधन के महत्व के प्रति उन्हें प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं किसानों को अपने पशुओं की बेहतर देखभाल और उन्हें प्रतियोगिता के अनुरूप तैयार करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। साथ ही यह प्रतियोगिता अब प्रतिवर्ष आयोजित की जाएगी। अधिवक्ता आनंद बिसेन, संजय बिसेन एवं जनपद पंचायत के कृषि सभापति डूलेन्द्र ने भी आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ग्राम पंचायत गर्रा में इस तरह का आयोजन अत्यंत प्रशंसनीय है। ऐसे कार्यक्रमों से किसानों में पशुपालन और खेती के प्रति जागरूकता बढ़ती है तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में इससे भी बड़े स्तर पर प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों ने आयोजन समिति को सफल आयोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

श्री पटवा लखेरा समाज का होली मिलन समारोह 5 को ,विभिन्न कार्यक्रमों के होंगे आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। श्री पटवा लखेरा समाज समिति बालाघाट अध्यक्ष शीलचंद सुनेरी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि श्री पटवा लखेरा समाज जिला बालाघाट का होली मिलन समारोह कार्यक्रम दिनांक 5 मार्च गुरुवार को हर्सोल्लास के साथ मनाया जाएगा ।जिसके तहत विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे। मरार माली समाज मंगल भवन बैहर रोड़ बालाघाट में आयोजित इस होली मिलन समारोह मे समाज के बच्चो का संस्कृतिक कार्यक्रम, खेल प्रतियोगिता, समाज के वरिष्ठजनो का सम्मान व रंगोत्सव कार्यक्रम रखा गया है। इस कार्यक्रम में सिवनी एवं जबलपुर से समाज के पदाधिकारी भी सम्मिलित हो रहे हैं। उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से 5 मार्च को आयोजित इस होली मिलन समारोह में अधिक से अधिक संख्या में सामाजिक बंधुओ के उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की है।

108 एंबुलेंस में प्रसूता ने बेटा जन्मा और अस्पताल पहुंचने के पहले मॉ ने दम तोड़ दिया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 108 एंबुलेंस में बेटे को जन्म देने के बाद एक महिला की मौत हो गई। मृतिका सम्पत्तिन अशोक पंचतिलक 30 वर्ष ग्राम छोटी परसाई ग्राम माटे थाना बिरसा निवासी है। बीती रात यह घटना उस समय हुई जब इस महिला को प्रसव के लिए 108 एंबुलेंस में जिला अस्पताल बालाघाट लाया जा रहा था। जिला अस्पताल पुलिस ने इस महिला का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। इस महिला से जन्म लिए बच्चे की हालत स्वस्थ बताई गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार संपत्तिन बाई अपने परिवार के साथ खेती मजदूरी करती थी। जिसके परिवार में पति के अलावा उसकी दो बेटी है जिसमें बड़ी बेटी लिवांशी 5 वर्ष और निधि 3 वर्ष की है। वर्तमान में संपत्तिन बाई गर्भवती थी। 1 मार्च की रात्रि में संपत्तिन बाई को प्रसव पीड़ा होने से उसे 108 एंबुलेंस में प्रसव के लिए जिला अस्पताल बालाघाट लाया जा रहा था। 108 एंबुलेंस में संपत्तिन बाई के अलावा उसके परिवार के लोग भी थे। जब 108 एंबुलेंस ग्राम भंडेरी पहुंची। तब संपत्तिन बाई को एंबुलेंस में ही नार्मल प्रसव गया और उसने बेटे को जन्म दी थी। नॉर्मल प्रसव के उसे अधिक रक्तस्राव होने के कारण जिला अस्पताल बालाघाट लाया जा रहा था। बंजारी घाटी के पास संपत्तिन बाई ने बात करना बंद कर दी थी और उसके बाद बैहर चौकी पहुंचने पर संपत्तिन बाई ने देखना भी बंद कर दी थी ।जब उसे रात्रि 1:30 बजे करीब जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया। तब उसे चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिए। संपत्ति बाई की जिला अस्पताल लाने के पूर्व ही मृत्यु हो चुकी थी। 2 मार्च को जिला अस्पताल पुलिस ने संपत्तिन बाई के शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए हैं और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्रवाई हेतु पुलिस थाना बिरसा भिजवा दी गई है। संपत्तिन बाई के बच्चे की हालत स्वस्थ बताई गई है। जिसे जिला अस्पताल के आई सी यू में रखा गया था।

विधायक स्वयं ठेकेदार बनकर करा रहीं हैं निर्माण कार्य, लालबर्रा में अब और अराजकता बर्दाश्त नहीं - भाजपा

क्षेत्रीय विधायक और विधायक प्रतिनिधि, ठेकेदार अबू शाह पर साधा निशाना; गुंडागर्दी और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय स्थित विश्राम गृह में 2 मार्च को भारतीय जनता पार्टी मंडल लालबर्रा के द्वारा गत दिवस किसान कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष मुनेन्द्र ठाकरे के साथ विधायक प्रतिनिधि, ठेकेदार अबू शाह के द्वारा अश्लील गाली- गलौज कर जान से मारने की धमकी देने के विवाद पर एक महत्वपूर्ण प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। इस दौरान भाजपा नेताओं ने क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे और उनके करीबियों पर भ्रष्टाचार, अनैतिक कार्यों और कार्यकर्ताओं को डराने-धमकाने के गंभीर आरोप लगाये हैं। साथ ही भाजपा ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में इस तरह की अराजकता और गुंडागर्दी को कतई बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। वहीं किसान कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष मुनेन्द्र ठाकरे पर विधायक प्रतिनिधि, ठेकेदार अबू शाह के द्वारा अभद्रतापूर्ण व्यवहार एवं जान से मारने की धमकी देने की घटना की कड़ी निंदा करते हुए कठोर कार्यवाही एवं विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे से विधायक पद से इस्तीफा देने की भी मांग की है। साथ ही यह भी आरोप लगाया है कि विधायक के संरक्षण में विधायक प्रतिनिधि, ठेकेदार अबू शाह के द्वारा निर्माण कार्य में भ्रष्टाचार कर शासकीय राशियों का दुरूपयोग किया जा रहा है और जो व्यक्ति उनके खिलाफ शिकायत करते है तो उन्हे जान से मारने की धमकी दी जा रही है। इस तरह से जब उनके द्वारा अपने ही पार्टी के किसान कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष के साथ अभद्र व्यवहार कर जान से मारने की धमकी दी जा रही है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि उनका आम जनता के प्रति कैसा व्यवहार होगा।

जनता ने विधायक को गुंडागर्दी और अराजकता के लिए नही, क्षेत्र के विकास के लिए दिया है आशीर्वाद

वहीं प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए भाजपा नेताओं ने कहा कि वर्तमान विधायक स्वयं ठेकेदार की भूमिका में नजर आ रही हैं। उनके संरक्षण में उनके करीबी लोग अनैतिक कार्यों और भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे हैं। आगे कहा कि विधायक के निज सहायक का ऑडियो वायरल होने के बाद उसे आनन-फानन में हटा दिया गया था, लेकिन स्थिति अब भी जस की तस बनी हुई है। भाजपा ने आरोप लगाया कि अबू शाह नामक एक ठेकेदार द्वारा क्षेत्र के किसान नेता और कांग्रेस के ही कर्मठ कार्यकर्ता किसान कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष मुनींद्र ठाकरे को फोन पर जान से मारने की धमकी दी जा रही है और हैरानी की बात यह है कि यह पूरा कृत्य विधायक के नाम की आड़ में किया जा रहा है। भाजपा ने कड़े शब्दों में कहा कि जनता ने विधायक को गुंडागर्दी और अराजकता के लिए नहीं, बल्कि क्षेत्र के विकास के लिए अपना आशीर्वाद दिया था। लेकिन वर्तमान में विकास की जगह विनाश और भय का माहौल बनाया जा रहा है। भाजपा ने मांग की है कि विधायक को इस विषय पर अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए कि आखिर उनके नाम पर कार्यकर्ताओं को क्यों डराया जा रहा है। वहीं पांढरवानी सरपंच को आड़े हाथ लेते हुए सरपंच सत्ता के नशे में मदमस्त होकर मनमानी करने का भाजपाईयों ने आरोप लगाते हुए कहा कि उनके द्वारा जनपद की भूमि पर बिना किसी अनापत्ति प्रमाण पत्र के अवैध रूप से निर्माण कार्य करवाया जा रहा है, जिस पर कार्यवाही होनी चाहिये। इस अवसर पर मुख्य रूप से जनपद अध्यक्ष देवीलता ग्वालवंशी, उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल, मंडल अध्यक्ष प्रसन्नअवधिया, पंकज खोखले, जनपद सदस्य हरिशंकर बनवारी, थानेद्र ठाकरे, संजीव अवधिया, मुस्ताक अली सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विधायक के संरक्षण में बालाघाट विधानसभा बना अशांति का टापू - संजीव

भाजयुमो अध्यक्ष संजीव अवधिया ने बताया कि हमारा लालबर्रा-बालाघाट विधानसभा एक शांति का टापू है जिसे अशांति का टापू बनाने का प्रयास क्षेत्रीय विधायक के संरक्षण में किया जा रहा है। जिसकी हम घोर निंदा करते हैं, जब से यह विधायक बनी है तब से उनके सहयोगियों का ऑडियो-वीडियो विधानसभा में वायरल हो रहा है जिससे उनके विधानसभा क्षेत्र में हो रहे भ्रष्टाचार की पोल खुल रही है। वही इनका परिवार शुरू से ही विवाद में रहा है और उसी परंपरा को वे आगे बढ़ा रही है। श्री अवधिया ने बताया कि विश्राम गृह के मरम्मत कार्य का जब हम लोगों ने निरीक्षण किया जहां कथित ठेकेदार अबू शाह के द्वारा निर्माण करवाया गया जो गुणवत्ताहीन कार्य दिखाई दे रहा है, किसी तरह का कोई बोर्ड नही लगा है, किस मद से, कितनी लागत से कार्य किया गया है एवं अधिकारियों से संपर्क किया गया तो वे भी स्पष्ट जानकारी नही दे पा रहे है। प्रशासन से मांग है कि ठेकेदार अबू शाह का लाइसेंस निरस्त कर उसके खिलाफ वैधानिक कार्यवाही करें।

नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे विधायक - प्रसन्न

भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया ने बताया कि क्षेत्रीय विधायक के द्वारा स्थानीय सरपंचों को काम न देकर विभागों के माध्यम से निर्माण कार्य करवा रही है और सभी निर्माण कार्यों में उनका हस्तक्षेप होता है। वह स्वयं ठेकेदार बन गई है और उनके सहयोगी विधायक प्रतिनिधि, ठेकेदार के द्वारा किसान कांग्रेस के ब्लाक अध्यक्ष को फोन करके गाली गलौज एवं जान से मारने की धमकी दी जा रही है। इस तरह से उनके निर्माण कार्य में भ्रष्टाचार दिखाई पड़ रहा है और अपने ही लोगों को उनके सहयोगी के द्वारा डराया-धमकाया जा रहा है जो गलत है। उन्हे नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देना चाहिए। श्री अवधिया ने बताया कि विगत दिवस विधायक के निज सहायक का सरपंच के साथ एक कथित ऑडियो वायरल हुआ था जिसमें भ्रष्टाचार की बात हो रही थी जिससे स्पष्ट होता है कि विधायक के संरक्षण में यह सारा भ्रष्टाचार हो रहा है। बाद में उन्हें हटा दिया गया परंतु यह खानापूर्ति थी। इस तरह से वर्तमान में विधायक के संरक्षण में विधानसभा में अराजकता एवं भ्रष्टाचार पनप रहा है। किसान नेता के साथ ठेकेदार के द्वारा बदसलू की जा रही है उसमें उनके द्वारा विधायक का नाम भी लिया गया है। जिससे स्पष्ट होता है कि विधायक के नाम का भी दुरूपयोग किया जा रहा है जिसका हम पूरजोर विरोध करते है। लालबर्रा इस पूरे घटनाक्रम में एक है और इस शांतिपूर्ण शहर में इस तरह का अराजकता का माहौल नही चलेगा। इस पूरे घटनाक्रम में विधायक महोदया को सामने आकर अपना बयान जारी करना चाहिए।

किसान नेता के साथ हुई अभद्रता की हम निंदा करते है - किशोर

जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल ने पूर्व विधायक गौरीशंकर बिसेन के कार्यकाल का स्मरण करवाते हुए बताया कि श्री बिसेन जी ने विगत वर्षों तक शासन किया परंतु उन्होंने कभी अपने कार्यकर्ताओं या जनता के साथ ऐसा दुर्व्यवहार नहीं किया है। साथ ही सरपंच अनीस खान और विधायक प्रतिनिधि ठेकेदार अबू शाह जैसे लोग एक तरह से मुस्लिम समुदाय की छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं। अबू शाह द्वारा एक किसान नेता व कांग्रेस कार्यकर्ता को दी गई जान से मारने की धमकी की हम कड़ी निंदा करते हैं। विधायक श्रीमती मुंजारे को अपने उन प्रतिनिधियों पर लगाम लगानी चाहिए जो उनकी साख को नुकसान पहुंचा रहे हैं। श्री पालीवाल ने बताया कि हमारे क्षेत्र में मुस्लिम समुदाय बहुत शांत है परंतु ठेकेदार अबू शाह और पांढरवानी सरपंच मुस्लिम समुदाय को नुकसान पहुंचा रहे है। एक छोटा सा व्यक्ति, हमारे किसान कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष को ठेकेदार के द्वारा जान से मारने की धमकी दी गई है जो गलत है। जबकि कांग्रेस पार्टी एक राष्ट्रीय पार्टी है जहां सभी का सम्मान होना चाहिए, लेकिन विधायक के करीबी ही अपने लोगों का अपमान कर रहे है, इस मामले को कांग्रेस पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारियों को एक्शन लेना चाहिए और जिस व्यक्ति ने किसान नेता को धमकी दी है उस पर पुलिस प्रशासन कठोर कार्यवाही करें।

चंद्र ग्रहण का साया, शुभ मुहुर्त पर हुआ होलिका दहन, कल बरसेगा उल्लास का रंग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। रंगों और खुशियों का महापर्व होली इस वर्ष ज्योतिषीय गणनाओं और खगोलीय घटनाओं के चलते विशेष चर्चा में है। वहीं इस वर्ष होली दहन दो तिथियों में किया जा रहा है, जिसमें कुछ लोगों ने 2 मार्च को शुभ मुहूर्त पर होलिका दहन किया गया। लेकिन दूसरे दिन 3 मार्च को चंद्रग्रहण होने के कारण रंगोत्सव का पर्व धुरेड़ी 4 मार्च को मनाया जायेगा। वहीं कुछ लोग चंद्रग्रहण समाप्त होने के बाद 3 मार्च को रात में होलिका दहन करेंगें और 4 मार्च को धुरेड़ी यानि रंगोत्सव का पर्व मनाया जायेगा। इस वर्ष होली के पर्व पर चंद्रग्रहण का साया बना हुआ है। लेकिन नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में अधिकांश स्थानों पर 2 मार्च को ही शुभ मुहूर्त पर होलिका दहन किया गया है किन्तु रंगोत्सव का पर्व 4 मार्च को ही मनाया जायेगा। आपकों बता दे कि हिंदू धर्मशास्त्रों और स्थानीय पंडितों के अनुसार इस वर्ष होली पर चंद्र ग्रहण का प्रभाव पड़ रहा है। यदपि धुरेड़ी की तिथि 3 मार्च को पड़ रही है किंतु ग्रहण के सूतक और भद्रा के विशेष काल को देखते हुए विद्वानों ने 4 मार्च को रंग खेलना शास्त्रसम्मत बताया है। इसी के चलते नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में होलिका दहन के दूसरे दिन आज रंगों का सन्नाटा दिखेगा और कल बुधवार को पूरे हर्षोल्लास के साथ होली खेली जायेगी।

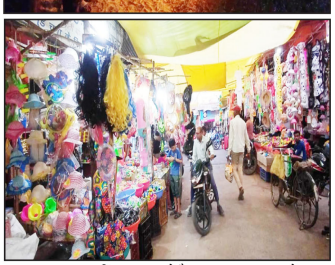

देर रात तक चला होलिका दहन

सोमवार को नगर मुख्यालय के बाजार क्षेत्र में सजी रंग-बिरंगी पिचकारी, गुलालों, टोपियों, मुखौटों व बताशों के मालों से बाजार गुलजार नजर आया और बच्चों सहित बड़ों के द्वारा अपनी पसंदीदा पिचकारी, मुखौटे, पोंगा-तुर्रा सहित अन्य खिलौने की खरीदी जमकर की है। जिससे बाजार में खासी भीड़ रही है और दुकानदारों का व्यापार भी अच्छा रहा है। इसी तरह 3 मार्च को भी बाजार में भीड़ रहेगी क्योंकि कुछ लोग 3 मार्च को होलिका दहन कर 4 मार्च को रंगोत्सव का त्यौहार मनायेगें। वहीं 2 मार्च को शुभ मुहुर्त पर नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों के विभिन्न चौक-चौराहों में देर रात तक शुभ मुहूर्त में होलिका दहन किया गया। इस अवसर पर लोगों ने होलिका की परिक्रमा कर सुख, समृध्दि की कामना की और बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक स्वरूप गुलाल का तिलक लगाकर एक-दुसरे को रंगोत्सव होली पर्व की शुभकामनाएं दी है। वहीं ग्रहण की आशंका के चलते हिन्दू धर्मालंबियों के द्वारा दहन के समय में भी सावधानी बरती जा रही है और होली पर्व को लेकर सभी खासा उत्साहित नजर आ रहे है। दुकानदार राजा गुप्ता ने बताया कि होली का पर्व दो तिथियों में मनाया जा रहा है जिसके कारण होलिका दहन के दिन व्यापार मंदा रहा है क्योंकि 2 मार्च को होलिका दहन, 3 मार्च को चंद्रग्रहण होने के कारण 4 मार्च को रंगोत्सव का पर्व मनाया जायेगा इस कारण भी बाजार में भीड़ कम है। श्री गुप्ता ने बताया कि प्रतिवर्ष होलिका दहन के दुसरे दिन रंगोत्सव का पर्व मनाया जाता था इसलिए होलिका दहन के दिन बाजार में काफी भीड़ रहती थी और लोग रंग, गुलाल एवं पिचकारी सहित अन्य सामग्री की खरीदी करते थे किन्तु इस वर्ष होलिका दहन के दुसरे दिन चंद्रग्रहण होने के कारण 4 मार्च को रंगोत्सव का पर्व मनाया जायेगा। जिससे ऐसा लग रहा है कि 3 मार्च को बाजार में भीड़ रहेगी और व्यापार भी उठेगा।

लापता युवक का 7 दिन बाद कुएं में मिला शव, क्षेत्र में सनसनी

पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा, जांच में जुटी पुलिस

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लालबर्रा थाना अंतर्गत ग्राम खमरिया में पिछले एक सप्ताह से लापता 30 वर्षीय युवक का शव सोमवार सुबह उसी के खेत में स्थित कुएं से बरामद किया गया। युवक की मौत की खबर फैलते ही पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने घटना स्थल से शव बरामद कर मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम करवाकर शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार खमरिया निवासी 30 वर्षीय रोहित चौहान जो अविवाहित था और परिवार के साथ खेती-किसानी का कार्य करता था। गत 24 फरवरी को दोपहर के समय बिना बताये घर से कहीं निकला था। जब वह देर शाम तक वापस नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी आसपास एवं रिस्तेदारी में पतासाजी किये किन्तु कहीं कोई पता न चलने पर परिजनों ने थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। वहीं पुलिस ने गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज कर लापता युवक की तलाश कर रही थी एवं परिजन में भी कर रहे थे। सोमवार की सुबह जब एक ग्रामीण रोहित के मकान के पीछे स्थित खेत के कुएं के पास से गुजर रहा था। तब उसे कुएं के पानी में एक शव उतराता हुआ दिखाई दिया। जिसके बाद ग्रामीणजन व पुलिस को सूचना दी गई। वहीं कुएं में एक युवक का शव मिलने की जानकारी जब ग्रामीणजनों को लगी तो घटना स्थल में भीड़ लग गई। वहीं पुलिस को खमरिया में कुएं के अंदर एक युवक का शव दिखाई देने की जानकारी मिलने के बाद थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकाले जिसकी पहचान 7 दिनों से लापता रोहित चौहान के रूप में की गई। जिसके बाद उसके परिजनों को घटना की जानकारी दी गई और आवश्यक कार्यवाही कर मृत युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया जहां चिकित्सक के द्वारा पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया है। बताया जा रहा है कि रोहित चौहान की शादी नही हुई थी और वह अपने माता-पिता एवं भाईयों के साथ रहता था एवं नशा भी करता था। अंदेशा जताया जा रहा है कि 24 फरवरी को वह खेत की ओर गया होगा और संतुलन बिगड़ने के कारण कुएं में गिर गया होगा। लंबे समय तक पानी में डूबे रहने के कारण उसकी मृत्यु होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

7 दिनों से लापता था रोहित - अनिल

दूरभाष पर खमरिया सरपंच प्रतिनिधि अनिल टेम्भरे ने बताया कि रोहित चौहान एक सप्ताह से बिना बताये कही चले गया था जिसकी थाने में गुम शुदगी रिपोर्ट भी दर्ज करवाई गई थी। साथ ही परिजन एवं पुलिस युवक की तलाश कर रहे थे लेकिन कही कुछ पता नही चल रहा था। सोमवार को युवक का शव उसी के मकान के पीछे खेत स्थित कुएं के अंदर से बरामद किया गया है। जिसकी शादी नही हुई थी। श्री टेंभरे ने बताया कि रोहित चौहान कुएं में कैसे गिरा पता नही, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मामले की जांच की जा रही है - सुनील

दूरभाष पर चर्चा में थाना प्रभारी सुनील चतुर्वेदी ने बताया कि खमरिया निवासी 30 वर्षीय रोहित चौहान एक सप्ताह से लापता था जिसकी गुमशुदगी रिपोर्ट परिजनों ने थाने में दर्ज करवाई थी, जिसके बाद उसकी तलाश की जा रही थी। सोमवार को प्रात: के समय उसका शव उसी के मकान के पीछे खेत स्थित कुएं से बरामद किया गया है। श्री चतुर्वेदी ने बताया कि पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है और प्रथम दृष्टया कुएं में गिरने व लंबे समय तक पानी में डूबे रहने से उसकी मौत होना पाया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु का कारण स्पष्ट हो पायेगा, मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है।

जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद की बैठक 5 मार्च को

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों के आधार पर पर्यटन की संभावनाओं को विकसित करने के उद्देश्य से गठित जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद की बैठक दिनांक 05 मार्च 2026, गुरुवार को आयोजित की जाएगी। बैठक दोपहर 12 बजे से कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर श्री मृणाल मीना की अध्यक्षता में संपन्न होगी। बैठक में जिले में पर्यटन विकास से संबंधित विभिन्न प्रस्तावों, योजनाओं एवं बहुउद्देशीय कार्यों की समीक्षा की जाएगी तथा भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा की जाएगी। उल्लेखनीय है कि परिषद के माध्यम से जिले के प्राकृतिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थलों को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के प्रयास निरंतर किए जा रहे हैं, ताकि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित हों और जिले की पहचान को व्यापक स्तर पर स्थापित किया जा सके।

संबंधित अधिकारियों एवं सदस्यों को बैठक में समय पर उपस्थित रहने हेतु आमंत्रित किया गया है।

जिला पंचायत सीईओ की कार्यप्रणाली को लेकर अधिकारी कर्मचारी हड़ताल पर

जनपद पंचायत और ग्राम पंचायत अधिकारी-कर्मचारी विहीन, ग्रामीण परेशान

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत भवन सहित ग्राम पंचायत अधिकारी विहीन पड़ी हुई है। जहां पर जिम्मेदार अमला जिला पंचायत सीईओ की कार्यप्रणाली के खिलाफ हड़ताल पर चले जाने से दिक्कत की स्थिति निर्मित हो गई है। ग्रामीणजन जनपद पंचायत ग्राम पंचायत में अपनी जरूरी कार्यों से आना.जाना कर रहे हैं। परंतु उन्हें बैरंग ही लौटना पड़ रहा है तो वहीं ग्राम पंचायत में सबसे बड़ी समस्या त्योहार के समय भुगतान की बनी हुई है। जहां अपने कार्यों के लिए लोग आ रहे हैं परंतु उन्हें खाली कुर्सी ही प्राप्त हो रही है। ऐसे में अधिकारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल को लेकर परेशान है। जिनके द्वारा शासन प्रशासन से जल्द हड़ताल पर बैठे अधिकारियों की मांगों को पूर्ण कर व्यवस्था बनाए जाने की मांग की जा रही है।

होली त्यौहार मनाने पलायन कर चुके मजदूर होते हैं वापस

बालाघाट जिले में कोई बड़ी रोजगार व्यवस्था नही होने और प्रशासन के द्वारा कोई रोजगार सृजन ना किए जाने को लेकर बड़ी संख्या में पलायन की स्थिति बनी रहती है। जिसमें ग्रामीण क्षेत्र के मजदूर महानगरों में जाकर अपना रोजगार करते हैं,परंतु वर्ष में होली और दिवाली दो बड़े त्योहार होते हैं जिसमें हर मजदूर अपने घर परिवार के लिए वापस आता है। इसी के तहत होली पर्व कल से चालू होना है जिसके लिए महानगरों में रोजगार की तलाश में गए मजदूर अब वापस हो रहे हैं। जो होली मनाने के साथ ही अपने ग्राम पंचायत के हितग्राही मूलक कार्य भी करवाते हैं, परंतु जनपद पंचायत और ग्राम पंचायत का अमला अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जा चुका है। जिससे उनके सामने अब दिक्कत पैदा हो गई है कि उन्हें अब हड़ताल खत्म होते तक का इंतजार करना पड़ेगा या आगे किसी और समय में आकर कार्य करवाना पड़ेगा। तो वहीं दूसरी बड़ी समस्या ग्राम के वह लोगों के सामने खड़ी है जिनका ग्राम पंचायत के माध्यम से भुगतान बकाया है। ऐसे में ग्रामीणों के द्वारा शासन प्रशासन से इस अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे अधिकारी कर्मचारियों की मांग को पूर्ण कर व्यवस्थाएं बनाने की मांग की जा रही है ताकि वह अपना स्थानीय कार्य एवं होली पर्व कुशलतापूर्वक मना सके।

अधिकारियों की तानाशाही से ग्रामीणजन परेशान है-सुनील राणा

सरपंच प्रतिनिधि सुनील राणा ने बताया कि जनपद एवं जिले के मनरेगा अधिकारी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी सभी हड़ताल पर चल रहे हैं। यह जिला कार्यपालन अधिकारी के व्यवहार और जिस प्रकार वह प्रशासनिक अमले मनरेगा अधिकारियों पर दबाव बनाकर काम करवाते हैं। इसके अलावा बेसमय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग एवं कहीं भी जाकर १० वर्ष पुराने कार्य की रिकवरी निकल रहे हैं। इससे जीआरएस ,सचिव ,सरपंच, उपयंत्री अधिकारी सरपंच सभी प्रताड़ित है। वह जिले में जरूरी नहीं स्वयं की मर्जी से काम देते हैं मनरेगा के २६९ कामों में कुछ भी नहीं मिल रहा है केवल छोटे खेत तालाब और मां की बगिया पर वह काम कर रहे हैं। उसमें मजदूर लगाने दबाव बना रहे हैं जबकि सरकार के द्वारा पंचायत को कोई काम नहीं दिया गया है बहुत बड़ी समस्या बनी हुई है।

जिला सीईओ के बर्ताव के खिलाफ में जनपद सीईओ की हड़ताल से काम अवरूध्द हो रहा है-मोनू देशमुख

सरपंच प्रतिनिधि मोनू देशमुख ने बताया कि अभी होली का इतना बड़ा महत्वपूर्ण त्यौहार है। गांव में बाहर से मजदूर पर्व मनाने आ रहे हैं तो उन्हें दिक्कत है कि हड़ताल है। वहीं इसमें गांव के कुछ मजदूर है उनका भुगतान निकलना था तो उन्हें भी नही नुकसान हो रहा है। हर किसी को त्यौहार मनाने के लिए रुपये की जरूरत होती है। बाहर से मजदूर आए हैं उनके हितग्राही मूलक कार्य भी अटक गए हैं। जिला सीईओ के बर्ताव के खिलाफ जनपद सीईओ की हड़ताल है इस पर सरकार ने गंभीरता से ध्यान देकर समस्या का हल करना चाहिए। इसका असर ग्रामीणो तक पहुंच रहा है हमारे यहां ही पहले स्थानापन्न फिर उपचुनाव हुए २ महीने से पंचायत चालू हुई थी तो अब हड़ताल आ गई। अभी सामूहिक विवाह लालबर्रा में होना है तो वहां हमारे गांव के जोड़े जाएंगे तो सचिव जीआरएस पीसीओ बीपीओ सीईओ के हस्ताक्षर लगते हैं यह कोई नहीं है पंचायत के सभी जरूरी काम बंद है।

वन विभाग ने कर्मी विनय भवरे को सेवानिवृति होने पर दी बिदाई

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के दक्षिण सामान्य वनमंडल वन परिक्षेत्र कार्यालय में २ मार्च को बिदाई समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सेवानिवृत्ति स्थाई कर्मी विनय भवरे की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें उपस्थित अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा वन विभाग में स्थाई कर्मी के रूप में वारासिवनी कार्यालय में पदस्थ विनय भवरे की सेवा निवृत्ति होने पर उसे गुलाल लगाकर शाल श्रीफल भेट कर सम्मानित किया गया। वहीं उपस्थित अधिकारियों के द्वारा बारी बारी से स्थाई कर्मी विनय भवरे की कार्यप्रणाली व्यवहार कुशलता व्यक्तित्व के ऊपर प्रकाश डालकर विस्तार पूर्वक बताया कि विनय भवरे के द्वारा वर्ष १९९६ में वन विभाग में अपनी सेवा सुरक्षा श्रमिक के रूप में प्रारंभ की गई थी। जिसमें उन्होंने पहले जॉइनिंग वारासिवनी परिक्षेत्र कार्यालय में की इसके बाद वह लालबर्रा ,कटंगी और जिले के विभिन्न बैरियर में कार्यरत रहे। इस प्रकार उन्होंने वन विभाग में अपने अमूल्य ३० वर्ष समर्पित कर दिया। आज तक इनका किसी अधिकारी और कर्मचारियों से खराब व्यवहार नहीं रहा और ना ही उनके व्यवहार में कोई बदलाव आया। विभाग का छोटा सिपाही से लेकर बड़े अधिकारी तक हर किसी के साथ इन्होंने अपने दायित्व का निर्वाह किया। जब भी कार्य के लिए कहा तो कभी उन्होंने मना नहीं किया वन विभाग में समर्पित रूप से इन्होंने सेवा की और अंतत: २८ फरवरी को उनकी सेवानिवृत्ति हो गई। यह कोई नया नहीं है हर अधिकारी कर्मचारी के जीवन में एक पड़ाव के बाद सेवानिवृत्ति अवश्य आना है,आज यह सेवानिवृत हुए हैं कल हम होंगे और परसों हमारी पीढ़ियां होगी। यह अनवृत प्रक्रिया है इससे घबराने की कोई जरूरत नहीं है अब यह शासन की सेवा से मुक्त है अपने परिवार और ईस्ट मित्रों को अत्यधिक समय दे पाएंगे। ऐसे में हम सभी उनके उज्जवल भविष्य और दीर्घायु जीवन की कामना करते हैं। वहीं कार्यक्रम के अंत में स्मृति चिन्ह स्वरूप तस्वीर भेंट कर स्थाई कर्मी के रूप में कार्यरत विनय भवरे को सेवानिवृत्ति पर बिदाई दी गई। इस दौरान विनय भवरे ने भावुक होते हुए कहा कि वन विभाग में वर्ष १९९६ से मेरे द्वारा जॉइनिंग की गई थी सुरक्षा श्रमिक से स्थाई कर्मी तक का सफर तय किया। इस दौरान कई अधिकारियों के साथ कार्य करने का मौका मिला। सभी से अच्छे अनुभव मिले वर्तमान में जो अधिकारी है सभी के द्वारा शालीनता और प्रेम के साथ कार्य किया गया। आगे भी इसी तरह छोटे कर्मचारियों के साथ व्यवहार करते हुए कार्य करें। मेरे द्वारा अपने सेवा काल में वारासिवनी, कटंगी ,लालबर्रा वन विभाग और सर्वाधिक वारासिवनी वन विभाग में अपनी सेवाएं दी गई है। इस अवसर पर वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

महाविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ के अन्तर्गत राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन महाविद्यालय के इंदिरा प्रकोष्ठ में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम प्रभारी डॉ. एस एस गेड़ाम, ,डॉ. सम्पत घोष , दुर्गेश अगासे उपस्थित रहे। भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ के अन्तर्गत इस अवसर पर वैज्ञानिक आविष्कार एवं नवाचार विषय पर केन्द्रित व्याख्यान विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन साथ ही भारतीय वैज्ञानिकों के योगदान पर केन्द्रीत क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. रक्षा निकोसे के द्वारा विज्ञान दिवस की शुभकामनाएँ प्रेषित की गई। इस अवसर पर मोहनीष इड़पाचे, दोमदत्त सिंह, सविता सेनवार, योगेश बिसेन एवं छात्र छात्राएँ उपस्थित रहे।

जगंली सूअर के हमले में घायल का सिविल अस्पताल में उपचार जारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत झालीवाड़ा के मिर्ची टोला निवासी ३२ वर्षीय महिला जंगली सूअर के हमले से गंभीर रूप से घायल हो गई। यह घटना उस समय हुई जब कविता बोपचे खेत में कार्य करने के लिए गई हुई थी। घटना के बाद महिला को सिविल अस्पताल में लाकर भर्ती किया गया जहां उसका उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्तमान में रबी का मौसम चल रहा है जिसमें किसानों का खेती कार्य लगा हुआ है। किसानो का खेतों में आना जाना लगा हैं कविता पति संतोष बोपचे ३२ वर्ष झालीवाड़ा के मिर्ची टोला निवासी अपने परिवार के साथ खेत में सरसों की फसल कटाई करने के लिए गई हुई थी। जहां पर वह सुबह ८ बजे गई तभी अचानक खेत में छिपे हुए जंगली सूअर के द्वारा उस पर हमला कर गंभीर घायल कर दिया गया। यह देख परिजनों के द्वारा तत्काल जंगली सूअर को खदेड़कर घायल महिला को सिविल अस्पताल में भर्ती किया गया जहां उसका उपचार जारी है। सरोवर देशमुख ने बताया कि ग्राम में बहुत ज्यादा जंगली सूअर की संख्या हो गई है। लोगों को खेती बाड़ी में जाने के लिए अब डर लगने लगा है। कोई व्यक्ति अकेले जाने के लिए नहीं देखा है खासकर महिलाएं ,पुरुष सदस्य के साथ ही खेतों में जाती है। इस प्रकार जंगली सूअर की उपस्थिति से भय का माहौल बना हुआ है लोग डरे हुए हैं वन विभाग कुछ कर नहीं रहा है। इसके पहले भी लोग घायल हो चुके हैं एक बार जंगली सूअर को मारकर खदेड़ने का कार्य किया गया था। जिसमें ग्राम के लोगों पर वन विभाग के द्वारा प्रकरण बना दिया गया ऐसे में हम असमर्थ हो रहे हैं। विभाग को जंगली सूअर को खदेड़ने के लिए ग्रामीणों को कुछ छूट दी जानी चाहिए ताकि इस प्रकार से गांव के लोगों को दुर्घटनाग्रस्त और परेशान ना होना पड़े। यदि ऐसा ही रहा तो किसान अपनी खेती किस प्रकार करेंगे इस पर गंभीरता से प्रशासन को विचार करना चाहिए।

होली पर्व के मद्देनजर पुलिस ने किया नगर भ्रमण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना पुलिस बल के द्वारा २ मार्च की शाम को नगर में पैदल भ्रमण किया गया। यह पैदल भ्रमण वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर थाना प्रभारी पवन यादव के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान नगर के विभिन्न स्थानों पर अव्यवस्थित रूप से खड़े वाहन एवं दुकानदारों को समझाइस देकर व्यवस्था बनाने के लिए निर्देश दिए गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार होली पर्व प्रारंभ होने वाला है। जिसको लेकर नगर में शांति व्यवस्था बनाए रखने और आपसी सौहार्द के साथ पर्व को संपन्न करने के लिए पुलिस प्रशासन के द्वारा शाम ८ बजे पैदल भ्रमण किया गया। जिसमें पुलिस बल के द्वारा नगर के विभिन्न चौक चौराहा और गलियों का भ्रमण कर लोगों को शांतिपूर्वक पर्व मनाने के लिए संदेश दिया गया। वहीं मार्ग पर अव्यवस्थित रूप से खड़े मालवाहक खाली वाहन एवं मोटरसाइकिल चालकों को सुरक्षित रूप से चलाने और व्यवस्थित रूप से वाहनों को खड़ा करने के लिए निर्देशित कर समझाइस दी गई। तो वहीं वीरांगना रानी अवंती बाई स्टेडियम के सामने सड़क किनारे और अव्यवस्थित रूप से लगाई गई दुकानों के संचालकों को समझाइस देकर मौके पर बाजार ठेकेदार को मौके पर बुलाकर व्यवस्था की जानकारी दी गई। जहां पुलिस और ठेकेदार के द्वारा दुकानदारों को साइड और बाहर तक लगाए गए बांस तिरपाल को खोलकर पीछे व्यवस्थित रूप से दुकान लगाने और सामने अधिक से अधिक जगह खाली रखने के लिए समझाइस दी गई। इस अवसर पर पुलिस बल मौजूद रहा।

पीजी कॉलेज में साइबर सुरक्षा पर एक दिवसीय वेबिनार आयोजित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के अंतर्गत संचालित शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट में 02 मार्च को साइबर सुरक्षा विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के संरक्षण में संपन्न हुआ।

वेबिनार के संयोजक प्रो. अरविन्द पटले एवं सह-संयोजक डॉ. रूपम खरे रहे, जबकि आयोजन समिति में सदस्य के रूप में प्रो. वैभव वडीचार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता के रूप में बालाघाट पुलिस स्टेशन के नोडल साइबर सिक्योरिटी सेल की चांदनी शांडिल्य उपस्थित रहीं। उन्होंने वर्तमान समय में बढ़ते साइबर अपराधों जैसे ऑनलाइन बैंकिंग धोखाधड़ी, फिशिंग, ओटीपी फ्रॉड, सोशल मीडिया हैकिंग आदि के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही इनसे बचाव के व्यावहारिक उपायों पर भी प्रकाश डाला।

मुख्य वक्ता ने विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों को डिजिटल प्लेटफॉर्म का सुरक्षित उपयोग करने, मजबूत पासवर्ड बनाने, अनजान लिंक पर क्लिक न करने तथा व्यक्तिगत जानकारी साझा करने में सावधानी बरतने की सलाह दी। उन्होंने साइबर अपराध की स्थिति में त्वरित शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया भी समझाई और जागरूकता को ही सबसे बड़ा बचाव बताया।

वेबिनार अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी सिद्ध हुआ। अंत में संयोजक प्रो. अरविन्द पटले ने मुख्य वक्ता का आभार व्यक्त करते हुए सभी प्रतिभागियों को साइबर सुरक्षा के प्रति सजग रहने का संदेश दिया।

राजा भोज कृषि महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने तैयार किया ऑर्गेनिक एवं त्वचा-सुरक्षित गुलाल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। होली पर्व के अवसर पर राजा भोज कृषि महाविद्यालय के बी.एससी. (कृषि) ऑनर्स तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने एक सराहनीय एवं नवाचारी पहल करते हुए ऑर्गेनिक, रसायन-मुक्त एवं त्वचा के लिए सुरक्षित सुगंधित गुलाल का निर्माण किया। इस अभिनव प्रयास में छात्र श्रीकांत घारड़े, विघ्नेश बनवारी, प्रणाली चौधरी, पियूष, श्रेया, अभिषेक एवं मनोज की प्रमुख भूमिका रही। विद्यार्थियों ने पालक, चुकंदर, गुलाब, गाजर, पलाश के फूल तथा मक्के के आटे जैसे प्राकृतिक एवं घरेलू उत्पादों का उपयोग कर आकर्षक एवं विविध रंगों का गुलाल तैयार किया। यह गुलाल पूर्णतः प्राकृतिक, पर्यावरण अनुकूल तथा त्वचा के लिए सुरक्षित है। विद्यार्थियों ने अपने इस उत्पाद की बिक्री महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के बीच की, जिसे सभी ने उत्साहपूर्वक सराहा। इस पहल को आत्मनिर्भरता एवं उद्यमिता की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. घनश्याम देशमुख ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए इसे नवाचार एवं स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने की दिशा में प्रेरणादायक प्रयास बताया। सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रतिभा बिसेन एवं डॉ. अतुल श्रीवास्तव सहित सभी प्राध्यापकगण एवं कर्मचारियों ने विद्यार्थियों की इस पहल की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। अंत में विद्यार्थियों ने समस्त महाविद्यालय परिवार को होली की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। महाविद्यालय परिवार ने इस पहल को पर्यावरण संरक्षण, नवाचार और स्वदेशी उत्पादों के प्रोत्साहन की दिशा में एक सार्थक शुरुआत बताया।

बालाघाट एक्सप्रेस
संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं तस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे तस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

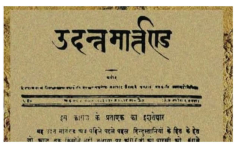

अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच जारी युद्ध अगर जल्द नहीं रुका, तो यह वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए तो घातक होगा ही, इसकी गूंज भारत के लिए भी कूटनीतिक एवं आर्थिक असमंजस का कारण बन सकती है।

युद्ध की गूंज

अमेरिका और इस्राइल के संयुक्त सैन्य हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई की मौत के बाद ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड की इतिहास का सबसे खतरनाक हमला करने की धमकी और फिर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की पलटवार की चेतावनी से साफ है कि यह युद्ध तुरंत खत्म नहीं होने वाला है। इससे दुनिया भर की अर्थव्यवस्था पर तो असर पड़ेगा ही, इसने भारत के लिए भी कूटनीतिक एवं आर्थिक चुनौती पैदा कर दी है। हमलों की वजह से होर्मुज जलडमरूमध्य को ईरान ने बंद कर दिया है, जिससे दुनिया भर की तेल व गैस आपूर्ति का करीब 20 फीसदी हिस्सा गुजरता है। अगर यह लड़ाई लंबी चलती है, तो वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की आपूर्ति घट जाएगी और उसकी कीमतें आसमान छूने लगेंगी। यही नहीं, इस जंग की वजह से वैश्विक शेयर बाजार में भी उथल-पुथल की आशंका है, जो इस साल ट्रंप के टैरिफ और तकनीकी क्षेत्र में भारी बिकवाली की वजह से पहले ही बहुत ज्यादा उतार-चढ़ाव देख चुका है। इससे वित्तीय बाजार पर भी भारी असर पड़ सकता है, क्योंकि शेयर बाजार के अस्थिर होने पर निवेशक सोने-चांदी की तरफ रुख करेंगे, जिसकी कीमत रिकॉर्ड स्तर पर रही है। ईरान ब्रिक्स का एक महत्वपूर्ण सदस्य है, जिसकी अध्यक्षता अभी भारत के पास है, ऐसे में इस युद्ध से भारत के लिए असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। इसलिए हमेशा से शांति और संवाद के समर्थक भारत ने उचित ही कहा है कि तनाव कम करने और संबंधित मुद्दों को सुलझाने के लिए बातचीत और कूटनीति को आगे बढ़ाया जाना चाहिए तथा सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए। चूंकि खाड़ी क्षेत्र में बहुत से भारतीय रहते हैं और खाड़ी देशों से हमारे व्यापारिक रिश्ते भी हैं, इसलिए भारत की चिंता स्वाभाविक है। खाड़ी देशों में अस्थिरता बढ़ने से उस क्षेत्र में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा और उनके द्वारा भेजे जाने वाले धन के प्रवाह पर भी असर पड़ सकता है। विदेश मंत्रालय ने एक एडवाइजरी जारी करके उस क्षेत्र में रहने वाले भारतीय नागरिकों को सतर्क रहने और स्थानीय सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की सलाह दी है। हालांकि भारत ईरान से तेल आयात नहीं करता, लेकिन भारत में तेल होर्मुज स्ट्रेट से ही होकर आता है, जिसके बाधित होने पर देश में ऊर्जा आपूर्ति पर असर पड़ने के साथ पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ेंगी और उससे राजकोषीय दबाव बढ़ सकता है। भारत की प्राथमिकता अपने नागरिकों की रक्षा, ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करना और दोनों पक्षों के साथ अपने हितों को संतुलित रखना है। इस चुनौतीपूर्ण घड़ी में भारत ने सभी पक्षों से संयम, संवाद और कूटनीति की राह पर लौटने की जो अपील की है, उसकी गंभीरता समझी जा सकती है।

ईरान का भविष्य अंधकारमय ही है

इस युद्ध का नतीजा चाहे जो भी हो, ईरानियों को निकट भविष्य में शांति और स्थिरता मिलने वाली नहीं है। ईरान के एक अधिक स्वतंत्र समाज के रूप में उभरने, और करोड़ों ईरानियों के रहने के लिए सही जगह बनने की संभावना अब भी कम ही है।

अमेरिका और इस्राइल के संयुक्त हमले के चलते ईरान पर लगातार बम गिराए जा रहे हैं। जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, शनिवार को शुरू हुए हमलों के घोषित उद्देश्य ईरानी शासन को पलटना, उसकी सेना को नष्ट करना और उसकी परमाणु क्षमता को समाप्त करना है। लेकिन यह समझना मुश्किल नहीं है कि भले ही अमेरिका और इस्राइल इन घोषित लक्ष्यों को हासिल कर लें, फिर भी ईरानियों को निकट भविष्य में शांति और स्थिरता मिलने वाली नहीं है। एक वीडियो संदेश में, ट्रंप ने ईरानियों से कहा कि %आपकी आजादी की घड़ी आ गई है,% और जब अमेरिका अपना काम पूरा कर लेगा, तो %सरकार आपकी होगी।% लेकिन ईरान के एक अधिक स्वतंत्र समाज के रूप में उभरने, और करोड़ों ईरानियों के रहने के लिए सही जगह बनने की संभावना कम ही है। आगे क्या होगा, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। लेकिन, इतिहास बताता है कि सैन्य अभियान के बाद जिन देशों पर हमला हुआ, उनके साथ क्या हुआ, और हम उनसे सबक ले सकते हैं। वर्ष 2019 में, रैंड कॉरपोरेशन ने एक अध्ययन प्रकाशित किया, जिसमें दुनिया भर में अमेरिकी सैन्य दखल के सैकड़ों मामलों की पड़ताल की गई। लेखकों ने तीन बड़े कारकों की पहचान की, जो यह तय करते हैं कि जिस देश पर हमला किया जाता है, वह अंततः बेहतर स्थिति में रहता है या नहीं।

पहली वजह थी पहले से मौजूद जातीय और धार्मिक तनाव। अमेरिकी हमले के बाद इराक में अफरा-तफरी की एक बड़ी वजह यह थी, और इसी वजह से जापान को दूसरे विश्वयुद्ध के बाद सामाजिक एकता वापस लाने में मदद मिली। पश्चिम एशिया के ज्यादातर देशों के मुकाबले, ईरान लंबे समय से काफी हद तक एकजुट समाज रहा है, जिसका एक कारण सदियों से स्थिर रही

सीमाएं हैं। पर इस्लामी गणराज्य द्वारा जातीय और धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ 47 साल की सरकारी हिंसा ने लंबे समय से दबी हुई दरारों को जगा दिया है, जिससे हमले के बाद सांप्रदायिक खून-खराबे का खतरा काफी बढ़ गया है। दूसरी वजह थी भरोसेमंद राजनीतिक संस्थाओं का होना, खासकर सक्रिय सरकारी एजेंसियां जो देश को स्थिर कर सकें या युद्ध के समय मानवीय राहत का संचालन कर सकें। ईरान में, बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार, लोकतांत्रिक संस्थाओं को सुनियोजित तरीके से खोखला करना और राजनीतिक रूप से प्रभावशाली वर्ग पर लोगों के गहरे अविश्वास ने उन ढांचों को काफी हद तक बेअसर बना दिया है। तीसरी वजह थी आर्थिक मजबूती। आज ईरान की अर्थव्यवस्था बहुत नाजुक है। महंगाई 70 फीसदी से ज्यादा हो गई है। अकेले 2025 में ही मुद्रा की कीमत 84 फीसदी कम हो गई। यह सब बिगड़ते पर्यावरण संकट से और बढ़ गया है। हर तरह से, ईरानी अर्थव्यवस्था तबाही के कगार पर है।

रैंड रिपोर्ट के लेखकों ने जर्मनी और जापान जैसी जगहों पर दखल के उदाहरणों की तुलना लीबिया, इराक और सीरिया में दखल से की, ताकि यह दिखाया जा सके कि इन वजहों ने नतीजों को कैसे प्रभावित किया। आज ईरान दूसरे समूह में आ सकता है, जिसने अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बाद अफरा-तफरी, संघर्ष और नागरिक ढांचों को टूटते हुए देखा। बहुत संभव है कि ट्रंप शायद सरकार के शीर्ष पर बैठे खास सैन्य व राजनीतिक नेतृत्व को हटाने में कामयाब हो जाएं, जीत की घोषणा कर दें और फिर फैली अफरा-तफरी का इल्जाम ईरानियों पर डाल दें। शायद वह अपने अगले एजेंडे की तरफ बढ़ जाएंगे और ईरानियों को एक बर्बाद देश में जिंदा रहने के लिए छोड़ दिया जाएगा।

ईरान में सैन्य दखल के बारे में मेरे नकारात्मक नजरिये को, हर तरह के विदेशी दखल के विरोध के रूप में नहीं समझना चाहिए। कुछ आकलनों से पता चलता है कि जनवरी में प्रदर्शनों के दौरान दो दिनों में सरकार ने हजारों निहत्थे लोगों को मार डाला होगा, और हिंसा फिर भी खत्म नहीं हुई। इसके अलावा हजारों आम लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें से ज्यादातर बच्चे थे। कई लोगों को लंबी जेल की सजा हो सकती है। कुछ को मौत की सजा हो सकती है।

यह हिंसा इस्लामी गणराज्य के बुनियादी नियमों से उतनी अलग नहीं है, जितनी कि उन्हीं की ओर वापसी है। 1980 के दशक में, जब सरकार को अपने वजूद पर खतरा महसूस हुआ, तो उसने भी इसी तरह सख्ती से जवाब दिया। लगभग आधी सदी से, ईरान के नेता अपने वजूद पर आए खतरों का जवाब ईरानी लोगों के खिलाफ भारी हिंसा से देते रहे हैं।

इतनी बड़ी लड़ाई शुरू या खत्म करने का फैसला करना आम लोगों के हाथ में नहीं होता, और इराक से लेकर गाजा तक का हालिया इतिहास बताता है कि ऐसे समय में सड़कों पर होने वाले विरोध प्रदर्शन वाशिंगटन और दूसरी जगहों पर फैसला लेने वालों पर कोई असर नहीं डालते। ऐसी निराशा की स्थिति में ईरानियों और दुनिया को ईरानी लोगों की भलाई और सुरक्षा को विचारधारा से ज्यादा जरूरी बनाना चाहिए, और उसके लिए मिलकर ठोस कदम उठाने चाहिए।

इस युद्ध का नतीजा चाहे जो भी हो, देशों को आर्थिक पाबंदियों को तेजी से हटाने के लिए एक वैश्विक अभियान का समर्थन करना चाहिए, जिसने ईरान को वैश्विक अर्थव्यवस्था से अलग कर दिया था। इन पाबंदियों ने सरकार को कमजोर करने के बजाय मजबूत ही किया। इन्हें हटाने से कम से कम आम ईरानियों पर इस नई लड़ाई के बुरे असर को कम करने में मदद मिलेगी, जिन्हें इसका सबसे ज्यादा खामियाजा भुगतना पड़ेगा, और आने वाले दिनों में नष्ट होने वाले जरूरी बुनियादी ढांचे को फिर से बनाने में मदद मिलेगी। ईरानियों को एक नए तरह के अंतरराष्ट्रीयतावाद की जरूरत है। आम ईरानियों की वैश्विक मामलों में ज्यादा दखल होनी चाहिए। शुरुआत करने के लिए ईरान किसी भी दूसरी जगह जितना ही अच्छा है।

-आमिर अहमदी एस्थिन (ईरानी-अमेरिकी लेखक व पत्रकार)

मुद्दा

प्रदेश में डॉक्टर अक्सर खराब कार्य स्थितियों, कम वेतन और अवसरों की कमी के कारण सरकारी नौकरी करने से कतराते हैं।

-विजय त्रिपाठी

डॉक्टर मिलते नहीं, मिलते हैं तो टिकते नहीं

उत्तर प्रदेश में सरकारी डॉक्टरों की बहुत कमी है। जितने हैं, करीब-करीब उतने ही और चाहिए। सरकार डॉक्टरों की भर्ती की कोशिशें भी कर रही हैं, फिर भी कमी पूरी नहीं हो रही है। मिल भी जाते हैं, तो टिकते नहीं हैं। डॉक्टरों के पास इसकी कई वजहें हैं। प्रदेश में डॉक्टर खराब कार्य स्थितियों, निजी क्षेत्र की तुलना में कम वेतन और करियर के अवसरों की कमी के कारण सरकारी नौकरी करने से कतराते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में डॉक्टरों की भारी कमी, अपर्याप्त बुनियादी ढांचा और नौकरशाही के दबाव के कारण निजी प्रैक्टिस ज्यादा आकर्षक लगती है। कॉरपोरेट अस्पतालों के मोटे पैकेज हैं, तो सरकारी नौकरी में कामकाज का स्वस्थ माहौल न होना भी एक बड़ा कारण है। प्रतीय चिकित्सा सेवा संवर्ग के स्वीकृत 19,700 पदों में से करीब सात हजार पद खाली हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में से ज्यादातर को फर्स्ट रेफरल यूनिट (एफआरयू) का दर्जा दे दिया गया है। यहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती की जाती है। लोक सेवा आयोग से चयनित स्त्री रोग विशेषज्ञ, एनेस्थेटिस्ट, बाल रोग विशेषज्ञ, सर्जन नहीं हैं, इसलिए पांच लाख रुपये प्रतिमाह तक के पैकेज पर विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती की गई। फिर भी डॉक्टर यहां रुकते नहीं हैं। पिछले दो वर्षों का आंकड़ा देखें, तो 50 फीसदी डॉक्टर साल बीतते-बीतते नौकरी छोड़ देते हैं। कन्नौज की एक सीएचसी में साल भर काम करने के बाद नौकरी छोड़ने वाले एक बाल रोग विशेषज्ञ बताते हैं कि नौकरी इसलिए ज्वाइन की थी कि ग्रामीण इलाके के गरीब बच्चों की जान बचा सकेंगे। कुछ समय तक तो सब ठीक चला, पर धीरे-धीरे मन बदलने लगा। ग्रामीण परिवारों के लिए जरूरी सुविधाएं दुधार हैं। गाहे-बगाहे काम में नेताओं का भी हस्तक्षेप रहता है। अस्पताल अधीक्षक ने दूसरे कार्यक्रमों और जिला स्तर की बैठकों में ड्यूटी लगानी शुरू कर दी। छुट्टियां भी बमुश्किल मिलने लगीं। आजिज आकर नौकरी छोड़ दी। सीतापुर के जिला अस्पताल में बतौर सर्जन रहे एक चिकित्सक ने भी बताया कि उन्होंने साल भर रात-दिन मेहनत की, तो अस्पताल में मरीजों की संख्या बढ़ गई। संसाधनों की जरूरत पड़ने लगी। किसी तरह ऑपरेशन थिएटर बना। उपकरणों के लिए मुंह ताकना पड़ता है। फिर राजनीति शुरू हो गई और दूसरे जिले में तबादला कर दिया गया। अंतत: उन्होंने निजी अस्पताल की नौकरी पकड़ ली। चिकित्सा शिक्षा विभाग के पूर्व महानिदेशक डॉ. में विशेषज्ञ चिकित्सकों को रोकना है, तो संसाधनों का विकास करना होगा। उन्हें कुछ अतिरिक्त सुविधाएं देनी होंगी। निजी प्रैक्टिस जैसी बाध्यता खत्म करके नया मॉडल विकसित करना होगा, ताकि जिनके पास शहरी विकल्प न हों, वे ग्रामीण इलाकों में जाने की सोचें। प्रदेश में मेडिकल कॉलेज तो धड़ाधड़ खुलते जा रहे हैं, पर मेडिकल कॉलेजों में औसतन 30 फीसदी तक पद खाली हैं। एक पूर्व संकाय सदस्य की मानें, तो आपसी प्रतिस्पर्धा में राजनीति और एक-दूसरे को नीचा दिखाने की कोशिश भी एक वजह है। इस विशेषज्ञ ने जिस संस्थान से पढ़ाई की, वहीं असिस्टेंट प्रोफेसर बने। कुछ वक्त बाद चिकित्सा में नवाचार शुरू किए, तो वरिष्ठों को यह अखर गया। नतीजतन, इस्तीफा देकर उन्हें निजी प्रैक्टिस करनी पड़ी। दो साल में खुद का अस्पताल बना कर करीब 35 लोगों को रोजगार दे रहे हैं। ऐसे तमाम वाकये भरे पड़े हैं। चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक रह चुके प्रोफेसर एनसी प्रजापति बताते हैं कि सरकारी कॉलेजों में कई बार चिकित्सा विशेषज्ञ के साथ संबंधित जिलों के प्रशासनिक अधिकारियों का व्यवहार ठीक नहीं होता है। मेडिकल कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर से लेकर प्रोफेसर तक के नौकरी छोड़ने के पीछे यह भी बड़ी वजह है।

अंतरराष्ट्रीय

उम्मीदें अब भी कायम हैं

अगर यह युद्ध लंबा खिंचता है, तो मुमकिन है कि भारत को ऊर्जा आपूर्ति में कुछ बाधाओं का सामना करना पड़े, पर यदि ईरान में एक प्रगतिशील सरकार सत्ता में आती है, तो पश्चिम एशिया में हमारी परियोजनाएं और तेजी से आगे बढ़ सकेंगी।

भारत के लिए यह बहुत बड़ी चिंता का विषय है कि अमेरिका-इस्राइल और ईरान युद्ध का असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। खासकर ऐसे समय में, जब हमने रूस से तेल लेना कम कर दिया है, ऊर्जा आपूर्ति में बाधा का आर्थिक प्रभाव गहरा हो सकता है। हम ज्यादातर तेल आयात खाड़ी देशों से करते हैं। होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने से तेल की आपूर्ति बाधित होगी और आशंका है कि कच्चे तेल की कीमत सत्तर डॉलर से बढ़कर 90-100 डॉलर प्रति बैरल तक हो सकती है। अभी लगभग चार करोड़ बैरल रूसी तेल समुद्र में जहाजों पर घूम रहा है। ऐसे में जरूरी है कि तेल बाजार को स्थिर करने के लिए अमेरिका और यूरोप कम से कम कुछ समय के लिए रूस पर से प्रतिबंध हटा ले। तेल के अलावा भी खाड़ी देशों के साथ हमारा बहुत-सा व्यापार होता है। ईरान के साथ उतना व्यापार नहीं होता, लेकिन यूएई, सऊदी अरब, कुवैत, कतर इन सारे देशों के साथ व्यापार बहुत होता है। अब उस पर भी असर पड़ेगा, क्योंकि व्यापार मार्ग भी बंद है। यही नहीं, अगर हूती लड़ाकों ने दोबारा से लाल सागर या स्वेज नहर वाले रूट पर मिसाइल दागना शुरू कर दिया, तो फिर मुश्किलें और बढ़ जाएंगी। वैश्विक बाजार अमेरिकी टैरिफ को लेकर पहले ही उथल-पुथल की स्थिति में है, ऐसे में इस युद्ध से आर्थिक चुनौती और बढ़ेगी ही। तीसरी चीज यह है कि हवाई मार्ग भी बंद हो गए हैं।

चूंकि ईरान की हवाई सीमा का इस्तेमाल नहीं कर सकते, और पाकिस्तानी हवाई मार्ग पहले से ही बंद है। ऐसे में अन्य मार्ग अपनाने से हवाई मार्ग लंबा होने पर एयरलाइन इंडस्ट्री को बहुत बड़ी चपत लगेगी। अब तक तो सिर्फ ईरान में रहने वाले छात्रों और भारतीय नागरिकों की चिंता थी, लेकिन पूरा खाड़ी क्षेत्र जिस तरह से युद्ध से प्रभावित हो रहा है, ऐसे में पूरे खाड़ी क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों को निकालना असंभव होगा। बेशक उनकी सुरक्षा

की चिंता सरकार को होगी, लेकिन इतने लोगों को निकालकर भारत लाना संभव नहीं है। जब सरकार ने एडवाइजरी जारी कर दी कि आप निकल जाएं, तो फिर लोगों को निकल जाना चाहिए, क्योंकि युद्ध शुरू हो जाने के बाद निकालना मुश्किल होता है। जहां तक कूटनीति की बात है, तो मुझे लगता है कि अब भारत के लिए पेचीदगी कुछ कम होगी, क्योंकि ईरान ने बाकी अरब देशों पर हमला करके उन्हें अमेरिका के पाले में धकेल दिया है। अरब देशों से ईरान के खिलाफ बहुत तीव्र बयान आ रहे हैं।

अगर ईरान में इस्लामी शासन खत्म हो जाता है और एक उदारवादी, प्रगतिशील सरकार सत्ता में आती है, तो भारत के लिए यह बेहतर ही होगा। फिर ईरान के ऊपर जो बहुत से प्रतिबंध लगे थे, वे हट जाएंगे और चाबहार बंदरगाह का काम आगे बढ़ सकता है। इससे हमारी कनेक्टिविटी की परियोजनाएं भी ईरान के माध्यम से आगे बढ़ सकती हैं और हम ईरान का तेल भी ले सकते हैं। मगर ऐसा तब होगा, जब ईरान में दुनिया के साथ चलने वाली नई सरकार सत्ता में आएगी। ऐसे में अमेरिका भी चाहेगा कि भारत जैसा देश, जो वहां निवेश करने को तैयार है, वह ईरान में ज्यादा सक्रिय हो। सामरिक तौर पर भारत के लिए दो बहुत बड़े दुश्मन उभर कर आ रहे हैं। पाकिस्तान तो नासूर बना ही हुआ है, तुर्किये भी एक बड़ी चुनौती बन रहा है। तुर्किये और पाकिस्तान के बीच जो गठजोड़ है, उस पर भी ऐसी स्थिति में लगाम लग सकती है, जो भारत के लिए अच्छा ही होगा। इसलिए ईरान में नई सरकार आने से भारत को कूटनीतिक तौर पर ज्यादा फायदे होंगे। मगर यदि युद्ध लंबा चला और वहां के हालात बहुत खराब रहे, तो फिर समस्याएं बढ़ सकती हैं।

लेकिन अभी जिस तरह के आक्रमण हो रहे हैं और बाकी अरब देश भी ईरान से नाराज हैं, इसकी बहुत संभावना है कि जो कुछ अरब देश अब तक अब्राहम अकॉर्ड्स में शामिल होने को तैयार नहीं थे, वे शायद इन बदली परिस्थितियों में इस्राइल के साथ आ जाएं। इससे भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप गलियारे की समस्या खत्म हो जाएगी। इससे न केवल भारत के व्यापार को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि हमारे लिए ऊर्जा (स्वच्छ हाइड्रोजन) और डिजिटल कनेक्टिविटी भी सुदृढ़ होगी। उम्मीद है कि भारत के लिए आगे अच्छी खबरें ही आएंगी।

- लेखक ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन में सीनियर फेलो हैं।

-सुशांत सरीन, (विदेश मामलों के जानकार)

दूसरा पहलू

हिमाचल प्रदेश का टोरू गांव अपने सामूहिक व ऐतिहासिक सामाजिक सुधारों की वजह से आज देश भर में एक अलग पहचान बना चुका है।

सामाजिक सुधार की मिसाल बनता एक गांव

हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले का टोरू गांव आज देश भर में एक अलग पहचान बना चुका है। 100 प्रतिशत साक्षरता, गांव के एक निवासी का सांविधानिक पद तक पहुंचना, और सामाजिक संरचना जैसी उपलब्धियां इसे खास बनाती हैं। लेकिन टोरू की असली पहचान किसी एक व्यक्ति की सफलता नहीं, बल्कि सामूहिक और ऐतिहासिक सामाजिक सुधार का साहसिक निर्णय है। 11 जनवरी, 2026 को टोरू गांव ने वह कदम उठाया, जिसे अक्सर सरकारें टालती हैं। सबसे प्रभावशाली निर्णयों में से एक था-भव्य दावतों और पाल्टोज पार्टियों पर लगाम लगाना। ये आयोजन एक तरह की प्रतिस्पर्धी प्रदर्शनी बन गए थे, जो परिवारों को अपनी हैसियत से कहीं अधिक खर्च करने पर मजबूर करते थे। एक बड़ा सुधार %दशउठान% समारोह के पुनर्गठन में भी दिखता है। इस रस्म को केवल पहले बच्चे के जन्म तक सीमित करना और चाहे वह लड़का हो या लड़की, दोनों को समान सम्मान देना, सदियों पुरानी पितृसत्तात्मक सोच पर एक कड़ा प्रहार है। शादियों में शराब पर पूर्ण प्रतिबंध और गांव के भीतर इसकी बिक्री पर रोक लगाई गई है। टोरू ने एक प्रतिनिधि कार्यान्वयन समिति बनाने का संकल्प भी लिया है, जिसमें बुजुर्ग, युवा और महिलाएं शामिल हैं। यह समिति परामर्श देने, सचेत करने और आवश्यकता पड़ने पर उचित सामाजिक दंड लगाने के लिए अधिकृत है। हालांकि, इसकी भूमिका दंडात्मक होने के बजाय सुधारात्मक अधिक है।

यह नैतिक इरादों को एक लागू होने वाले सामाजिक अनुशासन में बदल देता है, जिससे सुधारों को दीर्घायु मिलती है। टोरू के इस प्रयोग को जो बात सबसे ज्यादा प्रभावशाली बनाती है, वह है इसका स्केलेबिलिटी, यानी बड़े स्तर पर लागू होने की क्षमता। इन सुधारों के लिए किसी वित्तीय बजट, विधायी समर्थन या प्रशासनिक मशीनरी की आवश्यकता नहीं है।

ये पूरी तरह से आपसी सहमति, नैतिक साहस और सामूहिक जवाबदेही पर टिके हैं। यदि सरकारी संस्थानों से इन्हें मान्यता और प्रोत्साहन मिले, तो ऐसे मॉडलों को पूरे हिमाचल और उससे आगे भी लागू किया जा सकता है और यह वहां भी सफल हो सकते हैं, जहां ऊपर से थोपे गए सामाजिक सुधार अक्सर विफल हो जाते हैं। टोरू का अनुभव हमें याद दिलाता है कि स्थायी सामाजिक सुधार न तो केवल कानूनों से पैदा होते हैं और न ही नीतिगत निर्देशों से। इसकी शुरुआत तब होती है, जब समुदाय अपनी स्वयं की प्रथाओं पर सवाल उठाने का साहस जुटाते हैं। यदि टोरू का यह संकल्प अडिग रहता है, तो इसे एक ऐसी मिसाल के रूप में देखा जाएगा, जिसने दिखाया कि समाज या गांव जब चाहे, तब राज्य (सत्ता) को भी परिवर्तन की दिशा दिखा सकता है।

टोरू ने एक समिति बनाने का संकल्प भी लिया है, जो परामर्श देने, सचेत करने व आवश्यकता पड़ने पर दंड लगाने के लिए अधिकृत है।

खास बात यह है कि इन सुधारों के लिए किसी वित्तीय बजट, विधायी समर्थन या प्रशासनिक मशीनरी की आवश्यकता नहीं है। ये पूरी तरह से आपसी सहमति, नैतिक साहस और सामूहिक जवाबदेही पर टिके हैं।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में 240 अरब डॉलर के निवेश का किया गया ऐलान

रिलायंस, अदाणी, गूगल समेत प्रमुख निवेशकों ने जताई निवेश तिबद्धता

नई दिल्ली। एजेंसी। नई दिल्ली में 16 से 21 फरवरी 2026 तक आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' को एआई क्षेत्र का अब तक का सबसे बड़ा आयोजन बताया गया। सम्मेलन में करीब छह लाख लोगों ने प्रत्यक्ष रूप से भाग लिया। 100 से अधिक देशों और 20 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधिमंडलों ने भी हिस्सा लिया। सम्मेलन में आयोजित एआई इम्पैक्ट प्रदर्शनी में 850 से अधिक प्रदर्शकों ने हिस्सा लिया, जिससे यह वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ी एआई प्रदर्शनी में से एक बन गई। सम्मेलन में रिलायंस इंडस्ट्रीज, अदाणी समूह, गूगल, लाइटस्पीड वेंचर पार्टनर्स और टाटा समूह समेत शीर्ष निवेशकों ने 240 अरब अमेरिकी डॉलर निवेश की घोषणा की। सम्मेलन में जताई गई निवेश प्रतिबद्धताओं के तहत रिलायंस इंडस्ट्रीज ने एआई केंद्रित अवसंरचना पर सात वर्षों में 110 अरब डॉलर निवेश का वादा किया जबकि अदाणी एंटरप्राइजेज ने 2035 तक 100 अरब डॉलर निवेश की योजना घोषित की। इनके अलावा जनरल कैटेलिस्ट ने पांच वर्षों में पांच अरब डॉलर और लाइटस्पीड वेंचर पार्टनर्स ने 10 अरब डॉलर निवेश की प्रतिबद्धता जताई। गूगल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुंदर पिचाई ने भारत-अमेरिका के बीच नए समुद्री केबल मार्गों और विशाखापत्तनम में 15 अरब डॉलर के एआई हब में निवेश की घोषणा की। इस बीच टाटा समूह ने एआई-सक्षम डेटा सेंटर के विस्तार के लिए ओपनएआई के साथ साझेदारी की घोषणा की। सम्मेलन में एक अहम घोषणा भारत की राष्ट्रीय स्वामित्व वाली कंप्यूटिंग क्षमता को बढ़ाने से जुड़ी रही। इंडिया एआई मिशन के तहत पहले से उपलब्ध 38,000 से अधिक जीपीयू के अलावा आने वाले हफ्तों में 20,000 और जीपीयू जोड़े जाएंगे, जिससे राष्ट्रीय एआई अवसंरचना और मजबूत होगी। बयान के अनुसार इस अवसर पर आयोजित एआई इम्पैक्ट प्रदर्शनी वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ी एआई प्रदर्शनी में से एक बनकर उभरी, जिसमें 850 से अधिक प्रदर्शकों ने भाग लिया।

बैंक ने जीएसटी चोरी नहीं की, सट्टेबाजी को नहीं देते बढ़ावा: फिनो पेमेंट्स बैंक

नई दिल्ली। एजेंसी। फिनो पेमेंट्स बैंक ने अपने प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ऋषि गुप्ता की गिरफ्तारी पर कहा है कि बैंक ने किसी भी तरह की जीएसटी चोरी नहीं की है और वह सभी नियामकीय प्रावधानों का पालन कर रहा है। जीएसटी आसूचना महानिदेशालय (डीजीजीआई) ने गुप्ता को जीएसटी कानून के उल्लंघन के आरोप में गिरफ्तार किया है। उन्हें केंद्रीय और राज्य जीएसटी अधिनियम, 2017 की धारा 132(1)(ए) और 132(1)(आई) के तहत कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार किया गया है। बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि डीजीजीआई की यह जांच कई बैंकों से जुड़े प्रोग्राम मैनेजरों से संबंधित है, न कि स्वयं बैंक के जीएसटी अनुपालन से। फिनो पेमेंट्स बैंक ने कहा ?कि बैंक और उसके अधिकारियों का संबंधित प्रोग्राम मैनेजरों के कथित कारोबार या गतिविधियों से कोई लेना-देना नहीं है। डीजीजीआई कथित फर्जी कंपनियों और भुगतान मंचों के माध्यम से ऑनलाइन मनी गेमिंग से कमाए गए अवैध धन के प्रवाह की जांच कर रहा है। बैंक ने नियामकीय सूचना में कहा कि वह किसी भी मंच, वेबसाइट या किसी भी अन्य माध्यम से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से किसी भी तरह की सट्टेबाजी गतिविधि को बढ़ावा नहीं देता है। उसने कहा, 'व्यापारियों को साथ जोड़ने की प्रक्रिया नियामकीय दिशानिर्देशों के अनुरूप है और इसे संबंधित कारोबारी टीमों द्वारा किया जाता है, न कि एमडी एवं सीईओ द्वारा। ऑनबोर्डिंग की एक शर्त यह भी है कि उस व्यापारी का किसी अन्य बैंक के साथ पहले से बैंकिंग संबंध हो, ताकि यूपीआई लेनदेन सुगम हो सके।'बैंक ने यह भी कहा कि उसने कोई फर्जी चालान जारी नहीं किया है और सेवाओं के उपयोग के आधार पर सभी चालान जारी किए गए हैं। साथ ही वर्चुअल पेमेंट एड्रेस (वीपीए) के उपयोग की निगरानी के लिए मजबूत जोखिम प्रबंधन ढांचा भी मौजूद है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने फिनो पेमेंट्स को लुघ वित्त बैंक में बदलने की प्रक्रिया पूरी करने के लिए 18 महीने की समयसीमा दी है। प्रबंधन ने कहा कि वह निर्धारित अवधि से पहले यह प्रक्रिया पूरी करने की उम्मीद करता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए आश्वासन दिया है कि मंत्रालय इस मामले पर गौर करेगा। इस बीच, उद्योग जगत ने फिनो पेमेंट्स के एमडी एवं सीईओ की गिरफ्तारी पर आश्चर्य जताया है। पेमेंट्स काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) और स्टार्टअप पॉलिसी फोरम (एसपीएफ) जैसे उद्योग संगठनों ने गुप्ता के समर्थन में बयान जारी किए हैं। पीसीआई के अध्यक्ष विश्वास पटेल ने सीतारमण को पत्र लिखकर मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने और प्रवर्तन कार्रवाई में संतुलन बरतने की मांग की।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 59 पैसे की गिरावट के साथ ही 91.67 रुपये पर बंद हुआ। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और अमेरिकी डॉलर की मजबूती के बीच आज शुरुआती कारोबार में रुपया 21 पैसे गिरकर 91.29 प्रति डॉलर पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 91.23 पर खुला और शुरुआती सौदों में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 91.29 तक फिसल गया। शुक्रवार को रुपया 17 पैसे की गिरावट के साथ 91.08 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजार में नकारात्मक रुख और विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली से भी रुपये पर दबाव बना हुआ है। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, शुक्रवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 7,536.36 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.22 फीसदी बढ़कर 97.78 पर कारोबार कर रहा था।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही करोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इजरायल-ईरान युद्ध के कारण भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ने से बाजार टूटा है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,048.34 अंक नीचे आकर 80,238.85 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 312.95 अंक गिरकर 24,865.70 पर बंद हुआ। आज बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकर 7 लाख करोड़ रुपए कम होकर 456 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो कि शुक्रवार को 463 लाख करोड़ रुपए था। इससे निवेशकों को भारी झटका लगा है। कारोबार के दौरान निफ्टी इन्फ्रा 2.23 फीसदी, निफ्टी ऑटो 2.20 फीसदी, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 2.15 फीसदी, निफ्टी ऑयल एंड गैस 2.15 फीसदी, निफ्टी पीएसयू 1.84 फीसदी गिरावट के साथ बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर निफ्टी इंडिया डिफेंस 0.49 फीसदी, निफ्टी मेटल 0.24फीसदी और निफ्टी फार्मा 0.02 फीसदी ही

उछले। सेंसेक्स पैक में बीईएल, सन फार्मा और आईटीसी के शेयरों को लाभ हुआ जबकि इंडिगो, एलएंडटी, मारुति सुजुकी, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, एमएंडएम, बजाज फाइनेंस, एचसीएल टेक, ट्रेंट, इटरनल, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावर ग्रिड, एनटीपीसी, एसबीआई और एक्सिस बैंक के शेयर नुकसान में रहे। आज लार्जकैप के साथ ही स्मॉलकैप और मिडकैप में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 935.10 अंक या 1.58 फीसदी की गिरावट के साथ 58,180.50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 296.50 अंक या 1.75 फीसदी की कमजोरी के साथ 16,632 .40 पर था। इससे पहले आज सुबह बाजार में भारी गिरावट के साथ कारोबार की शुरुआत हुई। सेंसेक्स 1,125 अंकों की गिरावट के साथ खुला, जबकि निफ्टी 50 करीब 300 अंक टूटकर खुला। शुरुआती कारोबार में कुछ रिकवरी दिखी पर बाद में फिर गिरावट हावी रही। बाजार जानकारों के अनुसार ईरान से जुड़े भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक बाजारों में कमजोरी, सोने-चांदी की कीमतों में उछाल और कच्चे तेल के चार साल के उच्च स्तर पर पहुंचने से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई है। दिनभर बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रहने और सतर्क कारोबार की संभावना जताई जा रही है।

अमेरिका-इज़राइल-ईरान तनाव से सोना-चांदी में रिकॉर्ड उछाल

नई दिल्ली। एजेंसी। मध्य-पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच सोना और चांदी की कीमतों में जोरदार तेजी दर्ज की गई है। अमेरिका, इजराइल और इरान के बीच बढ़ते टकराव ने वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता बढ़ा दी है, जिससे निवेशकों का रुख सुरक्षित निवेश यानी बुलियन की ओर हो गया है। सोमवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना 4,759 रुपये की छलांग लगाकर 1,66,880 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं

चांदी करीब 3 प्रतिशत उछलकर 2,91,439 रुपये प्रति किलोग्राम पर ट्रेड कर रही है। घरेलू बाजार में यह तेजी अंतरराष्ट्रीय संकेतों के अनुरूप देखी जा रही है। अमेरिकी कमोडिटी एक्सचेंज कॉमेक्स पर शुरुआती कारोबार में सोने की स्पॉट कीमत 1.86 प्रतिशत बढ़कर 5,345.50 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। चांदी भी 0.81 प्रतिशत की बढ़त के साथ 94.045 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करती दिखी। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 17,234 रुपये प्रति ग्राम पर बिक रहा है, जबकि मुंबई और कोलकाता में यह 17,309 रुपये प्रति ग्राम दर्ज किया गया। चेन्नई में कीमत 17,210 रुपये प्रति ग्राम है। 22 और 18 कैरेट सोने में भी समान तेजी देखी गई है। विश्लेषकों का मानना है कि यदि तनाव बरकरार रहा तो घरेलू बाजार में सोना 1.70 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 3 लाख रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है।

तेल खरीद पर बढ़ते संकट से निपटने के लिए भारत का प्लान बी तैयार

नई दिल्ली। एजेंसी। ईरान और अमेरिका में जारी युद्ध के बीच भारत ने अपनी तेल खरीद पर बढ़ते संकट से निपटने के लिए प्लान बी तैयार कर लिया है। मामले से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि ईरान युद्ध की वजह से होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे कच्चे तेल के प्रमुख आपूर्ति मार्ग के बंद होने से भारत को निकट भविष्य में कच्चे तेल की आपूर्ति में किसी बड़े व्यवधान का सामना करने की आशंका नहीं है। अधिकारियों ने कहा कि कच्चे तेल का भंडार कम से कम 10 दिन की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त है और ईरान संकट लंबा खिंचता है तो भारत फिर से रूस के साथ तेल खरीद को बढ़ा सकता है। ईरान पर अमेरिका और इजरायल के सैन्य हमलों के बाद तेजी से बदलते घटनाक्रम में इस्लामिक गणराज्य के सर्वोच्च नेता के मारे जाने की खबरें भी शामिल हैं। इससे संकेत मिलता है कि यह संघर्ष बहुत लंबा नहीं चलेगा। हालांकि, शीर्ष अधिकारियों और विश्लेषकों का कहना है कि यदि तनाव बढ़ता है तो भारत के पास आकस्मिक योजनाएं तैयार हैं। उसे अपनी तेल खरीद की रणनीति में भी बदलाव करना होगा और इसके लिए भारत तैयार है। ईरान के सरकारी मीडिया ने कहा था कि अमेरिका और इजरायल के मिसाइल हमलों के जवाब में उसने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया है। यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा निकासी बिंदुओं में से एक है, जिससे वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति का लगभग 20 फीसदी हिस्सा गुजरता है। इस रास्ते के बंद होने से भारत पर भी गहरा असर पड़ने की आशंका है और इन बदलती परिस्थितियों में भारत के पास भी अपनी रणनीति बदलने का अवसर है। अधिकारियों ने कहा कि कम अवधि के लिए इसके बंद होने से भारत पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि उसके पास ईंधन की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त आपूर्ति है। हालांकि, यदि होर्मुज जलडमरूमध्य लंबे समय तक बंद रहता है, तो देश रूसी तेल की खरीद बढ़ाकर अपने आयात स्रोतों में बदलाव कर सकता है। इसका तत्काल प्रभाव तेल की कीमतों पर दिखेगा।

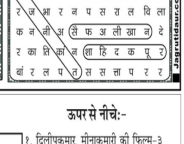

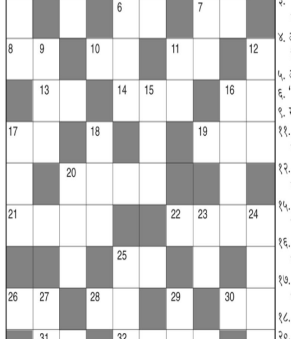

मेष- आज का दिन आपके लिए धन लाभ दिलाने वाला रहेगा। आपकी अपने सहयोगियों से खूब पटेगी और संतान को भी आप कहीं बाहर लेकर जा सकते हैं। आप अपने विरोधियों को आसानी से मात देने की कोशिश करेंगे। आपको अपने काम को लेकर किसी दूसरे पर डिपेंड नहीं रहना है।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए कुछ नया करने के लिए रहने वाला है। आपकी ऊर्जा से आपके सभी काम पूरे होंगे। आपको किसी को बिना मांगे सलाह देने से बचना होगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई लिखाई को लेकर लापरवाही बिल्कुल नहीं बरतनी है, क्योंकि परीक्षा का समय नजदीक है। आपको अक्समात धन लाभ मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

मिथुन- आज का दिन आपकी लिए उन्नति की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। मित्रों का आपको पूरा स्पोर्ट मिलेगा। कोई शारीरिक समस्या आपकी मुश्किलों को बढ़ा सकती हैं और बिजनेस कर रहे लोगों को कुछ कठिनाइयां तो आएंगी, लेकिन वह उनसे आसानी से बाहर निकल जाएंगे। शेयर मार्केट में आप सोच समझकर निवेश करें।

कर्क- आज का दिन आपके लिए सोच समझ कर कामों को करने के लिए रहेगा। आप किसी काम को लेकर जल्दबाजी बिल्कुल ना दिखाएं। रूपए पैसे से संबंधित मामलों में आप अपनी आंख व कान खुले रखे और किसी अजनबी पर भरोसा बिल्कुल ना करें। आज आपके बॉस आपको काम को लेकर कोई सुझाव दे सकते हैं, जो उन्हें खूब पसंद आएंगा। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए टेंशनों भरा रहेगा, क्योंकि आपकी कुछ पारिवारिक समस्याएं फिर से सिर उठाएंगी। जो आपके मुश्किलों को बढ़ाएंगी। आप नौकरी से संबंधित किसी काम को लेकर किसी दूसरे शहर जा सकते हैं। राजनीति में कार्यरत लोगों को कोई अच्छा पद मिलने से ज्यादा घमंड करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि विरोधी आपके खिलाफ कोई षड्यंत्र रच सकता हैं। प्रॉपर्टी को लेकर कोई मामला आपको समस्या देगा, जिसके लिए कानून के चक्कर काटने पड़ सकते हैं।

कन्या- आज आपकी कोई बात परिवार में किसी सदस्य को बुरी लग सकती हैं, इसलिए आप बहुत ही तोलमोल कर बोले और अपनी वाणी पर संयम रखें, जिससे आप प्रेम करते हैं, वह आपके लिए कोई खुशखबरी लेकर आ सकते हैं। आप अपनी पढ़ाई लिखाई में आ रही समस्याओं को लेकर यदि परेशान थे, तो उसके लिए आप उनके गुरुजनों से बातचीत कर सकते हैं।

तुला- आज का दिन आपके लिए वाहनों का प्रयोग सावधानी से करने के लिए रहेगा, क्योंकि कोई दुर्घटना होने की संभावना बनती दिख रही हैं। यदि आपको कोई शारीरिक समस्या चली आ रही थी, तो वह भी बढ़ सकती हैं। आपको अपने किसी पुराने मित्र की याद सता सकती हैं। भाई व बहनों से चल रही अनबन भी बातचीत के जरिए दूर होगी और किसी प्रॉपर्टी के बंटवारे को लेकर आपको कानून के चक्कर काटने पड़ सकते हैं।

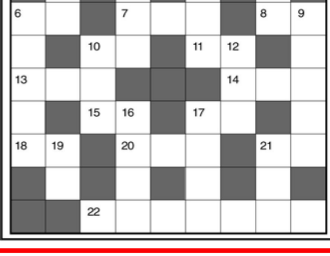

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए मेहनत भरा रहेगा। आपको काम को लेकर थोड़ी स्टीक्नेस दिखानी होगी, क्योंकि आप लापरवाही यदि दिखाएंगे, तो इससे आपकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। कोई मित्र आपके लिए कोई इंवेस्टमेंट संबंधित प्लान लेकर आ सकता है। आप अपनी आय और व्यय में संतुलन बनाकर चलें, क्योंकि आपके खर्च अधिक रहेंगे।

धनु- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आज आपके अंदर काम को लेकर एक नयी ऊर्जा रहेगी, जिससे आपको व्यापार व नौकरी के कामों को करने में काफी मजा आएगा। आपको अपनी संतान की संगति पर विशेष ध्यान देना होगा। किसी पुरानी गलती को आप बिल्कुल ना दोहराएं।

मकर- आज का दिन आपके लिए इन्कम के मामले में ठीक-ठाक रहने वाला है। आपको किसी एक्स्ट्रा सोर्स से भी इन्कम होने की संभावना है, लेकिन आप अपने खर्च भी उतने ही बढ़ा लेंगे। परिवार में कोई धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन करेंगे, जिससे आपके परिवार के सदस्यों में एकजुटता बनी रहेगी और आपकी किसी बात से यदि जीवनसाथी परेशान चल रही थी, तो आपकी वह समस्या भी समाप्त होती दिख रही है।

कुंभ- आज का दिन प्रॉपर्टी के लेनदेन के लिए अच्छा रहने वाला है, लेकिन आपके साथ कोई धोखा हो सकता है, इसलिए आप अपनी गहरी नजर बनाए रखें। पारिवारिक रिश्तों में यदि किसी बात को लेकर कड़वाहट चल रही थी, तो उसे भी आप दूर करने की कोशिश कर सकते हैं। आप अच्छे खान-पान का आनंद लेंगे और अपने किसी परिजन से मेल मिलाप करने जा सकते हैं। आपको किसी से कोई बात बहुत ही सोच समझ कर बोलनी होगी, नहीं तो उन्हें आपकी बात बुरी लग सकती है।

मीन- आज आपके चारों ओर का वातावरण खुशनुमा रहेगा। आपको एक के बाद एक खुशखबरी सुनने को मिलेंगी। संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी और आप परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताएंगे, जिससे पुराने गिले शिकवे भी दूर होंगे और किसी सदस्य के विवाह में आ रही बाधा को लेकर आप अपने किसी मित्र से बातचीत कर सकते हैं। घूमने फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी और आप बिजनेस में पार्टनरशिप भी कर सकते हैं।

शब्दजाल - 8187

शब्द जाल में 10 भारत रत्न प्राप्त लोगों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

र	रा	डा.	आं	बे	ड	क	र	झ	क	अ
वि	च	र	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	ब्दु
शं	र	ह	वि	नो	बा	भा	वे	ला	ल	ल
क	म	दा	च	ल	क	इं	हा	दा	रा	क
र	जा	र	सी	हा	मि	री	दि	स	जी	ला
ह	कि	प	वी	दा	ह	ला	ती	रा	व	म
ट	र	बु	र	र	म	ट	ह	ला	गां	क
बा	हु	वा	म	क	छ	सौ	न	ट	धी	धी
स	सै	तें	न	ह	अ	म	र्त्य	से	न	द
र	न	प	ति	रं	ट	ऐ	बें	न	रु	थो
म	द	र	टे	रे	सा	बौ	ख	ला	ह	ट

रवि शंकर, अमर्त्य सेन, राजीव गांधी, अब्दुल कलाम, डा. आंबेडकर, सी.वी. रमन, जाकिर हुसैन, मदर टेरेसा, इंदिरा गांधी, विनोबा भावे

शब्दजाल - 8186 का हल

रि	अ	मे	क	अ	मि	ता	भ	ब	च्च	न
ति	भि	क	म	क्ष	ड्ढे	ने	ग	ति	मा	ला
क	षे	र	ला	य	ग	अं	द	ह	प	आ
रो	क	ल	का	कु	न	स	ध	ह	लि	मि
श	ब	स	ल	मा	न	खा	न	का	न	र
न	च्च	का	र	र	ल	का	त	ह	र	खा
र	न	ल	मा	व	शा	ह	रु	ख	खा	न
र	ज	भा	र	न	प	स	रा	ल	वि	ला
क	न	नी	अ	सै	फ	अ	ली	खा	न	दे
र	का	ति	का	न	शा	हि	द	क	पू	र
बां	र	ल	प	त	स	स	त्ता	प	र	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

3 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

मंगलवार 2026 वर्ष का 62 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल
तिथि पूर्णिमा 17.08 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मघा 07.32 बजे को समाप्त।
योग सुकर्मा 10.25 बजे को समाप्त।
करण बव 17.08 बजे तदनन्तर बालव 04.55 बजे प्रात: को समाप्त।
चन्द्रायु 13.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 06° 54'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872637
जूलियन दिन 2461102.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रमजान **तारीख** 13
विशेष होलिका दहन, चैतन्य महाप्रभु जयंती, लक्ष्मी जयंती।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.59 बजे से
चंद्र	सिंह में	मेष	08.30 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	10.10 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	12.08 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	14.22 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	16.38 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	18.50 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	21.00 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	23.15 ब.से
राहुकाल		धनु	01.31 बजे से
3.00 से 4.30		मकर	03.36 बजे से
बजे तक		कुंभ	05.23 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: उदारता की जीत

राजा चंद्रसेन एक न्यायप्रिय शासक था। वह कभी किसी के साथ अन्याय नहीं होने देता था। एक बार पड़ोसी राजा ने उसके राज्य पर आक्रमण कर दिया। चंद्रसेन स्वयं पड़ोसी राजा से भिड़ गया। थोड़ी ही देर में चंद्रसेन ने उसे जमीन पर गिरा दिया और उसके सिर पर तलवार का वार करने ही वाला था कि दूसरे राजा के मुंह से कुछ अपशब्द निकल गए। अपशब्द सुनकर चंद्रसेन ने अपनी तलवार रोक ली और कुछ सोचते हुए उसे म्यान में रख लिया। वहां उपस्थित सभी सैनिक आश्चर्य में पड़ गए। वे चंद्रसेन से बोले, 'आपने अपना हाथ क्यों रोक लिया। इसे मार डालिए। इसे जिंदा छोड़ना ठीक नहीं होगा।' सैनिकों की बात सुनकर चंद्रसेन ने कहा, 'मैं युद्ध अपने देश की रक्षा के लिए लड़ रहा हूं। यदि मैं इसी समय इसे मार देता हूं तो मुझे अफसोस नहीं होगा मगर इसने मुझे अपशब्द कहे, जिसके कारण मेरी लड़ाई हमारे राष्ट्र की न होकर व्यक्तिगत हो गई। देश रक्षा के लिए मैं अपने पूरे युद्ध कौशल से लड़ रहा था, किंतु व्यक्तिगत होने पर मैं गुस्से में आ गया। यदि मैं इसे मार देता तो मैं स्वार्थी कहलाता।' इतना कहकर चंद्रसेन ने दूसरे राजा को तलवार दी और युद्ध करने को कहा। लेकिन उस राजा ने लड़ने से इनकार कर दिया और उसके आगे सिर झुकाकर कहा, 'आपने अपने उच्च विचारों से मुझे जीत लिया है। अब आप चाहे तो मुझे मार दें।' चंद्रसेन ने उस पर वार नहीं किया और उसे क्षमा कर दिया। वह राजा सेना सहित लौट गया।

फिल्म वर्ग पहेली- 7131

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-३
२. 'मैं शायर तो नही' गीत वाली फिल्म-२
३. 'तू मेरे पास भी' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज बाजपेयी, उर्मिला की फिल्म-२
४. अमिताभ बच्चन, संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
५. अरविंद स्वामी, मधु की फिल्म-२
६. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेंद्र कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, बबीता की 'दांतों तले दबा कर होंठ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'अंबर हमारा रास्ता' गीत वाली अरूण, रघुवरन, बेबी शामली, श्रुति की फिल्म-३
१५. कमल हासन, शाहरूख, रानी की 'चाहे पंडित हो' गीत वाली फिल्म-१,२
१६. 'मेरे संग संग आया' गीत वाली धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, विनोद, हेमा की फिल्म-४
१७. शॉवरअली, ब्रजेश हीरजी, जूही, शिल्पा की 'मेरा मन भँवरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. प्रेमनाथ, बीना राय की फिल्म-३
२०. राजेश, फिरोजखान, शर्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
२५. 'सावन का महीना पवन करे' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मुझ से दोस्ती करोगे' में करीना कपूर के किरदार का नाम क्या था-२
२९. 'तेरी याद बिछा के सोता हूँ' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

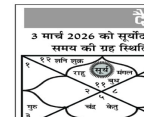

१. शाहरूख, जूही की 'चाँद तारे तोड़ लाऊँ' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'इस दीवाने लड़के' गीत वाली नसीर, आमिर, सोनाली की फिल्म-५
६. गोविंदा, नीलम की 'मैं तो हूँ सबका मेरा ना कोई' गीत वाली फिल्म-२
७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. 'वाटर' के निर्देशिका कौन हैं-२
१०. अमिताभ, फरदीन खान, करीना कपूर की फिल्म-२
११. श्रेयस तलपदे, आयशा की 'ये हौसला कैसे झुके' गीत वाली फिल्म-२
१३. अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की 'जिस दिल में बसा था प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मुझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो मारिया, बिपाशा की फिल्म-२
१७. अमिताभ, अजय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा नीली' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में काजोल के किरदार का नाम था-३
२०. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
२१. 'दुनिया ने सुन ली है चुपके से' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, नीतूसिंह की 'कोई रोको ना दीवाने को' गीत वाली फिल्म-४
२५. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२६. राजेश खन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना गुमान' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
३०. 'ऐ लो प्यार के दिन' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना की फिल्म-२
३१. संजय, कुमार गौरव, पूनम 'अमीरों की शाम गरीबों' गीतवाली फिल्म-२
३२. 'फिर से आये बदरा' गीत वाली संजीव, शर्मिला, वहीदा की फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली- 7130

क्रि	मि	न	ल		प	र	व	रि	श
श		ती		ड्रो	र		र		मा
	अ	जा	म		दे	व	दा	स	
का	श		ह	व	स		न	म	क
ला		ला	ल	च		अ		झाँ	
पा	य	ल		न	सी	म		ता	ल
नी		कि	ला		आ	ला	प		ड़ा
	त	ला	श		ई		रि	हा	ई
तु	म			मं	डी		णी		
	ना		श	जू		गी	ता	बा	ली

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7440

★★★★☆ कठिन

					1	4		
	9					5	8	
			7	9				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6					1	
		9	3					

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7439 का हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

शब्द पहेली - 8655

बाएँ से दाएँ

1. कृष्ण का एक नाम-4,3
6. धन,संपत्ति-2
7. इस युवती को बयान बदलने पर जेल की सजा हुई है-3
8. विजय,फतह-2
10. आम जनता,लोग-2
11. लाभ,कुल योग-2
13. निर्माण,कृति-3
14. उत्तर-3
15. नष्ट,विनाश-2
17. रुस्तमे हिंद का सिर्फ नाम-2
18. तह,अस्तर-2
20. राजी होना-3
21. अवरोध,रुकावट-2
22. आतंक फैलना-4,3

ऊपर से नीचे

2. भिड़ंत,मुठभेड़-3
3. इस्लामी महीना-4
4. हाथी,गज-4
5. न्यायाधीश-2
6. जोरदार-5
9. लालसी,आकांक्षी, पिपासु-5
10. स्त्रीत्वपूर्ण,स्त्रीय-3
12. वृतांत,घटना-3
16. हल,निष्कर्ष-4
17. राशन,भोजन-4
19. घोड़ा गाड़ी-2
21. रुकावट,अवरोध-3

शब्द पहेली -8654 का हल

अ	प	ना	प	न		प	क	ना
रा	ल		त		ख	स	म	
ज		का	न	न			जो	श
क	ह	र		क	र	ता	र	
ता		ग		छे		र		फ
	ब	र	ग	द		ता	मी	र
द	गा			न	ज	र		मा
	ब	त	न		ह		पा	ई
फ	त	ह		स	र	फ	रो	श

Jagrutidaur.com, Bangalore

बार एसोसिएशन का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण दिलाई शपथ

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लांजी।

अधिवक्ता संघ लांजी का हाल में 21 फरवरी को निर्वाचन कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसमें पहली बार अधिवक्ता संघ लांजी बार एसोसिएशन का गठन हुआ जिसमें अध्यक्ष से लेकर उपाध्यक्ष, सचिव सहित विभिन्न पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों का गठन किया तथा इसी बार एसोसिऐशन का शपथ ग्रहण समारोह 2 मार्च को नगर के भिलाई रोड़ स्थित सिद्धेश्वर मंगल भवन में दोपहर 3 से आयोजित किया गया। शपथ ग्रहण समारोह में प्रमुख रूप से न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राणजी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश बालाघाट के मुख्य आतिथ्य में, विशिष्ट अतिथि न्यायाधीश मनीष कुमार सिंह चीफ ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट बालाघाट, न्यायाधीश सतीश शर्मा न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट, जितेन्द्र मोहन धुर्वे जिला विधिक सहायता अधिकारी बालाघाट, शैलेन्द्र वर्मा गुड्डू सदस्य राज्य अधिवक्ता परिषद जबलपुर मप्र, मुकेश सुलाखे अधिवक्ता उच्चन्यायालय जबलपुर, एजाज डी खान वरिष्ठ अधिवक्ता निर्वाचन अधिकारी बार एसोसिऐशन लांजी, अधिवक्ता नवीन शुक्ला जबलपुर, वारासिवनी बार एसोसिएशन अध्यक्ष दिनेश कातरे, बालाघाट बार एसोसिऐशन से वाय आर बिसेन, अधिवक्ता संघ सचिव बालाघाट मधु बिसेन, रजनीश रहांगडाले अधिवक्ता सहित, एसडीएम लांजी कमलचंद सिंहसार, नायब तहसीलदार संजय बारस्कर सहित बडी संख्या में अधिवक्ता साथी, आमंत्रित अतिथि गणों की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन माल्यार्पण कर किया गया।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी ने ली शपथ

बार एसोसिएशन लांजी नव गठन के पश्चात 2 मार्च को शपथ ग्रहण समारोह में सभी नवानिर्वाचित अधिवक्ताओं ने पद और गोपनीयता की शपथ ली जिन्हे शपथ माननीय न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश बालाघाट के द्वारा दिलाई गई। नव गठित कार्यकारिणी में अध्यक्ष अधिवक्ता चितरंजन दास मचिया, उपाध्यक्ष जय प्रकाश खानोरक, सचिव अरूण कुमार ताण्डेकर, कोषाध्यक्ष कृष्ण कुमार खोबरागड़े, सह सचिव श्रीमती शशि प्रभा श्रीवास्तव, सहसचिव लोकेश बिहेने, ग्रंथपाल अनमोल तिडके, कार्यकारिणी सदस्य निलकण्ठ भटेरे, आशीष नेवारे, वी आर सोनवाने, रवि तिडके, रोशनी बिहेने को शपथ दिलाई गई। जहां सभी अधिवक्ता साथी गण उपस्थित रहे। जिनमें अधिवक्ता रमन झा, जितेन्द्र कुमार रहांगडाले, नरेन्द्र नगपुरे, कौडिन्य उके, शाहबाज कादरी, हिमांशु मुरकुटे, अनिल भटेरे, सुखराम आसटकर, संजय घोरमारे, ताराचंद रणदिवे, निलोफर खान, भुमेश्वरी घोरमारे, चन्द्रकला रणदिवे, मुन्नालाल अटराहे सहित योगेश रामटेककर, गिरीश रामटेककर, गुलाबचंद बडवैया, ओंकारलाल आसटकर, सौरभ मोनू पशीने आदि उपस्थित रहे। शपथ ग्रहण करने वाले अधिवक्ता गणो ने कहा कि हम पूर्ण रूप से बार एसोसिएशन के प्रति कृतज्ञता एवं पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करेंगे। अधिवक्ता साथियों के हितो की हमेशा लड़ाई लडी जायेगी। पक्षकारों को न्याय दिलाने के लिये हमेशा प्रयास रत रहेंगे तथा बार और बेंच के मध्य आपसी संबध स्थापित रखेंगे। निर्वाचन अधिकारी वरिष्ठ अधिवक्ता एजाज डी खान के द्वारा माननीय न्यायाधिशो के समक्ष यह बात रखी गई कि वर्तमान में लांजी में केवल एक जी जेएमएफसी कोर्ट संचालित है जबकि यहां बढते अपराधों एवं जिले से लांजी की दुरी को देखते हुये यहां सेशन कोर्ट, सत्र न्यायालय की नितांत आवश्यकता है साथ ही अधिवक्ताओं को बैठने के लिये पर्याप्त स्थान भी उपलब्ध कराया जावे।

कोटेश्वर ज्ञानपीठ समिति ने विद्यालय स्टाफ को गुलाल लगाकर व मिठाई भेंट कर दी बधाई

पद्मेश न्यूज। लांजी। होली के पावन पर्व के अवसर पर विद्या भारती सरस्वती शिशु मंदिर एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, लांजी के समस्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गई। कोटेश्वर ज्ञानपीठ समिति लांजी के सचिव विजय रामटेककर के निर्देशन में सहसचिव श्रीमती दुर्गा रामटेककर के द्वारा 2 मार्च को विद्यालय परिसर में सभी स्टाफ सदस्यों को गुलाल लगाकर एवं मिष्ठान भेंट देकर होली की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर प्राचार्य दिनेश गिरी गोस्वामी, त्र्यंबक भगत, प्रधानाचार्य सदरुलाल बोहने एवं आचार्य परिवार के अन्य सदस्यों की उपस्थिति में उत्साहपूर्ण माहौल में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ।श्रीमती दुर्गा रामटेककर ने सभी शिक्षकों-कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि होली का पर्व प्रेम, भाईचारे और रंगों की एकता का प्रतीक है। उन्होंने विद्यालय परिवार को खुशहाल, स्वस्थ और सफल जीवन की कामना की।इस मौके पर मौजूद प्राचार्य दिनेश गिरी गोस्वामी ने समिति के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि ऐसी शुभकामनाएँ पूरे विद्यालय परिवार को नई ऊर्जा प्रदान करती हैं। उन्होंने सभी को होली के पर्व पर सुरक्षित, स्वच्छ और पर्यावरण-अनुकूल तरीके से उत्सव मनाने की अपील भी की।

दृष्टि कंप्यूटर एजुकेशन इंस्टीट्यूट लांजी का परीक्षा परिणाम घोषित

पद्मेश न्यूज। लांजी। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल से

वर्ष 2018 से मान्यता प्राप्त दृष्टि कंप्यूटर एजुकेशन इंस्टीट्यूट ने एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। संस्था में पढ़ने वाले पीजीडीसीए (पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन) और डीसीए (डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन) के एक वर्षीय डिप्लोमा कोर्स के छात्रों के परीक्षा परिणाम 2 मार्च को विश्वविद्यालय द्वारा घोषित कर दिए गए हैं। ये परिणाम जुलाई 2025 एवं जनवरी 2025 सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के हैं। डीसीए प्रथम सेमेस्टर के परिणाम में कुल 104 नामांकित विद्यार्थियों में से 94 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। संस्था का उत्तीर्ण प्रतिशत 90.38त्न रहा। पीजीडीसीए प्रथम सेमेस्टर में कुल 13 नामांकित विद्यार्थियों में से 12 उत्तीर्ण हुए, जिससे उत्तीर्ण प्रतिशत 92.31त्न रहा। डीसीए द्वितीय सेमेस्टर के परिणाम में कुल 30 नामांकित विद्यार्थियों में से 28 उत्तीर्ण हुए, उत्तीर्ण प्रतिशत 93.33त्न। पीजीडीसीए द्वितीय सेमेस्टर में कुल 21 नामांकित विद्यार्थियों में से सभी 21 उत्तीर्ण हुए, जिससे संस्था ने 100त्न उत्तीर्ण प्रतिशत हासिल किया। संस्था की संचालिका श्रीमती शिखा सचिन चावड़ा ने विद्यार्थियों से अपील की है कि वे अपने परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट www.mcu.ac.in पर जाकर E&amination Section ×ó´ Result Section पर क्लिक करके अपने रोल नंबर के माध्यम से देख सकते हैं। परिणाम घोषित होते ही विद्यार्थियों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। जब परिणाम अपेक्षाओं के अनुरूप आते हैं, तो संस्था, शिक्षक और विद्यार्थी सभी में उत्साह एवं खुशी का माहौल बन जाता है।ऐसे उत्कृष्ट परिणाम सभी को प्रेरित और प्रोत्साहित करते हैं - यह कहना है संचालिका श्रीमती शिखा सचिन चावड़ा का। दृष्टि कंप्यूटर एजुकेशन इंस्टीट्यूट, लांजी लगातार कंप्यूटर शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता और रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण प्रदान कर रही है, और यह परिणाम संस्था की मेहनत एवं समर्पण का प्रमाण है।

एनएसएस का सात दिवसीय शिविर सम्पन्न, युवाओं ने दिया डिजिटल साक्षरता और सामाजिक जागरूकता का संदेश

पद्मेश न्यूज। लांजी। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई, शासकीय महाविद्यालय लांजी द्वारा ग्राम पंचायत कटंगी में आयोजित सात दिवसीय विशेष एनएसएस शिविर का समापन 02 मार्च सोमवार को उत्साह, ऊर्जा और सामाजिक चेतना के संदेश के साथ संपन्न हुआ। 24 फरवरी से प्रारंभ हुए इस शिविर ने पूरे सप्ताह ग्राम विकास, डिजिटल साक्षरता और सामाजिक सरोकारों के विविध आयामों को जीवंत रूप से प्रस्तुत किया। मेरा युवा भारत और डिजिटल साक्षरता थीम पर आधारित इस शिविर का शुभारंभ 24 फरवरी को पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर रेवाराम सोनवाने के मुख्य आतिथ्य में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. गौतमा कठाने ने की, जबकि संचालन एवं समन्वय कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर रितेश सोनवाने द्वारा किया गया। उद्घाटन अवसर पर वक्ताओं ने युवाओं को राष्ट्र निर्माण का आधार बताते हुए ग्रामीण समाज के सर्वांगीण विकास में उनकी भूमिका को रेखांकित किया। शिविर के दौरान प्रतिदिन प्रातः प्रभात फेरी निकालकर स्वच्छता, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक एकता के नारों से वातावरण को जागरूक किया गया। योग एवं व्यायाम सत्रों के साथ स्वयंसेवकों ने ग्राम की साफ-सफाई, सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता अभियान और जनजागरूकता के लिए नुक्कड़ नाटकों का मंचन किया। दोपहर पश्चात आयोजित बौद्धिक सत्रों में विशेषज्ञों ने समसामयिक विषयों पर मार्गदर्शन दिया। द्वितीय दिवस पर ऑनलाइन शिक्षा और भारतीय युवाओं में डिजिटल कौशल का विकास विषय पर प्रोफेसर महेश ढोक एवं महेश दमाहे ने डिजिटल लेन-देन, ऑनलाइन सेवाओं और सुरक्षित मोबाइल उपयोग की जानकारी दी। तृतीय दिवस ग्रामीण युवाओं के सशक्तिकरण में शिक्षा की चुनौतियाँ विषय पर आयोजित सत्र में महेन्द्र बोरकर, प्रोफेसर महेन्द्र तलवरे एवं डॉ. ललित कामडे ने ग्रामीण युवाओं के लिए डिजिटल माध्यमों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। चतुर्थ दिवस महिला सशक्तिकरण को समर्पित रहा, जिसमें प्रोफेसर डॉ. कांता वर्मा, प्रधान पाठक ममता नारनौरे, आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य और सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर जागरूक किया। पंचम दिवस पर्यावरण संरक्षण पर आयोजित कार्यक्रम में पर्यावरणीय संतुलन, वृक्षारोपण और दैनिक जीवन में संरक्षण उपायों पर विस्तृत चर्चा हुई। षष्ठम दिवस साइबर सुरक्षा विषय पर केंद्रित रहा, जिसमें सुरक्षित ऑनलाइन ट्रांजेक्शन, साइबर अपराधों से बचाव और डाटा सुरक्षा पर महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। सप्तम एवं अंतिम दिवस समापन समारोह में पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर रेवाराम सोनवाने मुख्य अतिथि तथा ग्राम पंचायत कटंगी के सरपंच महेन्द्र बोरकर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अध्यक्षता डॉ. गौतमा कठाने ने की। स्वयंसेवकों द्वारा प्रस्तुत नाटक, वाद-विवाद, देशभक्ति गीत और सांस्कृतिक नृत्य ने समारोह को जीवंत बना दिया। अंत में अतिथियों द्वारा स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। प्रोफेसर नितेश मेश्राम, प्रोफेसर स्वाती पशीने सहित महाविद्यालय परिवार के सहयोग से संपन्न यह सात दिवसीय शिविर ग्रामीण समाज में सेवा, जागरूकता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को सशक्त करने में सफल रहा।

वरिष्ठ मूर्तिकार खोमनलाल कश्यप पंचतत्व में विलीन

पद्मेश न्यूज। लांजी। वार्ड क्रमांक 10 निवासी 80 वर्षीय वरिष्ठ मूर्तिकार खोमन लाल कश्यप का 2 मार्च को सुबह लगभग 6 बजे निधन हो गया। वे अपने सहज, सरल और मृदुभाषी

स्वभाव के कारण क्षेत्र में विशेष पहचान रखते थे। उनके मिलनसार व्यक्तित्व और कला के प्रति समर्पण ने उन्हें समाज में सम्मान दिलाया। स्व. कश्यप अपने पीछे पत्नी, तीन पुत्र नरेंद्र कश्यप, मिथुन कश्यप एवं भूनेश कश्यप सहित नाती-नतिन का भरा-पूरा परिवार छोड़ स्वर्ग सिधार गए। जिनका अंतिम संस्कार दोपहर 3 बजे कोटेश्वर मोक्षधाम में किया गया। अंतिम यात्रा में कुम्हार समाज संगठन सहित परिजनों, नाते रिश्तेदारों व इष्टमित्र ग्रामीणजनों ने उपस्थित होकर शोक श्रद्धांजलि अर्पित की एवं मृत आत्मा की शांति के लिए परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना की।

नगर परिषद ने गोबर के उपलों से किया होलिका दहन

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल के निर्देशानुसार राज्य शासन द्वारा इस वर्ष पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक संदेश के साथ होली के पावन पर्व को मनाए जाने पर नागरिकों को प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया गया है, जिसके तहत आपसी मतभेदो को मिटाकर भाईचारे, सामाजिक एकता और हर्षोल्लास के साथ होली का त्यौहार मनाने के लिये जन सामान्य को प्रोत्साहित के उद्देश्य के तहत नगर परिषद् लांजी द्वारा होलिका दहन में लकड़ी की जगह गोबर के उपलों का प्रयोग कर होलिका का दहन का कार्यक्रम किया गया। यह कार्यक्रम स्वच्छ और स्वस्थ होली अभियान के तर्ज पर मनाया गया है। होलिका दहन कार्यक्रम क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कारिहे एवं अपर कलेक्टर जी एस धुर्वे तथा एसडीएम कमलचंद सिंहसार के द्वारा पुजा अर्चना कर होलिका दहन का कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया। जिसमें एसडीओपी ओमप्रकाश, तहसीलदार हिम्मत सिंह भवेदी, नायब तहसीलदार संजय बारस्कर, आरआई भूपेन्द्र अहिरवार, नगर परिषद् उपाध्यक्ष संदीप रामटेक्कर सभापति दिनेश कचवाहे, किशोर रामटेकर, पार्षद मोनू सौरव पशिने, सामाजिक कार्यकर्ता संजय खोबरागड़े, विशाल दुगड़, शरद आसटकर, गौरव बैस, सचिन अग्रवाल, पटवारी

रहांगडाले, उपयंत्री अमित नगपुरे, वंदना भार्गव, संतोष भार्गव, छगनमिश्रा, उत्तम रामटेक्कर, संजय भंडारकर, विनोद रहमतकर, उपकेन वराड़े, विजय महोबिया मुख्य रूप से उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में सभी उपस्थित जनो का सीएमओ मयूर वाहने द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबैंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

विवादों के कारण कई जिलों की कार्यकारिणी अटकी

- कुलीनों के कुनबे में विवाद...प्रदेश अध्यक्ष तक पहुंची शिकायतें

भोपाल। कुलीनों का कुनबा कहे जाने वाली भाजपा में जिलों की कार्यकारिणी को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। आलम यह है कि कई जिलों की कार्यकारिणी घोषित होने के बाद विवाद की स्थिति निर्मित हो गई है। प्रतिनिधित्व और वर्चस्व को लेकर उठी नाराजगी के चलते कार्यकारिणी होल्ड कर दी गई हैं। यही नहीं कार्यकारिणी में उठे विवाद की शिकायतें प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल तक पहुंच रही हैं। मंत्री-विधायकों के समर्थकों की उपेक्षा के आरोपों ने सियासत का तापमान बढ़ा दिया है।

दिलचस्प तथ्य यह है कि भाजपा ने अगस्त में हर जिले में ऑब्जर्वर भेजकर वरिष्ठ नेताओं और स्थानीय कार्यकर्ताओं से चर्चा की थी। इसके बाद भी ज्यादातर जिला कार्यकारिणी में विवाद सामने आए थे। इससे यह प्रश्न उठता है कि क्या ऑब्जर्वर की रिपोर्ट वास्तविक असंतोष को दर्ज करने में असफल रही, या फिर शीर्ष नेतृत्व स्थानीय दबावों को पूरी तरह नजरअंदाज नहीं कर पाया। प्रदेश भाजपा ने पिछले साल सात जनवरी में 62 जिला

अध्यक्षों का चयन कर दिया था। ग्वालियर, सागर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन और भोपाल में शहर और ग्रामीण के अलग-अलग जिला अध्यक्ष हैं। वर्तमान स्थिति को देखते हुए भाजपा के लिए राजनीतिक नियुक्तियां भी एक चुनौती हैं। निगम, मंडल, बोर्डों में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष और जिलों में दीनदयाल अंत्योदय समितियों में पदाधिकारियों की नियुक्तियां होनी हैं। इनकी चर्चा लंबे समय से है, पर अब निर्णय नए अध्यक्ष और सरकार के समन्वय से होना है। इसकी प्रक्रिया कब प्रारंभ होगी और किसे मौका मिलता है, इसमें खंडेलवाल की कार्यशैली दिखाई देगी। बता दें कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के समय की गई नियुक्तियों को सीएम डॉ. यादव ने भंग कर दिया था। अब नई नियुक्तियों की तैयारी जारी है और कई बार सूची भी बन चुकी है।

कई जिलों में विवाद की स्थिति

प्रदेश में भाजपा की जिला कार्यकारिणी घोषित होने के बाद विवाद सामने आ रहे हैं। विवादों के चलते कुछ जिला कार्यकारिणी में बदलाव हुआ और इस्तीफे दिए गए। भाजपा की भोपाल जिला कार्यकारिणी को घोषित होते ही विवादों में उलझ गई थी। बढ़ते विवाद के चलते जिला कार्यकारिणी को होल्ड पर डाल दिया था। हालांकि रविवार को संसोधित सूची जारी की गई। पिछले दिनों होशंगाबाद और छतरपुर की जिला कार्यकारिणी घोषित हुई है। इसमें भी विवाद सामने आ रहे हैं। विधायक और जन प्रतिनिधियों ने कार्यकारिणी के कुछ पदाधिकारियों को लेकर प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल तक से शिकायत दर्ज कराई है। गौरतलब है कि भाजपा ने पिछले साल अगस्त में भाजपा जिला कार्यकारिणी घोषित करने की प्रक्रिया शुरू की थी। पहली बार जिला कार्यकारिणी घोषित करने के लिए ऑब्जर्वर की टीम गठित की थी। दो-दो ऑब्जर्वर को जिलों में जन प्रतिनिधियों से बात कर संभावित नामों की सूची बनाने की जिम्मेदारी सौंपी थी। ऑब्जर्वर ने अगस्त में ही सभी जिलों का दौरा कर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को संभावित नामों की सूची सौंपी थी। इसके बाद जिला कार्यकारिणी घोषित किए जाने की प्रक्रिया शुरू हुई थी। इस प्रक्रिया के बाद भी भाजपा की ज्यादातर जिला कार्यकारिणी में विवाद सामने आए थे। मंडला में पूर्व केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते की बहन प्रिया धुर्वे और मंत्री संपतिया उइके की बेटी श्रद्धा उइके की नियुक्ति का विरोध हुआ था। वहीं मऊगंज में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम के बेटे राहुल गौतम पर सवाल उठा था। इंदौर की जिला कार्यकारिणी को लेकर भी विवाद सामने आया था। इससे साफ होता है कि भाजपा तमाम प्रयासों के बाद भी कार्यकर्ताओं को संतुष्ट नहीं कर पा रही है। इससे कार्यकर्ताओं के भीतर परिवारवाद को लेकर असंतोष गहराता जा रहा है। स्थानीय कार्यकर्ताओं की प्रतिक्रिया इतनी तीखी रही थी पदाधिकारियों को इस्तीफे तक देने पड़े थे।

10 फीसदी से अधिक महंगी होगी बिजली... आपत्तियों पर सुनवाई पूरी

भोपाल। नियामक आयोग के समक्ष भोपाल सहित प्रदेश की तीनों बिजली कम्पनियों ने 10 फीसदी से अधिक बिजली की दरों को बढ़ाने की जो याचिकाएं दायर कीं उनकी सुनवाई की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और अब 1 अप्रैल से संभवतः कम्पनियों द्वारा चाही गई बिजली की दरों में वृद्धि की अनुमति आयोग दे देगा। जितनी बिजली उतने दाम का नारा देकर चुनाव जीती भाजपा ने बीते 20 सालों में दोगुने से ज्यादा घरेलू, व्यावसायिक, सिंचाई से लेकर सभी श्रेणियों की बिजली दरें महंगी कर दी है, जिसके चलते घर-घर के बिजली बिल लगातार बढ़ते रहे हैं।

प्रदेश में तीन बिजली कम्पनियां कार्यरत है, जिसमें पूर्व क्षेत्र जबलपुर, मध्य क्षेत्र भोपाल के साथ पश्चिमी क्षेत्र इंदौर है और अभी कुछ समय पूर्व मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग के समक्ष इन तीनों बिजली कम्पनियों के अलावा शासन के एमपी पॉवर मैनेजमेंट कम्पनी द्वारा भी याचिकाएं दायर करते हुए 6 हजार करोड़ रुपए से अधिक का घाटा बताकर दर वृद्धि की मांग की गई है और 10.19 प्रतिशत बिजली की दरें महंगी करने की अनुमति आयोग से मांगी गई, जिस पर अभी पिछले दिनों आयोग ने भी सुनवाई की प्रक्रिया हर बार की तरह पूरी कर ली। हालांकि गिनती के ही उपभोक्ताओं और उनसे जुड़े संगठनों ने आपत्तियां प्रस्तुत की। अब अगर आयोग इन बिजली कम्पनियों द्वारा चाही गई वृद्धि के मुताबिक अनुमति देता है तो सभी के बिजली के बिल सीधे 10 फीसदी से अधिक बढ़ जाएंगे। संभवतः 1 अप्रैल नए वित्त वर्ष से यह वृद्धि लागू हो सकती है। सामान्य घरेलू उपभोक्ता के बिजली के बिल में भी 100 रुपए से अधिक की वृद्धि हो सकती है, जिसका अभी बिजली का बिल 1400 से लेकर 2800 रुपए के बीच आता है। वहीं अधिक बिजली खर्च करने वाले परिवारों का बिजली बिल 400 से अधिक भी बढ़ सकता है, तो घरेलू उपभोक्ताओं के अलावा व्यवसायिक, औद्योगिक, उच्च दाब यानी हाईटेंशन उपभोक्ताओं से लेकर सिंचाई सहित अन्य कार्यों में इस्तेमाल होने वाली बिजली के दाम बढ़ सकते हैं।

अब जनभागीदारी मॉडल से होगा शहरों का विकास

- आधी राशि राज्य सरकार वहन करेगी, आधी स्थानीय नागरिकों के सहयोग से जुटाई जाएगी

भोपाल। प्रदेश में अब शहरों के मोहल्लों और कॉलोनियों की सड़कों तथा नालियों का निर्माण जनसहभागिता मॉडल पर किया जाएगा। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत ऐसे कार्यों में आधी राशि राज्य सरकार वहन करेगी, जबकि शेष 50 प्रतिशत राशि स्थानीय नागरिकों के सहयोग से जुटाई जाएगी। यह राशि एकत्र करने की जिम्मेदारी संबंधित नगर निगम, नगर पालिका और नगर परिषद की होगी। इसके अलावा भूखंडों पर हरियाली ज्यादा होने पर सरकार भवन या भूखंड मालिक को अतिरिक्त निर्माण के लिए ग्रीन एफएआर मंजूरी भी दी जाएगी। जानकारी के अनुसार, विकास कार्यों के लिए जनप्रतिनिधियों से राय लेंगे। नगर पालिका अध्यक्ष और महापौर से पूछा जाएगा कि वे किस प्रकार की प्लानिंग जनभागीदारी से करना चाहते हैं। गौरतलब है कि प्रदेश में शहरीकरण तेजी से हो रहा है। बड़े शहरों के आसपास नई-नई कालोनियां बन रही हैं। इनमें अधोसंरचना विकास से जुड़े कामों को लेकर आमतौर पर शिकायतें आती हैं। नगरीय निकायों की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं है कि सभी काम एक साथ करवाए जा सकें, इसलिए जन सहयोग से काम कराए जाएंगे। इसके लिए जनभागीदारी का नया माडल लागू किया जाएगा। इसमें निकायों को विशेष फंड दिया जाएगा, जो पांच करोड़ रुपये तक हो सकता है। स्थानीय लोगों को कितनी राशि लगानी होगी, इसका निर्धारण जन प्रतिनिधियों और मैदानी अधिकारियों से परामर्श के बाद किया जाएगा। योजना का प्रारूप तैयार कर कैबिनेट के सामने रखा जाएगा और स्वीकृति मिलने पर लागू कर दिया जाएगा।

लखनादौन नगर पालिका दुकानों के अलॉमेंट में अधिकारियों ने की हेराफेरी

दो तत्कालीन मुख्य नगर पालिका अधिकारी सहित 23 के खिलाफ एफआईआर दर्ज : ईओडब्ल्यू जबलपुर ने की कार्यवाही

भोपाल। ईओडब्ल्यू जबलपुर ने लखनादौन नगर पालिका अधिकारियों के खिलाफ दुकानों के अलॉटमेंट में अनियमितता के आरोप में दो तत्कालीन मुख्य नगर पालिका अधिकारी सहित 23 के खिलाफ मामला कायम किया है। इनमें एक महिला (तत्कालीन मुख्य नगर पालिका अधिकारी) भी शामिल है।

- यह था मामला

प्रीमियम रकम लिए बिना ही कर दी दुकानें आवंटित

विभाग द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार रविन्दर सिंह आनंद, निवासी आदर्श नगर जबलपुर ने शिकायत करते हुए बताया था की नगर पालिका परिषद लखनादौन जिला सिवनी में सीएमओ एवं अध्यक्ष के द्वारा मिलीभगत कर अपने पद का दुरूपयोग कर शापिंग काम्प्लेक्स में निर्मित दुकानों की नीलामी के बाद दुकानदारों से प्रीमियम भुगतान की पूरी रकम लिए बिना ही दुकाने संबंधितों को सुपुर्द कर एवं आरक्षित वर्ग की दुकानों को भी सामान्य वर्ग के लोगों को आवंटित कर दी गई जिससे शासन को आर्थिक हानि है।

- 8 शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में थी 75 दुकानें, 21 दिन में जमा करनी थी 25 प्रतिशत रकम

शिकायत की जांच में सामने आया की नगर परिषद लखनादौन ने 8 शॉपिंग काम्प्लेक्स में 75 दुकानें निर्मित कराने एवं नीलामी हेतु निविदा की कार्यवाही की गई थी। सभी दुकानों की उच्चतम बोलियों की नीलामी के दौरान ही दुकानों के आरक्षण का नियम भी लागू किया गया था। नियमों के अनुसार 21 दिन के भीतर नीलामी की 25 प्रतिशत की राशि जमा की जाना थी, और शेष राशि निविदा दर की अंतिम स्वीकृति के बाद से 120 दिन के अंदर जमा की जाना चाहिए थी। इसके बाद परिषद को संबंधित हितग्राही से एक अनुबंध तैयार किया जाना था, जिसमें नगर परिषद द्वारा दुकान की प्रति माह लिए जाने वाली किराये की राशि का भी वर्णन होता है।

- अधिकारियो ने दुकानदारो से कर ली मिली भगत

पूरी रकम लिये बिना ही दे दिया कब्जा

मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों के द्वारा दुकानदारों से मिलीभगत कर बिना अनुबंध किये एवं नीलामी की बोली की पूरी रकम जमा कराये बिना ही दुकानदारों को दुकानों का कब्जा दे दिया है। आगे की जाँच में यह भी पता चला की 32 दुकानों में से 13 दुकानदारों ने नीलामी की करीब 79,82,500 रुपये की रकम जमा नहीं की है, और परिषद से अनुबंध किये बिना ही दुकानें संचालित कर रहे है। इन दुकानदारों से नियमानुसार किराये की राशि भी वसूल नहीं की गयी है, जो लगभग 2,88,000 रुपये होती।

- प्रस्ताव पारित कर आरक्षित दुकान भी आवंटित कर दी

दुकानदार वैभव दुबे के द्वारा काम्पलेक्स की एक दुकान को नीलामी में उच्चतम बोली में प्राप्त किया था। उनके द्वारा अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आरक्षित दुकान प्राप्त करने के लिए आवेदन दिया गया था। नियम है की यदि किसी आरक्षित दुकान की नीलामी तीन बार में भी नहीं हो पाती है तो परिषद उस आरक्षित दुकान को अनारक्षित घोषित कर इसकी नीलामी की कार्यवाही कर सकती है। वैभव दुबे के आवेदन पर नगर परिषद लखनादौन की प्रेसिडेंट इन कार्डसिल की बैठक में मात्र प्रस्ताव पारित कर वैभव दुबे के आवेदन के आधार पर उन्हें दुकान की नीलामी में मिली रकम पर ही आरक्षित दुकान आवंटित करने का प्रस्ताव पारित कर पुनः नीलामी कराये बिना दुकान आवंटित कर दी गई थी। क्योंकि एक अन्य दुकान उनकी पत्नी के नाम से प्राप्त हुई थी। इस प्रकार वैभव दुबे को उसके अगल-बगल की दुकानें प्राप्त करने में अवैध लाभ दिया गया है।

- इनके खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर

विभाग की पूरी जाँच में खुलासा हुआ की नगर पालिका परिषद लखनादौन के तत्कालीन मुख्य नगर पालिका अधिकारी गजेन्द्र पाण्डे और गीता वाल्मीक तथा राजस्व विभाग के राजस्व उप निरीक्षक रवि झारिया के द्वारा दुकानदारों आगचन्द्र अहिरवार, तेजस्व जैन, शेलेन्द्र उर्फ सोनू यादव, सीमा गोल्हानी, संगीता गोल्हानी, बुलबुल जैन, खूबचंद चैकसे, सतीश उइके, देवेन्द्र राय श्रीवास्तव, सतेन्द्र विश्वकर्मा, गणेष पटेल, विकास नामदेव और शिवप्रसाद गोल्हानी से मिलीभगत कर एवं अपने पद का दुरूपयोग कर बेईमानी से दुकानदारों से नीलामी की राशि वसूल किए बिना एवं अनुबंध किए बिना ही दुकानदारों को दुकानों का कब्जा दे दिया जिसमें दुकानें संचालित हो रही है। इस हेराफेरी से शासन को लगभग 83 लाख का नुकसान हुआ है। वहीं नगर पालिका परिषद लखनादौन की प्रेसिडेंट इन कार्डसिल के सदस्यों मीणा बलराम गोल्हानी, देवकी शिवकुमार झारिया, संगीता संजय गोल्हानी, वर्षा श्रीकांत गोल्हानी, अनीता संदीप जैन, सविता गोलू कुमरे एवं तत्कालीन मुख्य नगर पालिका अधिकारी गीता वाल्मीक के द्वारा पद का दुरूपयोग करते हुए आरक्षित दुकान का आवंटन बदलकर इसे आरक्षित से अनारक्षित करके बिना इस दुकान की पुर्ननीलामी कराये ही उसे सामान्य वर्ग के व्यक्ति वैभव दुबे को लाभ पहुंचाने के लिए आवंटित करना पाया गया।

प्रदेश के 571 सरकारी कॉलेजों के मुकाबले सिर्फ 14 नियमित प्राचार्य पदस्थ

भोपाल । मध्यप्रदेश में उच्च शिक्षा व्यवस्था फिर प्रशासनिक संकट में है। प्रदेश के 571 सरकारी कॉलेजों के मुकाबले सिर्फ 14 नियमित प्राचार्य पदस्थ हैं। इसमें से कुछ आगामी दो वर्षों में सेवानिवृत्त हो जाएंगे। प्रदेश में अगले दो साल में 11 और प्राचार्य रिटायर हो रहे है। इससे स्थिति और समस्या और गंभीर हो जाएगी। अधिकांश कॉलेजों में प्रभारी प्राचार्यों के भरोसे काम चल रहा है, जिसका सीधा असर शैक्षणिक व प्रशासनिक गुणवत्ता पर पड़ रहा है। नियमित भर्ती और प्रमोशन प्रक्रियाएं समय से पूरी नहीं हो पा रही हैं। लंबे समय से पदोन्नति प्रक्रिया अटकी हुई है, जिससे वरिष्ठ प्राध्यापक भी प्राचार्य पद पर

273 नगर परिषद सुविधाओं के लिए तरस रहे

प्रशासनिक बदलाव के बावजूद बुनियादी सुविधाओं का अभाव

भोपाल (ईएमएस)। मप्र की बड़ी पंचायतों को नगर परिषद बनाया जा रहा है। इसके पीछे सरकार का मकसद है विकास की रफ्तार को गति दिया जाए। लेकिन विडंबना यह है कि जिन ग्राम पंचायतों को नगर पंचायत परिषद बना दिया गया है, लेकिन प्रशासनिक बदलाव के बावजूद वहां के लोग अभी भी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। स्थिति यह है कि अब तक ऐसे दो सौ से ज्यादा नगर पंचायतों के लिए न तो सीवेज और कचरा प्रबंधन काम काम हुआ है और न वहां के विकास के लिए कोई कदम उठाए गए हैं। गौरतलब है कि पिछले कुछ वर्षों में मध्यप्रदेश की 273 ग्राम पंचायतों को अपग्रेड कर नगर पंचायत परिषद का दर्जा दिया गया है। लेकिन यहां पर अभी भी सुविधाएं जस की तस हैं। इनमें सबसे अहम गांव वे हैं, जिन्हें प्रदेश के नगर निगम क्षेत्र के दायरे में लाकर वहां सेमी-अर्बन एरिया के क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे और रोजगार के अवसरों की गति अपेक्षाकृत काफी धीमी है। यहां पर सड़क, पानी, बिजली जैसी समस्याओं से स्थानीय वाशिंदों को हर दिन संघर्ष करना पड़ता है। हालांकि मौजूदा सरकार कृषि भवन सह गार्डन के माध्यम से विकास को गति देने का दावा भी कर रही है। सरकार ऐतिहासिक स्थलों के आसपास पर्यटकों के लिए होम स्टे जैसी योजनाए कियान्वित कर रही है, जिससे स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार के अवसर भी मिल रहे हैं। लेकिन ऐसे गांवों की संख्या अपेक्षाकृत काफी कम है।

क्योंकि उनसे शहरी कर वसूल किया जा रहा है। लेकिन सुविधाएं नहीं मिली हैं। मप्र के ग्रामीण इलाकों में विशेषकर दूर दराज के क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे और रोजगार के अवसरों की गति अपेक्षाकृत काफी धीमी है। यहां पर सड़क, पानी, बिजली जैसी समस्याओं से स्थानीय वाशिंदों को हर दिन संघर्ष करना पड़ता है। हालांकि मौजूदा सरकार कृषि भवन सह गार्डन के माध्यम से विकास को गति देने का दावा भी कर रही है। सरकार ऐतिहासिक स्थलों के आसपास पर्यटकों के लिए होम स्टे जैसी योजनाए कियान्वित कर रही है, जिससे स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार के अवसर भी मिल रहे हैं। लेकिन ऐसे गांवों की संख्या अपेक्षाकृत काफी कम है।

बड़वानी में बनेगी आधुनिक सब्जी मंडी

कृषि कैबिनेट में सिंचाई परियोजना समेत 6 विभागों की 16 योजनाएं मंजूर - सीएम डॉ मोहन

भोपाल । मध्यप्रदेश के आदिवासी अंचल बड़वानी में सोमवार को कृषि कैबिनेट की बैठक में बड़ी सिंचाई परियोजना समेत 6 विभागों की 16 योजनाएं मंजूर हुई है। कृषि कैबिनेट की बैठक के बाद सीएम डॉ. मोहन यादव ने खुद जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पहली कृषि कैबिनेट बड़वानी अंचल में करने का निर्णय लिया। इस साल किसान कल्याण वर्ष 2026 मना रहे हैं। खेतों के साथ टेंट तंबू में भी निर्णय होते हैं। 16 योजनाओं में निर्णय लिए गए। 27 हजार 746 करोड़ से अधिक का भार सरकार पर आएगा। बैठक में 6 विभागों की 16 योजनाएं मंजूर हुई है। बड़ी सिंचाई परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। 4 हजार 264 करोड़ की खाद्य प्रसंस्करण की योजनाएं मंजूर। 8166 करोड़ की सहकारिता की योजनाएं। अब तक 38 हजार करोड़ से अधिक की योजनाएं किसानों को मिली हैं। भीलटदेव क्षेत्र पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। सच्चा वादा, पक्का काम थीम पर काम कर रहे हैं। बड़वानी में आधुनिक सब्जी मंडी बनेगी। बड़वानी की मंडी आदर्श मंडी के रूप में विकसित होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भीलटदेव के देवस्थान पर कई कार्यक्रमों की शुरुआत हुई। हमारे इस अंचल में जो खेती, बागवानी की उन्नति हुई है। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्पों का परिणाम है। कृषि कैबिनेट में कई निर्णय लिए गए। हमने किसानों के कल्याण के लिए 27 हजार 746 करोड़ रुपये का भार सरकार ने लिया है। इसमें 16 विभागों की योजनाओं के विविध कार्य व प्रस्ताव लिए हैं। पानसेमल की सिंचाई परियोजना की लागत 1208 करोड़ रुपए है। कृषि कल्याण विभाग में 3500 करोड़ की राशि खर्च होगी। पशुपालन व डेयरी विकास की योजनाओं में 9 हजार रुपये की राशि खर्च होगी। सहकारी विभाग की योजना के साथ नर्मदा विकास प्राधिकरण की योजनाएं हैं। सोयाबीन में भी भावन्तर योजना का लाभ देंगे। पीएम किसान सिंचाई योजना के माध्यम से 2397 करोड़ की राशि मंजूर की है। किसान कल्याण वर्ष में 38 हजार करोड़ की राशि का प्रावधान किया है। पाटी में 5940 हेक्टेयर में सिंचाई का लक्ष्य है। बड़वानी में खेतिया की कृषि उपज मंडी को आदर्श मंडी बनाएंगे। जिले के 25 किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए मास्टर ट्रेनर बनाएंगे। इन्हें प्रदेश के बाहर भेजेंगे। बड़वानी में बीज निगम के तहत बजट खुर्द को आदर्श केंद्र बनाएंगे।

भिलट देव के दर्शन करने के बाद हुई बैठक

कृषि कल्याण वर्ष के अंतर्गत बड़वानी जिले में आयोजित कैबिनेट बैठक के पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने मंत्रीगणों के साथ बड़वानी जिले के ग्राम नागलवाड़ी में स्थित मंदिर में भिलट देव के दर्शन कर पूजन-अर्चन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रीगणों के साथ प्रदेशवासियों की सुख एवं समृद्धि की कामना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश की सरकार प्रदेश के विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है।

मनरेगा मजदूरों को नहीं मिल रही मजदूरी

– केंद्र सरकार ने नहीं किया 921 करोड़ से अधिक का भुगतान

भोपाल। मजदूरों का पलायन रोकने और स्थानीय तौर पर रोजगार उपलब्ध कराने की कोशिशों पर पानी फिरता नजर आ रहा है। मनरेगा से मजदूरों को रोजगार देने के दावे पर भी सवाल उठने लगे हैं। क्योंकि मजदूरों को काम तो मिला, लेकिन मजदूरी नहीं। इससे उनके समक्ष रोजी-रोटी का संकट उत्पन्न हो गया है। हालत यह है कि प्रदेश में काम करने वाले 36 लाख से अधिक मजदूरों की 575.81 करोड़ मजदूरी का भुगतान बकाया है। यही नहीं इसी योजना में विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए उपयोग की गई सामग्री का भी 819.04 करोड़ भुगतान बाकी है। सरकार इसकी समय-सीमा बताने के लिए भी तैयार नहीं है कि इन मजदूरों को उनके हक की राशि कब तक मिल जाएगी। इससे इनका होली का त्योहार भी फीका ही मनेगा।

विधानसभा के बजट सत्र में विधायक बाला बच्चन के प्रश्न के लिखित जवाब में श्रम एवं पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल ने यह जानकारी दी है। इसमें उन्होंने साफ कहा है कि मजदूरी एवं सामग्री की राशि भारत सरकार एवं राज्य सरकार से प्राप्त होकर व्यय किया जाना एक सतत प्रति या है। इसलिए इस बकाया राशि के लिए भुगतान की समय-सीमा बताया जाना संभव नहीं है। मंत्री ने बताया 2024-25 (31.03.2025) तक वित्तीय वर्ष 2023-24 में राशि 43.74 करोड़ एवं 2024-25 में 878.11 करोड कुल 921.85 करोड़ रुपए भारत सरकार से लेना शेष थी। केन्द्र द्वारा राशि जारी करने के लिए मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद की तरफ से पिछले दो साल में चार बार पत्राचार किया गया। पहले उपयोगिता प्रमाणपत्र नहीं दिए जाने के कारण राशि अटकी हुई थी। लेकिन इसके बाद उपयोगिता प्रमाणपत्र भी भेज दिए गए हैं, इसके बावजूद केन्द्र ने राशि जारी नहीं की है। राज्य के पास भी इतना पैसा नहीं है कि मजदूरों की यह मजदूरी और सामग्री की राशि चुका सके। इसलिए केन्द्र से पैसा आने के बाद ही इन मजदूरों को मजदूरी की राशि मिलना संभव है। अब तक 2025-26 में सरकार ने क्रियान्वयन एजेंसी को 2024-25 एवं 2025-26 में लंबित बिलों के भुगतान के लिए राशि जारी की। बता दें, मनरेगा में स्थानीय लोगों को रोजगार देने के लिए विभिन्न निर्माण कराए जाते हैं।

खड़ा हो सकता है संकट

सदन में चर्चा के दौरान भी विधायक सिद्धार्थ सुखलाल कुशवाहा ने कहा कि केन्द्र ने मनरेगा का नाम बदल दिया है ठीक है लेकिन केन्द्रीय और राज्यांश का यह 60 और 40 का रेशियो भी आ गया है। प्रदेश सरकार जो पहले से कर्जे में है, वह केन्द्र सरकार को 40 प्रतिशत कहां से देगी। मतलब 40 प्रतिशत नहीं देगी तो मजदूरों को रोजगार भी नहीं मिलेगा। नरेगा का मकसद था कि पलायन रुके, जो गांव में भूमिहीन लोग हैं, उनका वहीं पर रोजगार मिले। लेकिन इस बदलाव से पलायन तुम है। इसलिए सरकार को इसके बारे में गंभीरता से सोचना चाहिए। मनरेगा में बीते एक साल से कोई बजट नहीं जारी होने से मजदूरों के साथ ही विभिन्न निर्माणों में सामान सप्लाई करने वाले लोग भी भुगतान को लेकर विभागों के चक्कर काट रहे हैं। बजट नहीं होने के कारण करोड़ों के बिल फंसे हुए हैं। हालात ऐसे हैं कि मजदूर और सप्लायर दोनों ही परेशान हो रहे हैं। वहीं विभागीय अफसर भी इस संबंध में कोई जानकारी नहीं दे पा रहे।

अब डीएलएड की पढ़ाई होगी महंगी

भोपाल। मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) ने सभी प्रकार के परीक्षा से लेकर संबद्धता, नवनीकरण सहित डुप्लीकेट अंकसूची तक की फीस में भारी बढ़ोतरी की है। यह फीस 25 से लेकर 80 फीसदी तक बढ़ाई है। माशिमं ने इसके आदेश जारी कर दिए है। प्रदेश के 40 लाख से अधिक विद्यार्थियों पर भारी भरकम फीस का बोझ डाल दिया है। प्राथमिक शिक्षक बनने की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए डीएलएड (डिप्लोमा इन एलिमेंट्री एजुकेशन) की पढ़ाई अब महंगी होने जा रही है। मंडल ने परीक्षाओं के साथ-साथ डीएलड संबद्धता शुल्क में भी वृद्धि कर दी है।

मंडल के नए निर्णय के अनुसार डीएलएड संस्थानों को संबद्धता प्राप्त करने के लिए अब पहले से 50 हजार रुपये अधिक शुल्क देना होगा। अब तक इन संस्थानों को संबद्धता के लिए डेढ़ लाख रुपये शुल्क देना पड़ता था, जिसे बढ़ाकर दो लाख रुपये कर दिया गया है। इस बढ़ोतरी का सीधा असर डीएलएड कालेजों पर पड़ेगा। संस्थान प्रबंधन का कहना है कि बढ़ी हुई राशि का भार अंततः विद्यार्थियों पर ही डाला जाएगा, जिससे पाठ्यक्रम की फीस में बढ़ोतरी होना तय माना जा रहा है। बता दें, कि प्राथमिक शिक्षक बनने के लिए डीएलएड पाठ्यक्रम अनिवार्य किए जाने के बाद से इस पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या लगातार बढ़ी है। वर्तमान में करीब 30 हजार विद्यार्थियों की संख्या है।

डीएलएड परीक्षा शुल्क भी बढ़ाया

माशिमं ने डीएलएड की परीक्षा शुल्क भी बढ़ा दिया है। नियमित विद्यार्थी को सभी विषयों के लिए सात हजार रुपए देना होंगे, जबकि दूसरे अवसर के लिए दो विषय तक तीन हजार, चार तक के पांच और चार से अधिक विषय के लिए सात हजार रुपये शुल्क लगेगा।

निजी स्कूलों का संबद्धता शुल्क बढ़ाया गया

वहीं हाईस्कूल और हायर सेकंडरी की संबद्धता लेने के लिए सरकारी और निजी स्कूलों की फीस अलग-अलग तय की गई है। 10वीं की नई संबद्धता सरकारी स्कूलों के लिए 20 हजार, निजी के लिए 22 हजार रुपये रहेगी। निजी स्कूलों के लिए शुल्क दो हजार रुपये बढ़ाया गया है। 12वीं की नवीन संबद्धता के लिए सरकारी स्कूलों को 27 हजार और निजी स्कूलों को 30 हजार रुपये देना होंगे निजी स्कूलों के लिए यह शुल्क तीन हजार रुपये बढ़ाया है।

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में अब दिखेगा सेमीफाइनल का रोमांच

भारत, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड अंतिम-4 में पहुंची

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम ने टी20 वर्ल्ड कप के हाईवोल्टेज सुपर 8 मुकाबले में वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हरा दिया। इस मैच में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए बोर्ड पर 4 विकेट खोकर 195 रन का बड़ा स्कोर लगाया।

इस दवाब भरे मुकाबले में संजू सैमसन ने कमाल की बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 97 रनों की पारी खेली और भारतीय टीम को जीत दिलाकर सेमीफाइनल तक पहुंचा दिया। अब इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल को शेड्यूल साफ हो गया है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल्स के लिए जिन चार टीमों ने क्वॉलीफाई किया है। उनमें ग्रुप-1 से साउथ अफ्रीका और टीम इंडिया हैं। वहीं, ग्रुप-2 से इंग्लैंड और न्यूजीलैंड ने टॉप 4 में एंट्री मारी है।

हालांकि, सेमीफाइनल्स मुकाबलों में दोनों ग्रुप की टीमें आमने-सामने होती हैं। ग्रुप 1 की टॉपर और ग्रुप-2 की नंबर दो टीम के साथ पहला सेमीफाइनल खेला जाएगा, जबकि ग्रुप-2 की नंबर वन और ग्रुप वन की नंबर-2 टीम के बीच दूसरा सेमीफाइनल खेला जाएगा। टीम इंडिया की नजरें अब अपना तीसरा खिताब जीतने पर होंगी। डिफेंडिंग चैंपियन भारतीय टीम ने साल 2024 में और 2007 मे खिताब जीता था।

पहला सेमीफाइनल: 4 मार्च को न्यूजीलैंड और द. अफ्रीका में होगी भिड़ंत

पहले सेमीफाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड की टीम का सामना साउथ अफ्रीका से होना है। यह मुकाबला 4 मार्च को खेला जाना है। टूर्नामेंट में सबसे पहले फाइनल मुकाबला कौन खेलेगा इस बात का ऐलान इन दोनों टीमों के बीच मुकाबले से होगा। यह मुकाबला कोलकाता के ईडन गार्डन्स पर खेला जाएगा।

दूसरा सेमीफाइनल:5 मार्च को भारत का सामना इंग्लैंड से

अब टीम इंडिया का सामना दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड की टीम से होने वाला है। यह मुकाबला 5 मार्च को खेला जाना है। दोनों टीमों के बीच यह सेमीफाइनल मुकाबला मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। यह टी20 वर्ल्ड कप में लगातार तीसरा मौका है जब भारतीय टीम इंग्लैंड का सामना करेगी। इससे पहले साल 2022 और साल 2024 के सेमीफाइनल में भारतीय टीम का सामना इंग्लैंड से हो चुका है। साल 2022 में इंग्लैंड ने भारत को हराकर फाइनल तक का सफर तय किया था। वहीं 2024 में टीम इंडिया ने बदला पूरा किया।

संजू सैमसन ने 97 रन बनाने के बाद वाइफ को किया वीडियो कॉल

संजू सैमसन ने 97 रन की नाबाद पारी खेलते हुए भारत को सेमीफाइनल में पहुंचाया। वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच खत्म होने के बाद संजू सैमसन को वाइफ चारुलता सैमसन से वीडियो कॉल करते हुए देखा गया। सैमसन की वाइफ ने उन्हें उनके करियर के हर मोड़ पर सपोर्ट किया है। जब संजू ने अब ऐतिहासिक पारी खेली तो इसके बाद वह अपनी वाइफ को नहीं भूले और उन्होंने यह खास पल उनके साथ शेयर किया। भारत की जीत के बाद संजू सैमसन ने कहा, जिस दिन से मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया, देश के लिए खेलने का सपना देखा, उसी दिन से मैं इस तरह की पारी का इंतजार कर रहा था। मेरा सफर बहुत खास रहा है। आज मुझे आशीर्वाद देने के लिए मैं ऊपरवाले का शुक्रगुजार हूं।'मैं इस फॉर्मेट को कई वर्षों से खेल रहा हूं। विराट कोहली, रोहित शर्मा और महेंद्र सिंह धोनी जैसे दिग्गजों से बहुत कुछ सीखने को मिला।

बाबर के बचाव में उतरे पुजारा

मुम्बई। भारतीय टेस्ट टीम के बल्लेबाज रहे चेतेश्वर पुजारा ने कहा है टी20 विश्वकप में पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन के लिए केवल अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम को ही दोष देना सही नहीं हैं। पुजारा के अनुसार टीम प्रबंधन को बाबर के साथ स्पष्ट रुप से बातचीत कर बताना चाहिये कि टीम उनसे क्या चाहती है। पुजारा ने कहा कि अगर बाबर टीम की भविष्य की योजनाओं में फिट नहीं बैठते हैं, तो उन्हें यह बात स्पष्ट रुप से बता देनी चाहिये। उनके अनुसार, केवल एक खिलाड़ी से ही परिणाम प्रभावित नहीं होता, विफलता के लिए पूरी टीम जिम्मेदार होती है।पुजारा ने कहा कि पाक टीम के खराब प्रदर्शन का कारण मध्यक्रम की विफलता है। वहीं बाबर को इस टूर्नामेंट में मध्यक्रम में उतारा गया और वह रन नहीं बना पाये।

होप ने कहा सैमसन की पारी से मैच हमारे हाथ से निकला

कोलकाता। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के कप्तान शाई होप ने टी20 विश्वकप से बाहर होने पर निराश जतायी है। होप ने कहा कि भारतीय टीम के बल्लेबाज संजू सैमसन की पारी से ये मैच उनके हाथ से निकल गया। होप के अनुसार टीम के शीर्ष क्रम के असफल होने से भी उन्हें नुकसान हुआ। साथ ही कहा कि अगर ऐसा नहीं होता तो परिणाम कुछ और होता। वेस्टइंडीज की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 195 रन बनाए। वहीं अंत में उनकी टीम करीब 20 रन और बना सकती थी पर उनकी धीमी पारी से इसपर पानी फिर गया। होप ने 32 रन बनाने के लिए 33 गेंदें खेलीं और उनका स्ट्राइक रेट काफी कम 96 रहा। वह 17 गेंदों पर रन नहीं बना पायी और इसी से मैच में अंतर आ गया। होप ने कहा, मैं गलती मानता हूं। मुझे और तेज बल्लेबाजी करनी चाहिए थी। जब आप नेतृत्व कर रहे होते हैं तो आप आगे बढ़कर लय बनाना चाहते हैं। आज मेरे साथ ऐसा नहीं हुआ। आज मेरा प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। उन्होंने कहा, पर ऐसी स्थिति में जब आप संघर्ष कर रहे होते हैं, तो काफी दबाव रहता है। लेकिन मुझे नहीं लगता कि मैं खराब बल्लेबाजी कर रहा था। होप ने कहा, भारतीय टीम ने अच्छी गेंदबाजी की। साथ ही कहा कि आप हर गेंद पर छक्का मारना चाहते हैं पर ऐसा नहीं होता। आज मेरा प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। मैं सीधे फील्डरों के पास गेंद मार रहा था और फिर स्थिति को थोड़ा और समझने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने कहा, मैं पारी में थोड़ा और देर तक बल्लेबाजी करना चाहता था और बीच में स्पिन गेंदबाजों का सामना करना चाहता था। होप ने यह भी स्वीकार किया कि पावरप्ले चरण में अधिक रन बनाये जा सकते थे। उन्होंने कहा, हम पावरप्ले में 65-70 रन बनाना चाहते थे। हम बिना किसी विकेट के 45 रन पर थे, इसलिए हमारे पास एक मजबूत आधार था। हमारी बल्लेबाजी में जो गहराई है, उसे देखते हुए मुझे उस समय यह कोई बड़ी समस्या नहीं लगी पर हम उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाए। होप ने हालांकि माना कि उनकी टीम के कई सकारात्मक पक्ष भी रहे।

उन्होंने कहा, कई सकारात्मक पहलू हैं। हमारी गेंदबाजी पिछली सीरीज की तुलना में काफी बेहतर थी। खासकर पावरप्ले में हमारी गेंदबाजी शानदार रही। वहीं शिमरोन हेटमायर ने तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया, मैथ्यू फोर्डे ने नई गेंद से अच्छी जिम्मेदारी निभाई। अकील और मोती ने भी अपना योगदान दिया। होप ने कहा कि भारतीय टीम के बल्लेबाज सैमसन ने शुरू से लेकर अंत तक अच्छी बल्लेबाजी करते हुए रन गति बनाए रखी।

बीसीसीआई ने भारतीय टीम की जीत के बाद का विडियो जारी किया

घुटने पर बैठकर हाथ जोड़ते नजर आये सैमसन

कोलकाता । संजू सैमसन की नाबाद अर्धशतकीय पारी से भारतीय क्रिकेट टीम ने टी20 विश्वकप के तीसरे और अंतिम सुपर-8 मैच में वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भारतीय टीम की जीत के बाद सैमसन ने ड्रेसिंग रूम में पहुंचते ही सबसे पहले घुटने टेककर और हाथ जोड़कर ईश्वर को याद किया। इस मैच में भारतीय टीम को जीत के लिए 196 रनों का कठिन लक्ष्य मिला था जिसे भारतीय टीम ने सैमसन की 97 रनों की पारी से हासिल कर लिया। सैमसन ने अपने करियर की सबसे अच्छी पारियों में से एक खेलकर एक बार फिर अपनी क्षमताएं दिखायी हैं। भारतीय टीम की जीत के बाद क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक वीडियो भी सोशल मीडिया में जारी किया है जिसमें भारतीय टीम की जीत के बाद के पलों को दिखाया गया है। इस वीडियो में दिख रह है कि सैमसन के विजयी शॉट लगाते ही डगआउट में मौजूद सभी खिलाड़ी खुशी से झूम उठते हैं। इसके बाद सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा मैदान पर दौड़ लगाते हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव टीम टीम के साथ मैदान में उतरते हैं और सैमसन से मिलते हैं। इसके बाद बाकी खिलाड़ी भी उनसे मिलते हैं। वीडियो के अंत में नजर आता है कि ड्रेसिंग रूम में पहुंचते ही सैमसन अपनी किट के आगे घुटने टेकते हैं और फिर हाथ जोड़कर ऊपर वाले का आभार जताते हैं। सैमसन ने मैच के बाद कहा, 卐मुझे लगता है कि पिछले गेम में हम पहले बल्लेबाजी कर रहे थे, तो बड़ा स्कोर बनाने पर ध्यान था। इस बार मैं पहली गेंद से ही बड़ा स्कोर बनाना चाहता था। लेकिन यह गेम बिल्कुल अलग था। मुझे लगता है कि जैसे ही मैं तेजी से खेलने जाना चाह रहा था तभी हम विकेट खो रहे थे। इसलिए मुझे लगा कि हमें एक साझेदारी की जरुरी है। मैं अत टिककर खेलने पर ध्यान देने लगा। मुझे कभी नहीं लगा कि मैं ऐसा कुछ खास कर पाऊंगा, लेकिन मैं बस अपनी भूमिका पर ध्यान दे रहा था। इस दैरान मैं एक बार में एक ही गेंद पर ध्यान दे रहा था। ये मेरी सबसे अच्छी पारियों में से एक रही।

कोच अमेलिया के मार्गदर्शन में वियतनाम के खिलाफ उतरेगी भारतीय महिला फुटबॉल टीम

पर्थ। एएफसी महिला एशियन कप फुटबॉल में भारतीय महिला टीम 4 मार्च को वियतनाम के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। भारतीय टीम को इस मुकाबले में पूरी ताकत से उतरना होगा। इसका कारण है कि वियतनाम का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में लगातार बेहतर हुआ है। नई मुख्य कोच अमेलिया वाल्वेर्दे, के मार्गदर्शन में भारतीय टीम का ये पहला मुकाबला होगा। ये मुकाबला टीम के लिए आसान नहीं होगा। वियतनामी टीम साल 2022 में क्वार्टरफाइनल में पहुंची थी। इस मुकाबले के बाद भारतीय टीम को दो बार की विजेा जापान से खेलना होगा। ये मुकाबला भी काफी कठिन होगा क्योंकि जापान फीफा रैंकिंग में शीर्ष टीमों में से एक है। जापान की कई खिलाड़ी इंग्लैंड लीग में भी खेलती हैं, जिससे भी वह काफी बेहतर मानी जाती हैं।

भारतीय टीम 10 मार्च को भारत चीनी ताइपे से खेलेगी। फीफा रैंकिंग में 67वें स्थान पर मौजूद भारत के लिए नॉकआउट चरण में पहुंचना बड़ी उपलब्धि होगी। कोच वाल्वेर्दे के अनुसार भारतीय टीम के पास सही मिश्रण और सही सोच है। मौजूद जानकारी के अनुसार भारतीय टीम में युवा जोश और अनुभव का संतुलन है। 2022 संस्करण में शामिल सात खिलाड़ी फिर से टीम में हैं, जबकि छह नए चेहरे पहली बार इस मंच पर उतरेंगे।इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल और क्वार्टरफाइनल में हारने वाली टीमों के बीच प्ले-ऑफ जीतने वाली दो टीमों को सीधे 2027 विश्व कप के लिए प्रवेश मिलो जबकि बच हुई टीमों को इंटर-कॉन्टिनेंटल प्ले-ऑफ के जरिये आगे जाना होगा। इस टूर्नामेंट में अगले 20 दिनों टूर्नामेंट में 12 टीमें 27 मुकाबलों में उतरेंगी जिससे एशियाई चैंपियन का फैसला होगा। इससे उनकी 2027 महिला विश्व कप और 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक की राह भी आसान होगी। मेजबान ऑस्ट्रेलिया के लिए यह टूर्नामेंट बेहद खास माना जा रहा है। स्टार खिलाड़ी सैम केर की कप्तानी वाली टीम की स्वर्णिम पीढ़ी के लिए घरेलू मैदान पर बड़ा खिताब जीतने का यह शायद आखिरी मौका हो सकता है।

सैमसन की प्रशंसा करते हुए गंभीर बोले, हमेशा से उसकी क्षमताओं का अंदाजा था

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने तीसरे सुपर-8 मुकाबले में शानदार पारी खेलने वाले बल्लेबाज संजू सैमसन की जमकर प्रशंसा की है। साथ ही कहा वह हमेशा से उसकी क्षमता जानते थे। गंभीर के अनुसार कहते हैं कि सब्र का फल मीठा होता है और यही उसे मिला है। सैमसन को न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में खराब प्रदर्शन के कारण विश्वकप के शुरुआती मैच के लिए टीम में जगह नहीं मिली थी। न्यूजीलैंड के खिलाफ उस सीरीज में सैमसन एक बार भी 30 रन तक नहीं पहुंच पाये थे, वहीं एक बार वह शून्य पर ही आउट हुए थे। इसके अलावा गोल्डन डक के साथ वह कुल 3 बार दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये थे।

गंभीर ने कहा, संजू एक विश्व स्तरीय खिलाड़ी है, सही जानते हैं कि वह कितना अच्छा खिलाड़ी है। टीम को जब उसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी, तो उससे अपने को साबित किया। वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में उसकी क्षमताएं सामने आई हैं। उम्मीद है, यह उसके लिए बेहतर प्रदर्शन का समय है और आगे के दो और गेम में भी रहेगा। उसने वेस्टइंडीज के खिलाफ पारी में कभी भी तेज खेलने का प्रयास नहीं किया। केवल सामान्य शॉट ही लगाये। मैंने उसे कभी बॉल को ताकत से मारते हुए भी नहीं देखा, और उसमें इसी तरह की प्रतिभा है। जब आपको पता होता है कि गेम आपके नियंत्रण में है और आप जानते हैं कि आप अच्छा महसूस कर रहे हैं, तो मनोबल बढ़ा रहता है। वह नेट्स में भी गेंद को बहुत अच्छी तरह से खेल कर रहा है और अब उसने मैदान में उसी क्षमता को दिखाया है। उसे पता था कि विकेट बहुत अच्छा था, आउटफील्ड भी तेज थी, मैंने हमेशा कहा है कि वह एक शीर्ष स्तर का खिलाड़ी है, वह एक शानदार प्रतिभा है, उम्मीद है कि हम संजू से ऐसी और भी पारियों की उम्मीद करेंगे। हैं।गंभीर ने कहा, लोग उसके स्कोर और बाकी चीजें देखते रहेंगे परन्तु टीम में वापसी करते हुए 23 और 24 की उस तरह की उन पारियों से उसे आत्मविश्वास मिला होगा। सभी जानते हैं कि न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलना किसी के लिए भी आसान नहीं रहा था।

खाड़ी में संघर्ष से आईपीएल के लिए आने वाले खिलाड़ियों पर भी विपरीत प्रभाव पड़ना तय

मुम्बई । मध्यपूर्व में शुरु हुई जंग का प्रभाव खेल पर भी पड़ रहा है। जहां कई देशों के खिलाड़ी खाड़ी देशों में फंसे हुए हैं। वहीं आईपीएल के लिए आने वाले विदेशी खिलाड़ियों पर भी इससे विपरीत प्रभाव पड़ने की आशंका है। आईपीएल के करीब आते ही फ्रेंचाइज़ियां अभ्यास के तौर पर लगने वाले प्री-सीजन कैंप और रणनीतियों को बनाने का प्रयास कर रही थीं कि मध्य-पूर्व में शुरु हुए इस संघर्ष से उड़ानें बाधित होने के कारण उनकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। इसका कारण है कि अब खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ का आना भी फिलहाल संभव नजर नहीं आ रहा है।

आईपीएल सत्र शुरू होने में अब एक महीने से भी कम समय बचा है। ऐसे में सभी टीमें अपने-अपने प्री-सीजन कैंप आयोजित कर रही हैं पर विदेशी खिलाड़ियों के नहीं आ पाने ने तैयारियों में बाधा आई है। इसका कारण है कि इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से अधिकतर अधिकतर पर दुबई से ही भारत पहुंचते हैं। अब खाड़ी क्षेत्र में उड़ाने बाधित होने से इसमें रुकावट आई है। इसी कारण से कई अंतरराष्ट्रीय यात्राएं प्रभावित हुई हैं। मध्य-पूर्व में हालात कब तक सुधरेंगे ये अभी कहा नहीं जा सकता। अमेरिका और इज़राइल के हमलों के जवाब में ईरान ने भी कतर, यूएई, बहरीन, जॉर्डन और कुवैत जैसे देशों में अमेरिकी ठिकानों पर हमले किये हैं। इससे एयरस्पेस प्रभावित हुआ है। अभी तक विदेशी खिलाड़ियों ने आईपीएल के लिए देर से आने की घोषणा नहीं की है पर सभी आईपीएल फ्रेंचाइज़ियां स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। कई विदेशी खिलाड़ी, कोच और सहयोगी स्टाफ खाड़ी देशों जरिये ही भारत में आते हैं और ऐसे में अभी इनका आना संभव नहीं है।

वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि मध्य-पूर्व संकट से विश्वकप के आयोजन पर सीधा असर नहीं पड़ेगा पर बड़ी संख्या में खिलाड़ी, टीम प्रबंधन, मैच अधिकारी, प्रसारक टीम आदि खाड़ी देशों के जरिये आते हैं और उसमे बाधा आयेगी। ऐसे में आईसीसी की ट्रैवल और लॉजिस्टिक्स टीम वैकल्पिक मार्गों की तलाश में प्रमुख अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस के साथ मिलकर काम कर रही है। यूरोप, दक्षिण एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के हब पर भी विचार किया जा रहा है। वहीं सुरक्षा सलाहकार संबंधित अधिकारियों के संपर्क में भी बने हुए हैं स्थिति के अनुसार ही एडवाइजरी जारी की जा रही है। आईपीएल का आधिकारिक कार्यक्रम अगले सप्ताह जारी किया जा सकता है तब तक फ्रेंचाइज़ियां उपलब्ध खिलाड़ियों के साथ तैयारी जारी रखेंगी वे उम्मीद करेंगी कि अंतरराष्ट्रीय हालात जल्द सामान्य हों जिससे कि लीग बिना किसी बाधा के शुरू हो सके।

इसी बीच चेन्नई सुपर किंग्स (ईएसएस) ने कोई बदलाव नहीं करते हुए भारतीय खिलाड़ियों के साथ ही अपनी तैयारियां तय कार्यक्रम के अनुसार जारी रखने का फैसला किया है। फ्रेंचाइज़ी का प्री-सीजन कैंप 1 मार्च से चेन्नई स्थित हाई-परफॉर्मेंस सेंटर में शुरू हो रहा है सीईओ कासी विश्वनाथन ने पुष्टि की है कि वरिष्ठ खिलाड़ी महेन्द्र सिंह धोनी भी इस कैंप का हिस्सा होंगे उपलब्ध सभी भारतीय खिलाड़ी इसमें शामिल होंगे।

अभी भी मेरे अंदर भारतीय टीम से खेलने का जुनून- शमी

मुम्बई। पिछले काफी समय से भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का कहना है कि उनके अंदर अभी भी भारतीय टीम से खेलने का जुनून है। शमी ने पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है पर इसके बाद भी उनकी उपेक्षा हुई है। शमी ने अंतिम बार साल 2025 में खेला था। इसके बाद से ही वह किसी भी प्रारुप में नहीं खेले हैं हालांकि वह घरेलू क्रिकेट में लगातार खेल रहे हैं। शमी का कहना है कि वह अभी भी देश के लिए खेलना चाहते हैं। साथ ही कहा कि उनमें अभी भी खेलने की क्षमता है।

शमी ने कहा, 'मैं हमेशा कहता हूं, चाहे आप कोई भी खेल खेलें, अगर आपके अंदर योग्यता है तो उसे बेकार न करें। 'नवंबर 2024 में लंबी चोट के बाद वापसी करने के बाद शमी ने घरेलू क्रिकेट में काफी मेहनत की है। रणजी ट्रॉफी 2025ङ्क26 सीजन में बंगाल के लिए खेलते हुए वह काफी अच्छे फॉर्म में नजर आये। सेमीफाइनल में जम्मू-कश्मीर के खिलाफ उन्होंने काफी अच्छा खेल दिखाया है। इस सीजन की 12 पारियों में शमी ने 36 विकेट लिए हैं और वे टूर्नामेंट में छठे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

2025 की शुरुआत में टी20 मैचों और विजेता चैंपियंस ट्रॉफी में शामिल रहने के बाद भी उन्हें भारतीय टीम में जगह नहीं मिली। वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में भी उन्हें शामिल नहीं किया गया और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी वे एकदिवसीय और टी20 टीम से बाहर रहे। वही ये भी सवाल उठ रहे हैं कि क्या वे फिर से पांच दिन का लंबा प्रारुप खेल पाएंगे। इसको लेकर उन्होंने कहा, 'देश का प्रतिनिधित्व करने की बात हो तो मैं अपना सब कुछ दे दूंगा। मैं कभी पीछे मुड़कर ये नहीं सोचना चाहता कि मैंने अपनी क्षमता का थोड़ा भी हिस्सा अधूरा छोड़ दिया।'शमी की इन बातों से एक बात तो साफ है कि वह आलोचनाओं से डरे नहीं हैं। उन्होंने कहा हर खिलाड़ी देश के लिए खेलना चाहता है और मैं भी हमेश तैयार हूं। उन्होंने आगे कहा, 'मेरा लक्ष्य फिट रहना है और हर समय भारतीय टीम के लिए उपलब्ध रहना है।'

पाकिस्तान ने विश्वकप में खराब प्रदर्शन के लिए हार खिलाड़ी पर लगाया 50-50 लाख रुपये जुर्माना लगाया

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टी20 विश्वकप में खराब प्रदर्शन के लिए सभी खिलाड़ियों पर 50-50 लाख पाकिस्तानी रुपए जुर्माना लगाया है। पीसीबी का कहना है कि जब जीत पर टीम को ईनाम मिलता है तो हार के बाद उसपर जुर्माना लगाना कोई गलत नहीं है। सभी खिलाड़ियों को इसके लिए तैयार रहना चाहिये। पाक टीम के लिए ये विश्वकप बेहद खराब रहा है। उसे भारतीय सहित सभी बड़ी टीमों स हार का सामना करना पड़ा है। पाक टीम लगातार दूसरी बार सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाई और सुपर-8 से ही टूर्नामेंट से बाहर हो गई। वह केवल टेस्ट खेलने वाली एक ही टीम श्रीलंका को हरा पाया। इसके अलावा उसे नीदरलैंड्स, अमेरिका और नामीबिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। भारत-इंग्लैंड जैसी टीमों से भी उसे हार मिली है।

मध्यपूर्व में जारी संघर्ष के कारण स्वदेश नहीं लौट पा रही जिम्बाब्वे टीम

मुम्बई । खाड़ी देशों में जारी संघर्ष के कारण जिम्बाब्वे की टीम टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद भी भारत में ही फंसी हुई है। जिम्बाब्वे की टीम दुबई हवाई अड्डे के बंद होने के बाद से ही स्वदेश वापसी की योजना पर अपने क्रिकेट बोर्ड के अगले आदेश का इंतजार कर रही है।

जिम्बाब्वे की टीम रविवार को सुपर आठ चरण के अपने अंतिम मैच में दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद से ही स्वदेश लौटने की तैयारी में लगी थी पर अचानक ही अमेरिका और इजरायल के ईरान पर हमले के बाद से ही खाड़ी देशों से सभी उड़ाने बाधित हो गयीं। टीम के अधिकांश खिलाड़ी सोमवार सुबह से दिल्ली से तीन अलग-अलग चरणों में रवाना होने वाले थे पर ये संभव नहीं हुआ। टीम के मुख्य कोच जस्टिन सैमन्स ने बताया कि अभी वापसी को टाल दिया गया है अभी हम इंतजार की रणनीति पर काम कर रहे हैं।

वहीं जिम्बाब्वे के ऑलराउंडर ग्रीम क्रीमर दुबई में रहते हैं और मध्य पूर्व के प्रमुख हवाई अड्डों के हवाई क्षेत्र बंद होने के बाद उनकी यात्रा योजना भी अभी टल गई है। टीम के अन्य खिलाड़ियों को दुबई से आगे की उड़ान लेनी थी। मुख्य कोच सैमन्स ने कहा, खिलाड़ियों के लिए इस तरह की स्थिति की अनदेखी करना कठिन है लेकिन फिर भी सबका ध्यान रविवार को मैच के दौरान खेल पर ही था। उन्होंने मौजूदा स्थिति से खेल के प्रभावित होने के बारे में पूछे जाने पर कहा, सबके दिमाग में यह था कि उन्हें सोमवार को घर के लिए निकलना है। टीम के अंदर इस पर बात हो रही थी पर मैदान पर कदम रखते समय उनका पूरा ध्यान मैच

पर ही था। सैमन्स ने कहा कि रविवार को टीम को कोई नई जानकारी नहीं दी गई है। उन्होंने कहा, जब हमने मैच शुरू किया था, तब कोई जानकारी नहीं थी। उसके बाद पूरा ध्यान खेल पर रहा। तब से मुझे कोई जानकारी नहीं मिली है।

दुबई हवाई अड्डा बंद होने के कारण खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए अब अदीस अबाबा स्थित इथोपियाई एयरलाइंस के जरिए स्वदेश लौटने का विकल्प है। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भी कहा है कि टी20 विश्व कप से लौट रहे खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए वैकल्पिक उड़ानों की व्यवस्था कर रही है। यह कदम अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष के कारण उड़ाने बंद होने के कारण उठाया गया है। हमलों के बाद उत्पन्न व्यवधान को देखते हुए उठाया जा रहा है।

वहीं दक्षिण अफ्रीका की टीम सेमीफाइनल में पहुंची है और उसके दिमाग में भी वापसी को लेकर संशय है। टीम के मुख्य कोच शुक्री कॉनराड ने कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष की स्थिति खिलाड़ियों के बीच चर्चा का विषय रहा है। आप इसे नजरअंदाज नहीं कर सकते पर हमारा ध्यान खेल पर ही रहेगा।

जून में भारत दौरे पर आयेगी अफगानिस्तान टीम, बीसीसीआई ने जारी किया कार्यक्रम

एक टेस्ट और तीन एकदिवसीय खेलेगी

मुम्बई। अफगानिस्तान की क्रिकेट टीम जून में भारत दौरे पर जाएगी। अफगान टीम अपने इस दौरे में एक टेस्ट और तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज खेलेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अफगान टीम के इस भारत दौरे का कार्यक्रम जारी कर दिया है। अफगानिस्तान टीम अपना एकमात्र टेस्ट मैच न्यू चंडीगढ़ में खेलेगी। इसके बाद तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज होगी। बीसीसीआई के अनुसार टेस्ट मैच 6 जून से 10 जून, 2026 तक न्यू चंडीगढ़ में खेला जाएगा। वहीं एकदिवसीय सीरीज 14 जून, 2026 को धर्मशाला में शुरू होगी, जिसके बाद के मैच लखनऊ और चेन्नई में खेले जाएंगेगे। सभी एकदिवीसय मैच दोपहर 1¬30 बजे शुय होंगे। इस दौरे से पहले भरतीय टीम को आईपीएल खेलना है।

भारत और अफगानिस्तान टेस्ट मैच, 6 जून से, सुबह 9 बजे

भारत और अफगानिस्तान पहला एकदिवसीय, 14 जून को, दोपहर 1.30 बजे

भारत और अफगानिस्तान दूसरा एकदिवसीय, , 17 जून को, दोपहर 1.30 बजे

भारत और अफगानिस्तान तीसरा एकदिवसीय, , 20 जून को, दोपहर 1.30 बजे

अफगानिस्तान ने इससे पहले साल 2018 में अपना पहला टेस्ट भी भारतीय टीम के खिलाफ ही खेला था, उस मैच में भारतीय टीम ने जीत हासिल की थी। अफगानिस्तान ने अब तक कुल 12 टेस्ट खेले हैं, जिसमें उन्हें 4 में जीत मिली है, 7 हारे हैं और एक ड्रॉ रहा है।

देश की एक ऐसी फैक्ट्री जहां इंसान नहीं 57 रोबोट 24 घंटे करते हैं काम

कांचीपुरम की 'डार्क फैक्ट्री' साल में महज 30 मिनट आराम करती हैं मशीनें

चेन्नई। चेन्नई एयरपोर्ट से करीब 50 किलोमीटर दूर ओरागडम के स्पेशल इकोनॉमिक जोन में स्थित एक फैक्ट्री है। जिसके भीतर आधी रात में अल्ट्रावॉयलेट रोशनी की हल्की चमक तो दिखाई देती है, लेकिन शोर-गुल सुनाई नहीं देता है। चारों ओर सन्नाटा और बीच-बीच में आती 'बीप' की आवाजें। यहां न इंसानी मजदूरों की हलचल है, न शिफ्ट बदलने की चहल-पहल। यह है पॉलिमेटिक की 'डार्क फैक्ट्री', जिसे देश की पहली और दुनिया की तीसरी पूर्णतः स्वचालित इकाई बताया जा रहा है।

इस फैक्ट्री में 125 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित करीब 57 रोबोटिक मशीनें वर्ष 2018 से लगातार काम कर रही हैं। इनकी खासियत यह है कि ये सालभर 24 घंटे संचालित रहती हैं और केवल साल में एक बार 30 मिनट के मेंटेनेंस ब्रेक के लिए रुकती हैं। हर मशीन की अनुमानित आयु 25 वर्ष बताई गई है।

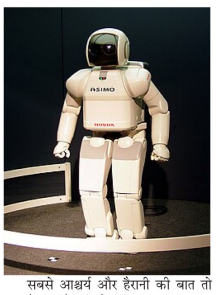

सबसे आश्चर्य और हैरानी की बात तो यह है कि फैक्ट्री के भीतर वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) मात्र 002 दर्ज किया गया, जो लगभग शून्य प्रदूषण का संकेत देता है। सेमीकंडक्टर चिप और प्रिंटेड सर्किट बोर्ड (पीसीबी) असेंबली जैसे अत्यंत संवेदनशील कार्य रोबोटिक आर्म्स द्वारा सटीकता से किए जाते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पॉलीमेटेक के डायरेक्टर विशाल नंदन बताते हैं, कि हमारे इंजीनियर नियमित शिफ्ट में काम नहीं करते। वे सिस्टम की निगरानी करते हैं और जरूरत पड़ने पर रोबोट को रीप्रोग्राम करते हैं। जितना काम 350 लोग मिलकर करेंगे, उतना 57 रोबोट कर रहे हैं। पूरी इकाई में गार्ड समेत केवल छह लोग तैनात रहते हैं, जिनमें दो तकनीकी विशेषज्ञ हैं।

'डार्क फैक्ट्री' का कॉन्सेप्ट नया नहीं है। दुनिया की पहली ऐसी इकाई 2001 में जापान की फेनक ने स्थापित की थी, जो आज भी संचालन में है। इसके बाद दक्षिण कोरिया में भी इसी तरह की फैक्ट्री शुरू हुई। भारत में यह पहल विनिर्माण क्षेत्र में तकनीकी बदलाव का संकेत मानी जा रही है।

विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह की स्वचालित इकाइयां उत्पादन क्षमता, सटीकता और लागत नियंत्रण के लिहाज से लाभकारी हैं। हालांकि, इससे पारंपरिक रोजगार संरचना पर असर को लेकर बहस भी जारी है। कांचीपुरम की यह फैक्ट्री बताती है कि भविष्य का औद्योगिक मॉडल कैसा हो सकता है, जहां रोशनी कम और मशीनों की दक्षता ज्यादा होगी, और इंसानी भूमिका निगरानी व प्रोग्रामिंग तक सीमित रह जाएगी।

मेरी मासिक कमाई 9000 में हर माह 12,000 रुपये की एलिमनी नहीं दे सकता....सुप्रीम कोर्ट में पति ने रोया दुखड़ा

नई दिल्ली। नई दिल्ली के सुप्रीम कोर्ट में एक दिलचस्प तलाक से जुड़े मामले की सुनवाई हो रही है, जिसमें पति की सैलरी और पत्नी की एलिमनी की मांग मुख्य मुद्दा बनी। पति ने दावा किया कि वहां दिहाड़ी मजदूर है और महीने में मुश्किल से 9,000 रुपये कमाता है, इसलिए वह अपनी पत्नी को हर माह 12,000 रुपये की एलिमनी नहीं दे सकता। पति ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि उसकी दैनिक आमदनी करीब 325 रुपये है और इसके बावजूद पूरी मेहनत करने पर भी उसकी कमाई 9,000 रुपये ही होती है।

लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने पति के दावे पर संदेह जताया। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि आज के समय में कोई इतनी कम सैलरी नहीं देता और यह बात भरोसेमंद नहीं लगती। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर पति मेंटेनेंस नहीं दे सकता, तब पत्नी के साथ रहना चाहिए ताकि वह खाने-पीने और बच्चों के गुजारे का ध्यान रख सके। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान पति के वकील ने कहा कि उनका क्लाईंट सच में अपनी आमदनी बता रहा है और इसके लिए एफिडेविट भी फाइल करने को तैयार है। सुप्रीम कोर्ट ने पति से कहा कि पत्नी के गुजारे के लिए पैसे का इंतजाम उसकी जिम्मेदारी है और इस पूरा करने के लिए कोई उपाय करना ही होगा, भले ही उधार लेना पड़े।

इससे पहले निचली अदालत ने तलाक देकर पत्नी को 6 लाख रुपये देने का आदेश दिया था। हालांकि, पत्नी इस राशि से संतुष्ट नहीं हुई और हाई कोर्ट व सुप्रीम कोर्ट में बढ़ोतरी की मांग की। उसने पति के सामने दो विकल्प रखे—या हर महीने 12,000 रुपये एलिमनी के रूप में दें, जिसमें हर साल निश्चित बढ़ोतरी हो, या एक बार में 30 लाख रुपये का भुगतान करें। कोर्ट ने सुनवाई के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि आर्थिक तंगी को बहाना बनाकर पत्नी के अधिकारों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और पति को अपनी जिम्मेदारी पूरी करनी होगी, चाहे इसके लिए उसे कोई अतिरिक्त प्रयास करना पड़े।

ईरान हमले पर कांग्रेस ने की निंदा तो बीजेपी ने कर दिया पलटवार

-बीजेपी ने 2024 का विदेश मंत्रालय बयान याद दिलाया

नई दिल्ली। अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए संयुक्त हमले और ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई की कथित लक्षित हत्या को लेकर देश की राजनीति गरमा गई है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने इस कार्रवाई की स्पष्ट निंदा की है, तो वहीं भाजपा ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोल दिया है।

दरअसल कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बयान जारी कर कहा कि उनकी पार्टी बिना औपचारिक युद्ध घोषणा के किए गए सैन्य हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता की लक्षित हत्या की स्पष्ट रूप से निंदा करती है। उन्होंने कहा कि किसी भी बाहरी शक्ति को किसी संप्रभु राष्ट्र में सत्ता परिवर्तन कराने का अधिकार नहीं है। कांग्रेस ने ऐसी कार्रवाइयों को साम्राज्यवाद के समान बताते हुए कहा कि यह नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के अनुरूप नहीं है। खड़गे ने कहा कि प्रत्येक देश के नागरिकों को अपना राजनीतिक भविष्य तय करने का अधिकार है। उन्होंने इस घटना को लेकर खामेनेई के परिवार, ईरान की जनता और विश्वभर के शिया समुदाय के प्रति संवेदना व्यक्त की तथा कहा कि कांग्रेस इस संकट की घड़ी में उनके साथ एकजुटता से खड़ी है। पार्टी ने यह भी दोहराया कि भारत की विदेश नीति संवाद, कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय कानून के सम्मान पर आधारित है, जैसा कि संविधान के अनुच्छेद 51 में निर्देशित है। कांग्रेस के इस रुख पर बीजेपी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने 16 सितंबर 2024 को विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान का हवाला देते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा। उस बयान में भारत सरकार ने खामेनेई द्वारा भारतीय अल्पसंख्यकों पर की गई टिप्पणियों की कड़ी निंदा की थी और उन्हें गलत जानकारी पर आधारित और अस्वीकार्य बताया था। विदेश मंत्रालय ने तब कहा था कि दूसरों पर टिप्पणी करने से पहले संबंधित देशों को अपने रिकॉर्ड पर भी नजर डालनी चाहिए। बीजेपी नेताओं का कहना है कि कांग्रेस को अपने रुख में संतुलन रखना चाहिए और खामेनेई के पूर्व बयानों को भी ध्यान में रखना चाहिए।

ईरान पर हमले के बाद पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर है और वैश्विक स्तर पर इसके व्यापक प्रभावों की आशंका जताई जा रही है। भारत में इस मुद्दे पर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है, जबकि केंद्र सरकार ने आधिकारिक रूप से शांति और कूटनीति के जरिए समाधान की वकालत की है।

शंभू गर्ल्स हॉस्टल के मालिक मनीष को कोर्ट ने नहीं दी जमानत, अब सुनवाई 11 मार्च को

पटना। पटना में नीट छात्रा दुष्कर्म और मौत मामले में शंभू गर्ल्स हॉस्टल के मालिक मनीष रंजन की जमानत याचिका पर सोमवार को सुनवाई हुई। मनीष को कोर्ट से जमानत नहीं मिली। सोमवार को करीब पौने दो घंटे सुनवाई चली। इस बीच पीड़ित परिवार के वकील और सीबीआई के वकील के बीच तीखी बहस हुई। पीड़ित परिवार के वकील ने जांच में लापरवाही की बात कही। इस पर सीबीआई के वकील ने आपत्ति जताई और कहा कि जमानत की सुनवाई है। आप एजेंसी पर सवाल नहीं कर सकते हैं। कोर्ट से अगली सुनवाई की 11 मार्च तय की है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सोमवार को सुनवाई के दौरान सीबीआई ने लिखित में कहा कि हमें इन्वेस्टिगेशन में मनीष रंजन जरूरत नहीं है। मनीष की जमानत याचिका पर सुनवाई अब अगली तारीख पर सीबीआई मजिस्ट्रेट कोर्ट में होगी। कोर्ट से सुनवाई की अगली तारीख 11 मार्च है। पीड़ित पक्ष के वकील ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को पिंजरे वाला तोता कहा है। इस मामले में सीबीआई की जांच देखकर लग रहा है कि वो मनीष रंजन की जेब में है। उन्होंने अलग से एफआईआर दर्ज की है। रिपोर्ट के मुताबिक पॉक्सो एक्ट की धारा जानबूझकर हटा दी गई। सीबीआई वालों की बेटियां उनसे पूछती होंगी कि इस मामले में पीड़िता का इंसाफ मिलेगा या नहीं। हम लोग चाहते हैं इस मामले में हर जिम्मेदार पुलिस ऑफिसर हेमंत, रोशनी, एएसपी, एसएसपी, डीजीपी पर सबूतों से छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया जाए। इसके पहले शनिवार को हियरिंग हुई थी, जो 2 घंटे तक चली थी। इस दौरान कोर्ट ने सीबीआई को फटकार लगाई। सीबीआई से पूछा था कि आपने पॉक्सो क्यों नहीं लगाया?

खाड़ी में छिड़ी जंग : संकट में 90 लाख भारतीय, सभी को सुरक्षित निकालने के प्रयास तेज

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच भड़की जंग ने खाड़ी देशों की स्थिरता को हिलाकर रख दिया है। इस सैन्य टकराव ने वहां बसे लगभग 90 लाख भारतीयों की सुरक्षा पर संकट खड़ा कर दिया है। दुबई, अबू धाबी, बहरीन, कतर और सऊदी अरब में रहने वाले भारतीय परिवारों के लिए अब हर दिन चिंता और हर रात बेचैनी में बीत रही है। मोबाइल पर गूंजते सायरन के अलर्ट और घर से आने वाली चिंतित कॉल्स ने सामान्य जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। हालात की गंभीरता को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में रविवार को सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी की उच्च स्तरीय बैठक हुई।जिसमें भारतीयों की सुरक्षा के प्रयास तेज किए जाने के निर्देश दिए गए।

बैठक में पश्चिम एशिया की वर्तमान स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई और वहां रह रहे भारतीयों की सुरक्षा पर गहरी चिंता जताई गई। कमेटी ने व्यापार, शिक्षा और यात्रा पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभावों का आकलन करते हुए संबंधित मंत्रालयों को प्रभावित नागरिकों की मदद के लिए तत्काल कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। आंकड़ों के अनुसार, खाड़ी देशों में भारतीय समुदाय सबसे बड़ा विदेशी समूह है। अकेले यूएई में 35.68 लाख और सऊदी अरब में 24.63 लाख भारतीय रहते हैं। इनके अलावा कुवैत, कतर, बहरीन और ओमान में भी लाखों की संख्या में भारतीय कार्यरत हैं। ये क्षेत्र भारत के लिए रेमिटेंस (विदेशी मुद्रा) का भी मुख्य स्रोत है। वर्तमान तनाव के बीच स्थानीय निवासियों ने बताया कि आसमान में ड्रोन और मिसाइलों के मलबे गिरने से दहशत का माहौल है। बहरीन और अबू धाबी जैसे शहरों में लोग सायरन बजते ही शेल्टर होम की ओर भाग रहे हैं। संयुक्त अरब अमीरात के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, हालिया हमलों में कुछ भारतीय नागरिक भी मामूली रूप से घायल हुए हैं, हालांकि भारतीय दूतावास ने स्पष्ट किया है कि वे खतरे से बाहर हैं। हमलों में कुछ अन्य देशों के नागरिकों के हताहत होने की भी खबर है।

विदेश मंत्रालय ने हेल्पलाइन नंबर सक्रिय कर दिए हैं और दूतावासों ने एडवाइजरी जारी कर भारतीयों को घरों के भीतर रहने तथा अफवाहों से बचने की सलाह दी है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि कूटनीतिक स्तर पर युद्ध को समाप्त करने और बातचीत से समाधान निकालने पर जोर दिया जा रहा है।

मणिपुर में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई में तीन उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने अलग-अलग जिलों में अभियान चलाकर प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा सोमवार को जारी बयान के अनुसार यह कार्रवाई इंफाल पूर्वी, इंफाल पश्चिमी और थौबल जिलों में की गई। अधिकारियों ने बताया कि रविवार को इंफाल पूर्वी जिले के फकनुंग अवांग लेइकाई इलाके से प्रतिबंधित संगठन 'पीआरईपीएके' के एक सक्रिय कैडर को पकड़ा गया।

एक अन्य कार्रवाई में शनिवार को इंफाल पश्चिमी जिले के वांगेई खैदेम लेइकाई स्थित एक आवास से 'पीआरईपीएके (प्रो)' से जुड़े उग्रवादी को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से नौ एमएम की पिस्तौल, एक मैगजीन और चार जिंदा कारतूस बरामद किए गए।

नेपाल से आने वाली बाढ़ पर सैटेलाइट की नजर, बिहार सरकार की नई पहल

कोसी बेसिन समेत 6,960 वर्ग किमी क्षेत्र की होगी मॉनिटरिंग; पूर्वानुमान के आधार पर राहत-बचाव की तैयारी

पटना। हर साल नेपाल से आने वाली नदियों के कारण बिहार में होने वाली तबाही को कम करने के लिए राज्य सरकार ने सैटेलाइट तकनीक का सहारा लेने का फैसला किया है। बिहार-नेपाल सीमा पर बहने वाली नदियों और उनसे जुड़े सभी जलस्रोतों की निगरानी अब अंतरिक्ष से की जाएगी। इसके लिए नेशनल रिमोट सेन्सिंग सेंटर (एनआरएससी) के माध्यम से सैटेलाइट डेटा एकत्र किया जाएगा।

जल संसाधन विभाग ने इस दिशा में व्यापक कार्ययोजना तैयार की है। योजना के तहत कोसी बेसिन क्षेत्र में लगभग 6,960 वर्ग किलोमीटर इलाके को चिन्हित किया गया है। इसमें नेपाल से बिहार में प्रवेश करने वाले प्रमुख जलस्रोतों के साथ चंपारण से लेकर किशनगंज तक के क्षेत्र शामिल हैं। अधिकारियों का मानना है कि यदि जलस्तर और वर्षा की स्थिति की समय रहते सटीक जानकारी मिल जाए तो अचानक आने वाली बाढ़ से होने वाले नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

राज्य में फिलहाल बड़ी नदियों के कुछ हिस्सों पर ही तटबंध बने हैं, जबकि अधिकांश नदियां बिना तटबंध के बहती हैं। कई परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं, लेकिन बिना तटबंध वाले इलाकों की निगरानी एक बड़ी चुनौती बनी रहती है। ऐसे में सैटेलाइट आधारित निगरानी से उन क्षेत्रों पर भी नजर रखी जा सकेगी, जहां पारंपरिक गेज सिस्टम उपलब्ध नहीं है। नई तकनीक के जरिए वर्षा, जलस्तर और संभावित जलप्रवाह का पूर्वानुमान तैयार किया जाएगा। इससे प्रशासन को पहले से अलर्ट जारी करने, सुरक्षित स्थानों पर लोगों को पहुंचाने और राहत-बचाव कार्यों की तैयारी करने में मदद मिलेगी। हालांकि यह योजना अभी शुरुआती चरण में है और इसकी प्रभावशीलता का वास्तविक आकलन मानसून सीजन के बाद ही हो सकेगा। बिहार के जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार बाढ़ नियंत्रण के लिए अत्याधुनिक तकनीकों को अपना रही है। उन्होंने बताया कि दीर्घकालीन और अल्पकालीन दोनों स्तरों पर योजनाएं तैयार की जा रही हैं, ताकि राज्य के लोगों को बाढ़ की मार से बचाया जा सके। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह प्रणाली प्रभावी ढंग से लागू की गई, तो बिहार में हर साल आने वाली अचानक बाढ़ की समस्या से निपटने में महत्वपूर्ण सफलता मिल सकती है।

स्टांप शुल्क माफ : 'जिन्ना हाउस' होगा नीलाम, 2600 करोड़ के बंगले की होगी नीलामी

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में स्थित शत्रु संपत्तियों की खरीद-बिक्री को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा फैसला लेते हुए इन पर स्टांप शुल्क माफ कर दिया है। इस निर्णय का मुख्य उद्देश्य ई-नीलामी के दौरान खरीदारों की भागीदारी को बढ़ाना और इन संपत्तियों के निपटान में आने वाली बाधाओं को दूर करना है। इस फैसले के बाद दक्षिण मुंबई के पॉश इलाके मलाबार हिल स्थित जिन्ना हाउस एक बार फिर सुर्खियों में है। 2,600 करोड़ रुपये की अनुमानित कीमत वाला यह बंगला कभी पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना का निवास था, जहाँ भारत के विभाजन की रूपरेखा तैयार की गई थी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के अनुसार, इन संपत्तियों की नीलामी में पहले कम प्रतिक्रिया मिलती थी। स्टांप शुल्क माफी से खरीद लागत कम होगी, जिससे निवेशक आकर्षित होंगे। हालांकि, रियल एस्टेट विशेषज्ञों का मानना है कि इन संपत्तियों का एक हिस्सा सरकारी कार्यालयों के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है, क्योंकि कई विभाग वर्तमान में किराए की इमारतों में चल रहे हैं। विशेषज्ञों का यह भी तर्क है कि जहाँ एक ओर ई-नीलामी से राजस्व बढ़ेगा, वहीं दूसरी ओर मानवीय पक्ष को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कई परिवार दशकों से इन इमारतों में रह रहे हैं। ऐसे में बिना किसी पुनर्वास नीति के केवल नीलामी पर ध्यान केंद्रित करने से कानूनी विवाद बढ़ सकते हैं। सरकार को राष्ट्रीय हित और सामाजिक न्याय के बीच संतुलन बनाने की आवश्यकता है ताकि इन प्राइम लोकेशन पर स्थित जर्जर संपत्तियों का सही उपयोग हो सके।

क्या है शत्रु संपत्ति और नया नियम?

शत्रु संपत्तियां उन लोगों की हैं जो 1965 और 1971 के युद्धों के बाद भारत छोड़कर पाकिस्तान या चीन चले गए। शत्रु संपत्ति अधिनियम, 1968 के तहत इन संपत्तियों का प्रबंधन भारत के लिए शत्रु संपत्ति संरक्षक करता है। 2017 के संशोधन के बाद केंद्र सरकार को इन संपत्तियों को बेचने का अधिकार मिला। महाराष्ट्र में कुल 428 ऐसी संपत्तियां हैं, जिनका बाजार मूल्य 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक आंका गया है। वर्तमान में मुंबई में 6 फीसदी स्टांप शुल्क लगता है, जिसे अब पहली पंजीकरण प्रक्रिया के लिए माफ कर दिया गया है।

राहुल गांधी हैदराबाद पहुंचे, एयरपोर्ट पर सीएम रेड्डी ने किया स्वागत

-पार्टी को मजबूत करने की रणनीति को लेकर डीसीसी अध्यक्षों को करेंगे संबोधित

हैदराबाद। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सोमवार को हैदराबाद पहुंचे, जहां शमशाबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीएम ए रेवंत रेड्डी ने उनका स्वागत किया। हवाई अड्डे पर आगमन के तुरंत बाद राहुल गांधी, सीएम रेड्डी के साथ विकाराबाद जिले के दौरे पर निकल गए। वहां वह आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जिला कांग्रेस समिति के अध्यक्षों के प्रशिक्षण से संबंधित समापन कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

मीडिया रिपोर्ट में कांग्रेस सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि राहुल गांधी के यहां राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने पर सीएम ए रेवंत रेड्डी और अन्य कांग्रेस नेताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इसके बाद वह सीएम रेड्डी के साथ कार्यक्रम में शामिल होने विकाराबाद रवाना हो गए। सत्र के दौरान राहुल गांधी तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में पार्टी को मजबूत करने की रणनीति को लेकर डीसीसी अध्यक्षों को संबोधित करेंगे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 21 फरवरी को शुरू हुआ था जिसमें तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के डीसीसी अध्यक्षों ने भाग लिया। राहुल गांधी सोमवार को विकाराबाद में कांग्रेस की तेलंगाना इकाई की राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक में भी शामिल होंगे।

दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर 300 फ्लाइट्स रद्द, यात्री परेशान, डीजीसीए ने जारी की गाइडलाइन

नई दिल्ली। ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने वैश्विक हवाई यातायात को अस्त-व्यस्त कर दिया है। मध्य पूर्व के हवाई क्षेत्रों में जारी बंदी और सुरक्षा प्रतिबंधों के कारण दिल्ली सहित भारत के विभिन्न शहरों से संचालित होने वाली अंतरराष्ट्रीय उड़ानें बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) और तमाम एयरलाइंस पैसेंजर असिस्टेंस कंट्रोल रूम के माध्यम से स्थिति की निरंतर निगरानी कर रहे हैं। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे हवाई अड्डे के लिए निकलने से पहले अपनी उड़ान का स्टेटस अनिवार्य रूप से जांच लें और संबंधित एयरलाइन के संपर्क में रहें। आंकड़ों के अनुसार, इस संकट का असर उड़ानों के संचालन पर व्यापक रूप से पड़ा है। 28 फरवरी को भारतीय एयरलाइंस द्वारा लगभग 410 उड़ानें रद्द की गईं, जबकि 1 मार्च को कम से कम 350 उड़ानों पर इसका असर पड़ा। 2 मार्च को भी 300 से अधिक उड़ानों के प्रभावित होने की आशंका है। विशेष रूप से यूरोप जाने वाले मुख्य मार्ग जैसे लंदन, ज्यूरिख, फ्रैंकफर्ट, पेरिस, एम्सटर्डम और मिलान बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। कई उड़ानों को वैकल्पिक रास्तों से भेजा जा रहा है, जिससे यात्रा के समय में 2 से 4 घंटे की बढ़ोतरी हो रही है और कुछ विमानों को तकनीकी स्टॉप के लिए रोम जैसे शहरों में उतरना पड़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस की स्थिति भी काफी चिंताजनक है। कतर एयरवेज और एतिहाद ने अपना परिचालन फिलहाल निलंबित रखा है, जबकि एमिरेट्स ने दुबई से अपनी सभी उड़ानें 2 मार्च की दोपहर तक रद्द कर दी हैं। लुफ्थांसा ने मध्य पूर्व के कई गंतव्यों के लिए अपनी सेवाएं 7-8 मार्च तक के लिए रोक दी हैं। ब्रिटिश एयरवेज और वर्जिन अटलांटिक जैसी कंपनियों ने भी रियाद, दुबई और बहरीन के लिए उड़ानों को निलंबित कर दिया है, जिससे भारत से लंदन जाने वाले यात्रियों को देरी या रद्दीकरण का सामना करना पड़ रहा है। ईरान, इराक, कुवैत और यूएई सहित मध्य पूर्व के अधिकांश हवाई क्षेत्र प्रतिबंधित होने के कारण वैश्विक स्तर पर 1600 से अधिक उड़ानें प्रभावित हुई हैं।

गुजरात पेट्रोलियम डीलर्स का दावा -

ईरान-इज़राइल तनाव के बीच राहत की खबर

अहमदाबाद। मध्य पूर्व में ईरान और इज़राइल के बीच युद्ध जैसी स्थिति के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों को लेकर चिंता बढ़ गई है। इसी बीच फेडरेशन ऑफ गुजरात पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन की ओर से एक महत्वपूर्ण बयान सामने आया है, जिसने आम लोगों को बड़ी राहत दी है।

फेडरेशन के वाइस प्रेसिडेंट मेहुल पटेल ने कहा कि, पिछले तीन-चार दिनों से तनावपूर्ण हालात के बावजूद भारत में पेट्रोल और डीज़ल की सप्लाई पर फिलहाल कोई सीधा असर दिखाई नहीं दे रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत अपनी जरूरत का अधिकांश कच्चा तेल रूस और अमेरिका से आयात करता है, जबकि लगभग 25 प्रतिशत आयात सऊदी अरब और ईरान जैसे देशों से होता है।

मेहुल पटेल के मुताबिक मौजूदा हालात में सप्लाई चेन में किसी बड़े अवरोध की संभावना नजर नहीं आ रही है। समुद्री शिपिंग मार्ग खुले हैं और देश में पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। ऐसे में अल्पकाल में पेट्रोल-डीज़ल की कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना बेहद कम है। उन्होंने यह भी बताया कि केंद्र सरकार ने हाल के महीनों में ईंधन की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत यदि 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक नहीं पहुंचती, तो देश में कीमतों में वृद्धि की आशंका नगण्य बनी रहेगी।

फेडरेशन ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और घबराहट में आकर अतिरिक्त खरीदारी न करें। स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और यदि कोई बड़ा असर पड़ता है तो समय पर जानकारी दी जाएगी। इस बयान के बाद युद्ध जैसे हालात के बीच महंगाई को लेकर उठ रही आशंकाओं को कुछ हद तक विराम मिला है।

निर्वाचन आयोग 6-7 मार्च को केरल में चुनाव तैयारियों की करेगा समीक्षा

नई दिल्ली। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में निर्वाचन आयोग की टीम 6 और 7 मार्च को केरल का दौरा करेगी। इस दौरान आयोग आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करेगा। अधिकारियों के अनुसार बैठक में मतदाता सूची, सुरक्षा प्रबंध, मतदान केंद्रों की व्यवस्था और अन्य प्रशासनिक पहलुओं पर चर्चा की जाएगी। इस वर्ष कुल पांच राज्यों— केरल, असम, तमिलनाडु, पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। आयोग पहले ही असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी का दौरा कर चुनावी तैयारियों का जायजा ले चुका है, जबकि पश्चिम बंगाल का दौरा अभी शेष है। इन सभी राज्यों में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है।

बालाघाट
मंगलवार 03 मार्च 2026
दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

देर रात तक चलता रहा होलिका दहन रंगोत्सव कल, धुरेड़ी का इंतजार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में 2 मार्च को होलिका दहन का आयोजन पूरे श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। सुबह से ही विभिन्न मोहल्लों, वार्डों और सार्वजनिक चौक-चौराहों पर होलिका दहन समितियों

द्वारा तैयारियां शुरू कर दी गई थीं। युवाओं और समिति के सदस्यों ने कंडे , लकड़ियां एवं अन्य पूजन सामग्री एकत्रित कर पारंपरिक रूप से होलिका सजाई। दोपहर बाद से ही महिलाओं और बच्चों की भीड़ होलिका स्थल पर जुटने लगी। महिलाओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि, संतानों की दीर्घायु और घर में खुशहाली की कामना की। कई स्थानों पर महिलाओं ने परंपरागत गीत गाए और परिक्रमा कर पूजा संपन्न की। शाम ढलते ही माहौल पूरी तरह भक्तिमय और उत्सवमय हो गया। निर्धारित शुभ मुहूर्त के अनुसार अलग-अलग स्थानों पर शाम होते ही होलिका दहन किया गया। जैसे ही अग्नि प्रज्वलित हुई, लोगों ने जयकारों के साथ एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं। बच्चों और युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों से लेकर ग्रामीण अंचलों तक देर रात तक होलिका की ज्योति जलती रही जानकारी के अनुसार कुछ स्थानों पर 3 मार्च को भी होलिका दहन किया जाएगा, किंतु इस बार 3 मार्च को शुभ मुहूर्त नहीं होने के कारण अधिकांश समितियों ने 2 मार्च को ही होलिका दहन करना उचित समझा।

जिलेभर में होली पर्व को लेकर इस वर्ष विशेष उत्साह और उमंग देखने को मिली। 3 मार्च को शुभ मुहूर्त नहीं होने के कारण अधिकांश स्थानों पर 2 मार्च की देर रात तक होलिका दहन किया गया। शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों तक अलग-अलग होलिका दहन समितियों ने अपने-अपने स्तर पर तैयारियां कीं। कहीं कंडे से तो कहीं लकड़ियों से पारंपरिक होली सजाई गई। दोपहर से ही महिलाओं ने विधि-विधान के साथ पूजन-अर्चना प्रारंभ कर दी थी। परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए परिक्रमा की गई। निर्धारित मुहूर्त के अनुसार शाम से देर रात तक आस्था की अग्नि जलती रही और लोगों ने एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं। कुछ स्थानों पर 3 मार्च को भी होलिका दहन किए जाने की चर्चा रही, लेकिन अधिकांश समितियों ने 2 मार्च को ही कार्यक्रम संपन्न कर लिया। इधर होली पर्व के चलते बस स्टैंड और रेलवे स्टेशनों पर भी भारी भीड़ देखने को मिली। बाहर शहरों में कामकाज और पढ़ाई के लिए गए लोग बड़ी संख्या में अपने घर लौटते नजर आए। लंबी दूरी के यात्रियों ने रेल मार्ग का सहारा लिया, जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जाने वाली बसों में भी खासी भीड़ रही। बस स्टैंड पर यात्रियों की आवाजाही देर रात तक जारी रही। परिवहन विभाग द्वारा भी लगातार निगरानी रखी गई। आवश्यकता से अधिक सवारी बैठाने और अधिक किराया वसूलने की शिकायतों को देखते हुए विभाग ने चेकिंग अभियान जारी रखा। सुरक्षा की दृष्टि से शहर में पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। 2 मार्च से ही विभिन्न होलिका दहन स्थलों पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया था। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी अपने-अपने क्षेत्रों में गश्त करते नजर आए। दिन के साथ-साथ रात्रि में भी शहर में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया, जिससे पर्व शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

संयुक्त मोर्चा: सीईओ बैठकों में असंयमित भाषा बोलते है! सीईओ: कर्मचारी-अधिकारी काम से बचने दबाव बना रहे!

आईएएस सीईओ अभिषेक सराफ को हटाने बेमियादी हड़ताल शुरू

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिला मुख्यालय में उस समय प्रशासनिक हलचल बढ़ गई जब पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों के संयुक्त मोर्चा ने जिला पंचायत के सीईओ अभिषेक सराफ की कार्यप्रणाली के विरोध में अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। यह धरना स्थानीय जनपद पंचायत कार्यालय के सामने आयोजित किया जा रहा है, जहां जिले के विभिन्न विकासखंडों से बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी पहुंचकर हड़ताल में शामिल हुए। संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारियों का आरोप है कि मुख्य कार्यपालन अधिकारी की कार्यशैली कर्मचारियों के हितों के विपरीत है तथा प्रशासनिक कार्यों में समन्वय की कमी देखी जा रही है। उनका कहना है कि वर्तमान परिस्थितियों में विभागीय कामकाज प्रभावित हो रहा है और कर्मचारियों को अनावश्यक दबाव का सामना करना पड़ रहा है। धरना स्थल पर वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि जब तक सीईओ अभिषेक सराफ को पद से नहीं हटाया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

जिले में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों ने जिला पंचायत के सीईओ अभिषेक सराफ की कार्यप्रणाली के विरोध में अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया है। स्थानीय जनपद पंचायत कार्यालय के सामने 2 मार्च की सुबह से जिले भर के विभिन्न विकासखंडों से पहुंचे अधिकारी-कर्मचारी धरने पर बैठे हैं। यह पहली बार नहीं है हो रहा हैं की मुख्य कार्यपालन अधिकारियों की कार्यशैली के खिलाफ आवाज उठाई गई हो। इससे पहले भी मोर्चा द्वारा पूर्व सीईओ मंजूषा राय और विवेक कुमार सहित अन्य अधिकारियों के विरुद्ध विरोध दर्ज कराया गया था। हालांकि उस समय मामला ज्ञापन और सीमित प्रदर्शन तक ही सिमट गया था, लेकिन इस बार कर्मचारी सीधे अनिश्चितकालीन हड़ताल पर उतर आए हैं। संयुक्त मोर्चा का आरोप है कि ज्ञापन और आवेदन देने के बावजूद जब कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तब मजबूरन यह कदम उठाना पड़ा। सूत्रों के अनुसार, जिला पंचायत के कुछ जनप्रतिनिधियों एवं सदस्यों ने भी सीईओ की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए मंत्री प्रहलाद पटेल को ज्ञापन सौंपा है। धरना स्थल पर सभी की एक स्वर में मांग है कि जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ को पद से हटाया जाए। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक मांग पूरी नहीं होती, अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा।

सीईओ असंयमित भाषा का उपयोग करते है - वृंदावन मीणा

जनपद पंचायत खैरलांजी सीईओ वृंदावन मीणा ने बताया कि सीईओ, देरशाम वीसी लेते है, जिससे महिलाओं को परिवार से निकलने में समस्या हो रही है। यदि वीसी लेनी है तो दिन में उसे जल्द कर लिया जाए और नियमित वीसी की जाएगी तो फिल्ड में काम करने में समस्या आएगी। उन्होंने बताया कि ऐसा कोई दिन नहीं जाता, जब वीसी में सीईओ असंयमित भाषा का उपयोग करते है, जिससे भी कर्मचारी नाराज हैं। जिलेभर के लगभग 500 से अधिक अधिकारी-कर्मचारी हड़ताल में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण स्तर के रोजगार सहायकों से लेकर जनपद और जिला पंचायत स्तर तक के कर्मचारी इस आंदोलन का हिस्सा हैं।

देर रात तक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग होती हैं - ममता कुलस्ते

बालाघाट जनपद पंचायत की सीईओ ममता कुलस्ते ने भी देर रात तक होने वाली वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग पर आपत्ति जताई। उनका कहना है कि सप्ताह में एक बार बैठक होने पर कोई समस्या नहीं है, लेकिन देर रात तक वीसी होने से महिला कर्मचारियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

सकारात्मक निर्णय नहीं हुआ तो आंदोलन जारी रहेगा - जितेंद्र

जिला सचिव संघ के अध्यक्ष जितेंद्र चित्रय ने बताया कि पूर्व में ज्ञापन देकर तीन दिन का समय दिया गया था। समाधान न होने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी दी गई थी, जिस पर अब अमल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधिमंडल सीईओ से मिलने पहुंचा है और यदि सकारात्मक निर्णय नहीं हुआ तो आंदोलन जारी रहेगा।

केवल दबाव बना रहे है, सीधे आकर बात नहीं कर रहे-अभिषेक

चल रही हड़ताल को लेकर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ ने पदेश न्यूज़ से फोन पर कहा कि पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी हड़ताल पर जाने से पहले उनसे बात करने नहीं आए। उनकी वेतन संबंधी मांग पहले ही पूरी कर दी गई है। ज्ञापन में लिखी गई ज्यादातर अन्य मांगें शासन स्तर की हैं, जिन पर जिला स्तर से निर्णय लेना संभव नहीं है। वीसी (वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग) के समय को लेकर लगाए जा रहे आरोपों पर उन्होंने कहा कि यदि अधिकारी-कर्मचारी आकर चर्चा करेंगे तो समय में बदलाव पर विचार किया जा सकता है। लेकिन शासन द्वारा दिए गए लक्ष्य, योजनाओं की जानकारी और समीक्षा लेना उनकी जिम्मेदारी है, जिसे पूरा करना ही होगा। उन्होंने यह भी कहा कि संयुक्त मोर्चा केवल हड़ताल और दबाव बना रहा है, जबकि समाधान के लिए सीधे आकर बात नहीं कर रहा। गलत तरीके से काम कराने के लगाए गए आरोपों को उन्होंने पूरी तरह निराधार बताया।

होली पर 4 मार्च को भी रहेगा सार्वजनिक अवकाश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राज्य शासन द्वारा होली के पावन पर्व के उपलक्ष्य में 4 मार्च को भी निगोशिएबल इन्स्ट्रूमेंट्स एक्ट-1881 के अधीन सार्वजनिक एवं सामान्य अवकाश घोषित किया गया है। अब होली के त्यौहार पर मंगलवार 3 फरवरी के साथ-साथ बुधवार 4 फरवरी को भी सार्वजनिक और सामान्य अवकाश रहेगा। ज्ञात हो कि राज्य शासन द्वारा होली के पावन पर्व पर पूर्व में 03 मार्च को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जा चुका है।

पिकअप की ठोकर से घायल मोटरसाइकिल सवार की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। तिरोड़ी थाना अंतर्गत कटंगी से बोनकट्टा रोड पर स्थित ग्राम गर्रा चौकी के पास पिकअप मोटरसाइकिल को ठोस मार कर फरार हो गई इस सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल मोटरसाइकिल सवार की मौत हो गई ।यह व्यक्ति छमेन्द्र पिता फत्तूलाल उइके 30 वर्ष ग्राम पंचखेड़ी जिला भंडारा महाराष्ट्र निवासी बताया गया है। तिरोड़ी पुलिस ने इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सोप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार झमेंद्र उइके खेती किसानी करता था। 2 मार्च को 10:00 बजे करीब झमेंद्र अपने रिश्तेदार को छोड़ने मोटरसाइकिल से बोनकट्टा गया था और बोनकट्टा से मोटरसाइकिल ग्राम कोहका कटंगी लौट रहा था तभी कटंगी से बोनकट्टा रोड गर्रा चौकी के पास एक पिकअप मोटरसाइकिल को ठोस मारकर फरार हो गई। पिकअप की जबरदस्त ठोकर से झमेंद्र हुई के गंभीर रूप से घायल हो गया था ।जिसे कटंगी के अस्पताल में भर्ती किया गया। जहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई । खबर मिलने पर उसके परिजनों भी पहुंच चुके थे तिरोड़ी पुलिस ने प्रारंभिक कार्रवाई करते हुए मृतक झमेन्द्र का शव पोस्टमार्टम करवाकर उसके परिजनों को सौंप दिये है। इस मामले की आगे जांच सहायक उपनिरीक्षक उमेश दियेवार द्वारा की जा रही है।

PADMESH X FIBERNET
Connecting the Unconnected.
ALWAYS A BETTER CHOICE.
PADMESHXFIBERNET CONNECTION.
Follow us on @padmeshxfibernet 08045777666 www.padmeshdigital.in

REQUIREMENT

Subject	Requirement	Qualification
English	- 01	
Science	- 01	Graduation
Maths	- 01	D.Ed, B.Ed
SST	- 01	
Computer Operator	- 01	

पता-अनुपमा रॉयल एकेडमी इंग्लिश मीडियम स्कूल
आशा निवास के पीछे वार्ड नं. 02 भटेरा चौकी, बालाघाट (म.प्र)
मो. 9399010324, 9981250403, 9893083276

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेंशापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट